बालाघाट
शनिवार 06 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण 06 विक्रम संवत 2083
वर्ष 16, अंक 252
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सेंसेक्स	-	74,243.34
निफ्टी	-	23,366.70
सोना	-	1,55,730
चांदी	-	2,75,000
डॉलर	-	95.39

खास खबर

वर्ल्ड बैंक में ईडी बने नीलकंठ मिश्रा

नई दिल्ली। इकोनॉमिस्ट और मार्केट स्ट्रैटेजिस्ट नीलकंठ मिश्रा को वर्ल्ड बैंक में भारत का नया एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने उनके नाम को मंजूरी दी है। वे वाशिंगटन स्थित वर्ल्ड बैंक के हेडक्वार्टर में 3 साल तक भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। मिश्रा मौजूदा एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर परमेश्वरन अय्यर की जगह लेंगे। जब तक नीलकंठ मिश्रा अपना पद नहीं संभाल लेते, तब तक अय्यर का कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में नीलकंठ मिश्रा वर्ल्ड बैंक के बोर्ड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह बोर्ड वर्ल्ड बैंक के लोन ऑपरेशंस, डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स, फाइनेंशियल पॉलिसी और गवर्नेंस से जुड़े फैसलों की निगरानी करता है।

आशुतोष दीक्षित होंगे वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ

नई दिल्ली। बेहतरीन फाइटर और टेस्ट पायलट एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को देश का अगला वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ नियुक्त किया गया है। आशुतोष दीक्षित 1 जुलाई को अपना नया पद संभालेंगे। एयर मार्शल को 6 दिसंबर, 1986 को भारतीय वायु सेना की फाइटर स्ट्रीम में शामिल किया गया था। वे नेशनल डिफेंस एकेडमी, खडकवासला के डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज (बांग्लादेश) और नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली के पूर्व छात्र हैं। वे एक क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर और एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट हैं, जिन्हें मिराज-2000, मिग-21 और जगुआर समेत 20 से ज्यादा तरह के एयरक्राफ्ट उड़ाने का 3,300 घंटे से ज्यादा का अनुभव है। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने दक्षिणी सेक्टर में एक प्रमुख फाइटर ट्रेनिंग बेस की कमान भी संभाली। यहां उनके नेतृत्व में उस बेस को कमांड का सबसे अच्छा बेस चुना गया।

इंडिया की बैठक शामिल नहीं होगी डीएमके

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि कांग्रेस ने एक्टर विजय की पार्टी टीवीके को समर्थन देकर डीएमके के साथ धोखा किया है। वे कांग्रेस के इस विश्वासघात को कभी नहीं भूलेंगे। चेपॉक-ट्रिप्लिकेन निर्वाचन क्षेत्र में एक धन्यवाद सभा को संबोधित करते हुए उदयनिधि ने कहा- चुनाव के बाद कांग्रेस के जितने भी विधायक जीते। वे डीएमके लीडर से मिलने तक नहीं आए। इस बीच डीएमके ने 8 जून को दिल्ली में होने वाली इंडिया ब्लॉक की बैठक में नहीं जाने का फैसला लिया है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, डीएमके गठबंधन का हिस्सा थी। चुनाव के बाद कांग्रेस के पांच विधायकों ने टीवीके को समर्थन दे दिया।

कुछ ना कहना

कांग्रेस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बड़ा हमला, बोले-

'परजीवी राजनीति अब नहीं चलेगी'

सूरत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुजरात दौरे पर पहुंचे। सूरत एयरपोर्ट पर उतरने के बाद उन्होंने हजीरा स्थित लार्सन एंड टुब्रो (एलएनडटी) के प्लांट का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने एक पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और 'मेक इन इंडिया' के तहत तैयार किए जा रहे अत्याधुनिक रक्षा उपकरणों का निरीक्षण किया। इसके बाद प्रधानमंत्री दमन पहुंचे, जहां उन्होंने रोड शो किया तथा नमो एयरपोर्ट का उद्घाटन किया।

दमन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों से कांग्रेस अराजकता और अनिश्चितता फैलाने के अवसर तलाश रही है, लेकिन देश की जनता ने हर बार उसे करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि गुजरात की जनता ने कांग्रेस को हाशिये पर पहुंचा दिया है और जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां भी लोग उसके कुशासन से परेशान हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल ही में हिमाचल प्रदेश की स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस सरकार होने के बावजूद पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले हरियाणा और पंजाब में भी जनता ने कांग्रेस को स्पष्ट संदेश दिया है कि उसकी परजीवी राजनीति और अराजकता फैलाने की रणनीति अब नहीं चलेगी। उन्होंने दावा किया कि कर्नाटक में भी कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता में भारी नाराजगी है, जिसके कारण पार्टी को मुख्यमंत्री बदलना पड़ा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार देश के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर काम कर रही है। यही कारण है कि देश की जनता भाजपा और उसकी विकास योजनाओं पर लगातार भरोसा जता रही है और बार-बार जनादेश दे रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में पांच देशों की यात्रा के दौरान भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत और विशेष रूप से बंगाल की चर्चा हो रही थी। उन्होंने कहा कि बंगाल, असम और पुडुचेरी के चुनावों में भाजपा और एनडीए को भारी जनसमर्थन मिला है।

'आत्मनिर्भर भारत' अभियान का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ निराशावादी लोग लगातार इस अभियान का मजाक उड़ाते हैं और देश के संकल्प को कमतर आंकते हैं। उन्होंने कहा कि यही वे लोग हैं जिन्होंने भारत को हमेशा दूसरे देशों पर निर्भर बनाए रखा। उनका मानना है कि किसी भी देश के लिए आत्मनिर्भरता ही स्थायी विकास का आधार होती है।

वैश्विक चुनौतियों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया इस समय अभूतपूर्व संकटों के दौर से गुजर रही है। पहले कोविड-19 महामारी, फिर विभिन्न क्षेत्रों में युद्ध और उसके बाद ऊर्जा संकट ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव और गैस आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं के बावजूद भारत ने 140 करोड़ देशवासियों के सामूहिक प्रयासों से हर चुनौती का मजबूती से सामना किया है। उन्होंने कहा कि यह देश की सामूहिक शक्ति और आत्मविश्वास का परिणाम है।

राज्यसभा चुनाव : कांग्रेस ने सात उम्मीदवारों के नाम किए घोषित

-खड़गे और खेड़ा कर्नाटक से तो मध्यप्रदेश से मीनाक्षी नटराजन मैदान में

नई दिल्ली। कांग्रेस आलाकमान ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपने 7 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है, जिससे सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने वफादारों को इनाम तो दिया है, बल्कि राहुल गांधी की पसंद का भी पूरा ख्याल रखा है। सूची में सबसे बड़ा नाम खुद मल्लिकार्जुन खड़गे का है, जो कर्नाटक से एक बार फिर उच्च सदन का रुख करेंगे।

पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा को कर्नाटक से राज्यसभा उम्मीदवार बनाकर सबको चौंका दिया है। राजस्थान के मूल निवासी खेड़ा पिछले लंबे समय से पार्टी के लिए फ्रंटफुट पर मोर्चा संभाल रहे थे। असम में कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहे खेड़ा के लिए पार्टी का यह फैसला उनकी तपस्या के फल के रूप में देखा जा रहा है। कांग्रेस की इस सूची में राहुल गांधी की छाप साफ नजर आ रही है। मध्य प्रदेश से मीनाक्षी नटराजन और तमिलनाडु से प्रवीण चक्रवर्ती को उम्मीदवार बनाया है, जिन्हें राहुल गांधी का बेहद करीबी माना जाता है। प्रवीण चक्रवर्ती, जो प्रोफेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष हैं, उनकी उम्मीदवारी को तमिलनाडु में विजय की पार्टी टीवीके के समर्थन से बड़ा बल मिला है। वहीं, खड़गे के मीडिया सलाहकार प्रणव झा को झारखंड से चुनावी मैदान में उतारा है।

खड़गे ने उम्मीदवारों के चयन में सामाजिक न्याय का भी ध्यान रखा है। इन सात नामों में से 4 उम्मीदवार अगड़ी जाति से, 2 दलित और 1 अल्पसंख्यक समुदाय मंसूर अली खान से ताल्लुक रखते हैं। कर्नाटक में संख्या बल के हिसाब से कांग्रेस चार में से तीन सीटें आसानी से जीत सकती है। शुक्रवार को मल्लिकार्जुन खड़गे बेंगलुरु में अपना नामांकन दाखिल करेंगे, जहां खुद राहुल गांधी उनकी हौसला अफजाई के लिए मौजूद रहेंगे। झारखंड में भी खड़गे ने खुद सीएम हेमंत सोरेन से बात कर अपनी दावेदारी मजबूत की है। अब देखना यह होगा कि 18 जून को आने वाले नतीजे कांग्रेस की इस नई टीम के लिए कितने सुखद रहते हैं।

विधायकों के बाद अब 18 सांसद देंगे ममता को झटका!

कोलकाता। टीएमसी के भीतर राजनीतिक बगावत देखने को मिल रही है। अब पार्टी में नया खेला होने वाला है। दरअसल, बंगाल के टीएमसी विधायकों की तर्ज पर आने वाले कुछ दिनों में टीएमसी के लोकसभा सांसदों का भी एक नया रूप बन सकता है। एक दर्जन से ज्यादा सांसद नए टीएमसी रूप में शामिल हो सकते हैं। लोकसभा सांसदों के इस समूह का नेतृत्व एक वेहद वरिष्ठ सांसद द्वारा किए जाने की बात कही जा रही है, जो काफी समय से खुद को पार्टी में दरकिनार किए जाने से नाराज चल रहे हैं। इस संभावित टूट की एक अहम वजह के तौर पर अभिषेक बनर्जी और उनके सहयोगियों द्वारा वरिष्ठ टीएमसी सांसदों से किए गए अनादर और व्यवहार को बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, 4 मई को चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही कुछ टीएमसी सांसद भाजपा के संपर्क में हैं। लोकसभा में टीएमसी के 28 सांसद हैं। हालांकि सूत्रों का ये भी कहना है कि टीएमसी के राज्यसभा दल में किसी तरह की टूट की गुंजाइश नहीं है। इसकी वजह ये है कि टीएमसी के अधिकतर राज्यसभा सांसद ममता बनर्जी के प्रति वफादार हैं जो ममता बनर्जी के खिलाफ शायद ही जाएं। राज्यसभा में टीएमसी के 13 सांसद हैं। टीएमसी के 18 सांसद दिल्ली भी आएंगे।

तमिलनाडु में भाजपा छोड़ते ही अन्नामलाई ने नई पार्टी बनाई

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने शुक्रवार को नई पार्टी बनाने का ऐलान किया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज में अन्नामलाई ने कहा कि आज हम एक आंदोलन शुरू करने जा रहे हैं। हमारी राजनीतिक पार्टी तमिलनाडु में 2031 में अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी। मेरे लिए यह तय करना बहुत मुश्किल था कि मैं भाजपा का सदस्य रहूं या तमिल लोगों से जुड़ा रहूं। मैंने 4 दिसंबर 2025 को पार्टी को बताया कि मैं इस्तीफा देने जा रहा हूं। पार्टी ने मुझसे कहा कि पहले चुनाव पूरे कर लूं और फिर जाऊं।

अन्नामलाई ने 2 जून को भाजपा से इस्तीफा दिया था। लेटर शुक्रवार को सामने आया। उन्होंने इस्तीफे की वजह बताते हुए लिखा कि पिछले 18 महीनों से आलाकमान के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। अब उनके विचार एक जैसे नहीं रहे। अन्नामलाई कर्नाटक कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे हैं। नौकरी छोड़कर 2020 में भाजपा से जुड़े। पार्टी ने पहले उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष और फिर अध्यक्ष बनाया। अन्नामलाई के रहते हुए भाजपा ने 2021 और 2026 विधानसभा चुनाव लड़ा। दोनों ही चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 2 प्रतिशत से ज्यादा नहीं बढ़ सका।

पति-पत्नी के बीच मनमुटाव के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

नई दिल्ली। पति-पत्नी के बीच मनमुटाव के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साफ किया कि पत्नी से 13 दिन तक बात न करना मानसिक क्रूरता की श्रेणी में नहीं आता। कोर्ट ने कहा कि शादीशुदा जिंदगी में मतभेद होना और कुछ दिनों तक एक-दूसरे से न बोलना एक सामान्य बात है। अक्सर लड़ाई-झगड़े के बाद पतियों के मुंह फुलाकर बैठने के मामले आम हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इसे कानूनी तौर पर अपराध नहीं माना जा सकता और इसे अकेले में मानसिक क्रूरता नहीं कहा जा सकता। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस चंद की बेंच ने एक व्यक्ति की बरी करते हुए कहा कि पति को सिर्फ इसलिए क्रूरता का दोषी नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि कि उसने अपनी पत्नी से कुछ दिनों तक बात नहीं की थी। जानकारी के मुताबिक इस व्यक्ति को ट्रायल कोर्ट और मद्रास हाईकोर्ट ने तीन साल कैद की सजा सुनाई थी। उसकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली थी और पति पर लगे आरोपों में एक आरोप यह भी था कि पत्नी की मौत से पहले पति ने उससे 13 दिनों तक बात नहीं की थी। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट और मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए व्यक्ति की सजा रद्द कर दी और कहा कि पति के व्यवहार को क्रूरता साबित करने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं मिला है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि पति-पत्नी के बीच कोई बड़ी लड़ाई या विवाद भी नहीं हुआ था, जो प्रताड़ना या उकसावे की श्रेणी में आए और जिसकी वजह से पति को सजा दी जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में नसीहत भी दी कि अदालतों को यह देखना चाहिए कि पति का व्यवहार इतना गंभीर था या नहीं कि जिसकी वजह से महिला आत्महत्या करने को मजबूर हो जाए, उसे चोट पहुंचे या उसका मानसिक स्वास्थ्य खराब हो।

3 दिन पुरानी शिवकुमार कैबिनेट से मंत्री का इस्तीफा

बेंगलुरु। कर्नाटक में 3 दिन पुरानी डीके शिवकुमार सरकार से मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया। वे पंसदीदा मंत्रालय न मिलने से नाराज थे। मुख्यमंत्री शिवकुमार ने एक दिन पहले ही विभाग बांटे थे। रेड्डी बेंगलुरु विकास विभाग चाहते थे, लेकिन उन्हें जल संसाधन विभाग दे दिया गया था। रेड्डी ने मीडिया से कहा, मैं अभी भी कांग्रेस में हूं, पार्टी से इस्तीफा नहीं दिया है। पिछले 53 सालों में कई जिम्मेदारियां निभाई हैं। मैंने कई मुख्यमंत्रियों की कैबिनेट में मंत्री के तौर पर काम किया है। कभी किसी से मंत्री पद नहीं मांगा।

बेंगलुरु विकास विभाग, राज्य की राजधानी में योजना और बुनियादी ढांचे से जुड़ा है। गुरुवार रात ही 13 मंत्रियों में विभागों को बंटवारा किया। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियंक को गृह मंत्रालय दिया गया है। शिवकुमार ने वित्त, कैबिनेट अफेयर्स, कार्मिक-प्रशासनिक सुधार, इंटेलीजेंस समेत कई विभाग अपने पास रखे हैं। हालांकि मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि रामलिंगा की चिंता है कि वे ऐसे विभाग में काम नहीं कर पाएंगे जिसमें बहुत ट्रैवल करना पड़ता हो। वे कोई दूसरा पोर्टफोलियो चाहते हैं। मैं उनसे इस मामले को बात करके सुलझा लूंगा। चिंता की कोई बात नहीं है।

किसी से नाराज नहीं, पद छोड़ा है पार्टी नहीं

बीटीएम लेआउट से विधायक 72 साल के रामलिंगा रेड्डी सिद्धारमैया सरकार में परिवहन और हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती मंत्री थे। वे पहले की सरकारों में गृह मंत्रालय भी संभाल चुके हैं। इस्तीफे पर ऑन कैमरा साइन करते हुए उन्होंने कहा- वह विधायक बने रहेंगे। वे शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया दोनों से ही नाराज नहीं हैं। रेड्डी ने यह भी कहा कि वह अपना इस्तीफा व्यक्तिगत रूप से नहीं सौंपेंगे, बल्कि इसे एक समर्थक के जरिए मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव को भेजेंगे।

जंतर-मंतर पर 11 लाख लोग एकत्रित होकर प्रधान का इस्तीफा मांगेंगे

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके अमेरिका से भारत के लिए रवाना हो चुके हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर जय भीम का नारा लगाते हुए अपने भारत आगमन की जानकारी साझा की है। दीपके शनिवार सुबह देश की राजधानी दिल्ली पहुंचेंगे, जहां वह अपने समर्थकों के साथ मिलकर एक बड़े विरोध प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं। उनका मुख्य उद्देश्य केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगना है। एक हालिया इंटरव्यू में दीपके ने दावा किया कि इस प्रदर्शन में हजारों-लाखों लोग जुटने वाले हैं। उन्होंने कोई निश्चित संख्या तो नहीं बताई, लेकिन कहा कि उनकी पार्टी के 11 लाख से अधिक पंजीकृत सदस्य हो चुके हैं, जिनसे वेबसाइट के माध्यम से बातचीत हो चुकी है। इन सदस्यों ने दिल्ली पहुंचने का भरोसा दिया है।

अभिजीत दीपके ने शुक्रवार की सुबह 7:59 बजे सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने लिखा, भारत के लिए निकल गया हूं। मैं अपना भविष्य संविधान के हाथों में छोड़ता हूं। जय भीम। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह किस फ्लाइट से आ रहे हैं और दिल्ली के हवाई अड्डे पर उनके लैंड करने का सटीक समय क्या है। इस पूरे आंदोलन और प्रदर्शन का मुख्य मकसद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर इस्तीफे का दबाव बनाना है। हाल ही में नीट पेपर लीक मामले और सीबीएसई के परीक्षा परिणामों में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर छात्रों और युवाओं में भारी आक्रोश है, जिसके चलते शिक्षा मंत्री से पद छोड़ने की मांग की जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत एक मजाक के रूप में हुई थी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत की एक कथित टिप्पणी, जिसमें उन्होंने कुछ बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से की थी, को आधार बनाकर सोशल मीडिया पर यह हैंडल बनाया गया था। महज चार दिनों में ही इसके फॉलोअर्स की संख्या देश की बड़ी राजनीतिक पार्टियों से भी अधिक हो गई। इसके बाद इस वर्चुअल मूवमेंट को अब जमीन पर उतारने की कोशिशें तेज कर दी गई हैं।

प्रदर्शन की अनुमति मांगेंगे दीपके

भारत आते ही दीपके का सबसे पहला पड़ाव थाने जाने का है। उन्होंने बताया कि दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरने के बाद वह सीधे पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने जाएंगे। वहां वह जंतर-मंतर पर 6 जून को प्रस्तावित प्रदर्शन के लिए दिल्ली पुलिस से आधिकारिक इजाजत मांगेंगे, क्योंकि अभी तक इस प्रदर्शन के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई है। दीपके ने अपनी पार्टी के सभी पंजीकृत सदस्यों और समर्थकों से भारी संख्या में इस प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने क्यों कहा...इस तरह से हाईकोर्ट की इमारत भी सुरक्षित नहीं रहेगी

बेंगलुरु। बेंगलुरु में पुलिस विभाग के आवासीय क्वार्टरों की जमीन पर निजी मालिकाना हक के दावे और कथित बिक्री से जुड़े मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने कड़ा रुख दिखाया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने याचिकाकर्ता की दलीलों पर तीखी टिप्पणी कर कहा कि यदि इसतरह के दावों को स्वीकार किया, तब भविष्य में सार्वजनिक संस्थानों की संपत्तियां भी सुरक्षित नहीं रहेगी।

मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने कहा कि जिस जमीन पर वर्षों से पुलिस विभाग का कब्जा है और जहां पुलिसकर्मी रह रहे हैं, उस जमीन को बेचने का दावा करना गंभीर मामला है। अदालत ने कहा, अगर इस तरह की चीजों की अनुमति दी गई, तब आगे चलकर हाईकोर्ट की इमारत भी सुरक्षित नहीं रहेगी।

यह मामला शिवमोगा निवासी श्रीनाथ नगरगद्दे से जुड़ा है, जो पुलिस क्वार्टर की जमीन के कथित बिक्री प्रकरण में आरोपी हैं। सुनवाई के दौरान उनके वकील ने तर्क दिया कि जमीन पर उनके मुवक्किल का वैध मालिकाना हक है और पुलिस का वहां रहना पूरी तरह से अनधिकृत है। इस पर अदालत ने नाराजगी जताकर कहा कि मामले की जांच जारी है और न्यायालय तथ्यों के आधार पर निर्णय लेगा।

खान सर के खिलाफ हत्या की कोशिश और आर्म्स का मामला दर्ज

पटना। पटना में खान सर की कोचिंग पर हुए हमले और तोड़फोड़ में अब नया मोड़ आ गया है कदमकुआं थाने में फैसल खान उर्फ खान सर के खिलाफ हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। खान सर के गार्ड्स ने पुलिस को बयान दिया है कि उन्होंने हमें कहा तुम गोली चलाओ बाकी हम देख लेंगे। इसी आधार पर पुलिस ने खान सर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

खान सर पर धारा 109 के तहत ये मामला दर्ज किया गया है। इसमें 10 साल तक की जेल और जुर्माने का प्रावधान है। इसमें आर्म्स जमानत भी नहीं मिल सकती है। एफआईआर के बाद खान की कोचिंग पर उनके वकील पहुंचे। इधर, लॉ-एंड-ऑर्डर को लेकर आईजी ऑफिस में पुलिस की हाई लेवल मीटिंग चल रही है। पुलिस ने छात्रों से अपील की है कि वह किसी कोचिंग सेंटर के बहकावे में ना आएं। हालांकि खान सर ने कहा कि एफआईआर की जानकारी मुझे नहीं हैं। मैं जांच में पूरा सहयोग करूंगा। उन्होंने कहा कि सेल्फ डिफेंस में गार्ड्स ने फायरिंग की है। उनकी एजेंसी इस बात को देखेगी।

बता दें 2 जून की रात खान सर की कोचिंग पर हमला हुआ था। घटना में उनके गार्ड्स के फायरिंग किए जाने का वीडियो सामने आया था। मामले में पुलिस पहले ही दोनों गार्ड्स को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है और खान सर से भी पूछताछ की जा चुकी है। अब पुलिस के बयान पर दर्ज एफआईआर में खान सर को नामजद आरोपी बनाया गया है। हमले वाले दिन खान सर ने पुलिस की तारीफ की थी। अब उन्होंने कहा कि पुलिस लेट पहुंची। गार्ड्स के फायरिंग वाले वीडियो पर खान सर ने कहा, मारपीट हो रही थी। मुझे पता था पुलिस को पहुंचने में समय लगेगा। पुलिस वहां उड़कर तो नहीं पहुंचती, इसलिए गार्ड्स ने सेल्फ डिफेंस में फायरिंग की। गार्ड क्यों रखते हैं ताकि समय पड़े तो लोगों को बचा सकें। जब तक पुलिस नहीं आई थी तब तक एक गार्ड को क्या करना चाहिए था।

भारत में इबोला का अलर्ट!

हैदराबाद एयरपोर्ट पर बुखार से पीड़ित विदेशी नागरिक मिला, अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद। भारत में इबोला वायरस को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक विदेशी नागरिक में बुखार के लक्षण मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग और केंद्रीय एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं। संबंधित यात्री को तुरंत अलग कर गांधी अस्पताल के विशेष आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, यह यात्री सूडान का नागरिक है और हाल ही में युगांडा तथा दक्षिण सूडान जैसे इबोला प्रभावित क्षेत्रों की यात्रा कर चुका था। एयरपोर्ट पर थर्मल स्क्रीनिंग के दौरान उसमें बुखार के लक्षण पाए गए, जिसके बाद उसे निगरानी में ले लिया गया। स्वास्थ्य अधिकारियों ने उसके नमूने जांच के लिए भेज दिए हैं और रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल यह इबोला का पुष्ट मामला नहीं है। एहतियात के तौर पर यात्री को आइसोलेशन में रखा गया है और उसकी स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। इस बीच हैदराबाद में एक अन्य सूडानी नागरिक को भी इबोला निगरानी वार्ड में भर्ती किया गया है, जिससे स्वास्थ्य विभाग की सतर्कता और बढ़ गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाल ही में युगांडा और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में इबोला के प्रकोप को लेकर वैश्विक स्तर पर चेतावनी जारी की है।

दिल्ली अग्निकांड के बाद बालाघाट में प्रशासन अलर्ट, होटलों और अस्पतालों की जांच शुरू

पहले ही दिन मिली कई खामियां, एक होटल से घरेलू गैस सिलेंडर और दूसरे से एक्सपायरी खाद्य सामग्री जब्त

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

दिल्ली के एक निजी होटल में हुई भीषण आगजनी की घटना के बाद बालाघाट जिला प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क हो गया है। जिले में निजी होटलों, अस्पतालों और मैरिज गार्डनों की सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच के लिए प्रशासन द्वारा गठित दो सदस्यीय टीम ने निरीक्षण अभियान शुरू कर दिया है। अभियान के पहले ही दिन टीम ने शहर के दो निजी होटलों और कुछ निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया, जहां सुरक्षा मानकों को लेकर कई गंभीर कमियां सामने आईं। निरीक्षण के दौरान टीम ने पाया कि कई संस्थानों में फायर सेफ्टी संबंधी आवश्यक व्यवस्थाएं अधूरी हैं। कुछ स्थानों पर पर्याप्त अग्निशमन यंत्र उपलब्ध नहीं थे, जबकि कहीं आपातकालीन निकास द्वार (इमरजेंसी एग्जिट) की व्यवस्था मानकों के अनुरूप नहीं मिली। इसके अलावा सुरक्षा संकेतक, आपदा प्रबंधन व्यवस्था और अन्य जरूरी प्रावधानों में भी कमियां देखी गईं। जांच दल ने संबंधित होटल और अस्पताल संचालकों को तत्काल सुरक्षा मानकों को पूरा करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सभी संस्थानों को निर्धारित समय सीमा में कमियों को दूर करना होगा, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान एक होटल में घरेलू उपयोग का गैस सिलेंडर व्यावसायिक कार्यों में इस्तेमाल होता पाया गया, जिसे टीम ने जब्त कर लिया। वहीं दूसरे होटल में खाद्य सामग्री की एक्सपायरी तिथि समाप्त होने के बावजूद उसका भंडारण पाए जाने पर संबंधित सामग्री जब्त कर कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर भी होटल संचालकों को सख्त निर्देश दिए। दिल्ली में हाल ही में हुई भीषण आगजनी की घटना के बाद देशभर में होटलों और व्यावसायिक संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर सतर्कता बढ़ गई है। इसी क्रम में बालाघाट जिला प्रशासन ने भी शहर के निजी होटलों, अस्पतालों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण अभियान शुरू कर दिया है। प्रशासन का उद्देश्य संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा मानकों की जांच करना और कमियों को समय रहते दूर कराना है। इसी अभियान के तहत 5 जून को नायब तहसीलदार छवि पंत के नेतृत्व में लगभग छह सदस्यीय टीम ने शहर के प्रमुख होटलों का निरीक्षण किया। टीम ने होटल गुलमोहर एवं होटल मीडटाउन पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं, फायर सेफ्टी उपकरणों और आपातकालीन निकास व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक टीम को दोनों होटलों में सुरक्षा मानकों से जुड़ी कई कमियां दिखाई दीं। विशेष रूप से इमरजेंसी एग्जिट, अग्नि सुरक्षा प्रबंधन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर सुधार की आवश्यकता पाई गई। अधिकारियों ने होटल संचालकों को निर्देश दिए कि वे निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करें और जल्द से जल्द आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त करें। नायब तहसीलदार छवि पंत ने बताया कि प्रारंभिक निरीक्षण में सुरक्षा मानकों को लेकर कई कमियां सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि होटलों में ठहरने वाले लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने होटल संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही प्रतिष्ठानों का संचालन किया जाए। निरीक्षण के दौरान टीम ने होटल गुलमोहर में घरेलू गैस सिलेंडर के उपयोग को भी गंभीरता से लिया और संबंधित संचालकों को नियमानुसार व्यावसायिक उपयोग के लिए निर्धारित व्यवस्था अपनाने के निर्देश दिए। वहीं होटल मीडटाउन में भी फायर सेफ्टी प्रबंधन, आपातकालीन निकास मार्ग और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तार से जांच की गई। टीम ने होटल परिसर के रेस्टोरेंट, लिफ्ट, इमरजेंसी गेट, निकासी मार्ग एवं एग्जिट प्वाइंट का निरीक्षण किया। इसके अलावा होटल स्टाफ से चर्चा कर यह भी जाना गया कि आग लगने जैसी आपात स्थिति में बचाव और नियंत्रण की क्या व्यवस्था है तथा फायर सेफ्टी उपकरणों के संचालन को लेकर कर्मचारियों को कितना प्रशिक्षण दिया गया है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि कई स्थानों पर सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को और मजबूत करने की आवश्यकता है। इस पर होटल प्रबंधन को जल्द सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि आगामी दिनों में भी शहर के अन्य होटलों, अस्पतालों और व्यावसायिक संस्थानों का निरीक्षण जारी रहेगा तथा जहां भी सुरक्षा मानकों में कमी मिलेगी, वहां नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन का मानना है कि दिल्ली जैसी घटनाओं से सबक लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जा सकती। इसी उद्देश्य से यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है ताकि आम नागरिकों और होटलों में ठहरने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

कलेक्टर ने की शिक्षा संबंधी योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 05 जून को कलेक्टर मृणाल मीना ने जिले के सभी विकासखंड के बीआरसी एवं खण्ड शिक्षा अधिकारियों की बैठक लेकर शिक्षा संबंधी योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ भी उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम कक्षा 01 से लेकर कक्षा 08 तक बच्चों के शाला में प्रवेश एवं पंजीयन की समीक्षा की गई। समीक्षा में पाया गया कि खैरलांजी विकासखंड में गत वर्ष की तुलना में कम पंजीयन हुआ है। इसी प्रकार विकासखंड बैहर एवं बिरसा में भी संतोषजनक प्रगति नही हुई है। कलेक्टर श्री मीना ने इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर की और खैरलांजी के बीआरसी को अपने कार्यों में शीघ्र प्रगति लाने के निर्देश दिये और चेतावनी दी कि उनके कार्य में सुधार नही पाये जाने पर उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। बैहर एवं बिरसा के बीआरसी को बच्चों के कम पंजीयन के लिए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए कि क्यों न उनके एक-एक

वेतन वृद्धि रोक दी जाए। बैहर एवं बिरसा के बीआरसी को 09 जून तक बच्चों का शत प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए। बैठक में पाठ्यपुस्तक वितरण की समीक्षा के दौरान सभी बीआरसी को निर्देशित किया गया कि शाला में दर्ज सभी बच्चों को पाठ्यपुस्तकों का शीघ्रता से वितरण पूर्ण करें और इसकी पोर्टल पर एंट्री अनिवार्य रूप से की जाए। सभी बीआरसी को कक्षा 06वीं में प्रवेश लेने वाले बच्चों को साईकिल का शीघ्रता से वितरण पूर्ण करने कहा गया। प्राथमिक शालाओं के बच्चों के शैक्षणिक स्तर की जांच के लिए होने वाले एफएलएन सर्वे में बच्चों का स्तर कमजोर नही पाया जाना चाहिए। यदि किसी शाला में ऐसी स्थिति पायी जाएगी तो संबंधित शिक्षक के विरूद्ध कार्यवाही करने की चेतावनी दी गई। बैठक में सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों से कक्षा 09 से 12 तक के बच्चों का शाला में प्रवेश एवं पंजीयन की जानकारी ली गई। कक्षा 08 से उत्तीर्ण 02 हजार से अधिक बच्चों का कक्षा 09 में प्रवेश अब तक नही होने की ओर बीईओ का ध्यान आकर्षित कराया गया और इन बच्चों का शीघ्रता से कक्षा 09 में प्रवेश सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए। सभी बीईओ को निर्देशित किया गया कि शालाओं में बच्चों का शत प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करें। इसके साथ ही पाठ्यपुस्तक वितरण शीघ्रता से पूर्ण करने कहा गया। बैठक में बताया गया कि मेधावी विद्यार्थियों को लेपटॉप वितरण योजना के अंतर्गत जिले के 4027 विद्यार्थियों को लेपटॉप की राशि प्रदान कर दी गई है। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय, सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री जीपी बर्मन, सभी बीआरसी एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी उपस्थित थे।

आशा बिजेवार को 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट तहसील के ग्राम गायखुरी निवासी सुनील गुन्नुलाल की 25 जनवरी 2026 को वैनगंगा नदी के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत मृतक के वारिस माता श्रीमती आशा बाई बिजेवार को 04 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। बालाघाट तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि वे कोषालय में देयक प्रस्तुत कर रमेश बिसेन के खातें में ई-पेमेंट से शीघ्र 04 लाख रुपए की राशि जमा कराए।

गुम सूचना

गुम व्यक्ति का नाम-राहुल नरेंद्र मेश्राम, उम्र 39 वर्ष, निवासी मुंडीपार, तहसील गोंदिया। घटना स्थल - मुंडीपार से 10 कि.मी. पूर्व। घटना की तारीख - 27/09/2025 को दोपहर लगभग 3:00बजे ग्राम मुंडीपार से घर पर किसी को बिना बताये कही चला गया।

गुम व्यक्ति का हुलिया-उम्र 39 वर्ष, रंग सांवला, शरीर मजबूत, ऊंचाई लगभग 5 फीट 5 इंच, भाषा हिंदी और मराठी बोलता है, कपड़े सफेद रंग की फुल पैंट और आसमानी रंग की शर्ट, पहचान चिन्ह दाईं तरफ दांत के पास मस्से का निशान, बाएं हाथ पर काले रंग का टैटू, हल्की दाढ़ी। किसी व्यक्ति को दिखाई देने पर संपर्क करे

संपर्क सूत्र - 088895 50638

राकेश "दादू" झंझाड़े

आपको जन्मदिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं

शुभेच्छु - लक्ष्मीनारायण झंझाडे (पिताजी) पूर्व उपसरपंच ग्राम पंचायत बोट्टा ह., तिलकराम झंझाड़े बड़े पिताजी, चंद्रकिशोर बघेल सरपंच ग्राम पंचायत बोट्टा ह., श्रीमती कांति अरविंद गाड़ेश्वर पूर्व सरपंच, उदेलाल भोंगडे, उदेलाल बघेल, अंजीलाल दशरिये, कैलाश घरड़े एवं समस्त सत्य साई सेवा समिति व मित्र मंडली बुड्डा ह. लालबर्रा।

पहले मरीज के साथ दिखाई हमदर्दी, किया सहयोग, फिर पार कर दिए जेवरात

ट्रामा सेंटर में महिला के गहनों हुए चोरी, मचा हड़कंप, सीसीटीव्ही कैमरे में कैद हुई संदिग्ध महिला, तलाश जारी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

हमेशा से सुर्खियों में घिरा रहने वाला जिला अस्पताल का ट्रामा सेंटर एक बार फिर चोरी की वारदातों को लेकर सुर्खियों में आ गया है। जहां का परिसर सुरक्षा गार्ड और सीसीटीवी कैमरे से लैस होने के बावजूद यहां चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है।बीती रात हुई एक चोरी की वारदात में एक बार फिर अस्पताल की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए है। लगातार बढ़ते जा रहे हैं चोरी के इन्हीं मामलों के बीच जिला अस्पताल में उपचार कराने और बेटे का जन्म प्रमाण पत्र बनाने ग्रामीण क्षेत्र से पहुंची महिला के गहने और नगद रकम पर किसी अन्य महिला ने हाथ साफ कर दिया और मौका पाकर वहां से फरार हो गई।जिसकी शिकायत महिला ने अस्पताल प्रबंधन, अस्पताल चौकी पुलिस और कोतवाली में की है।जिसके शिकायत पर अज्ञात आरोपी महिला की तलाश परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर की जा रही है।आपको बताए कि अस्पताल या ट्रामा सेंटर में चोरी की यह कोई पहली घटना नही है बल्कि आए दिनों यहां चोरी की वारदातें होती ही रहती है। इससे पूर्व भी अस्पताल से किसी के मोबाईल तो किसी के रूपए चोरी होने की जानकारी सामने आते रही है।अब नगदी सहित जेवरात की चोरी का मामला सामने आया है।इस घटना ने अस्पताल में मरीज और उनके परिजनों की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। पीड़ित महिला से मिली शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी गई है

हमदर्दी दिखाकर गहने चुरा ले गई अज्ञात महिला

जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में स्वयं का उपचार करा रही महिला कौशल पति तुकाराम बांगरे की माने तो एक अज्ञात महिला, रात तक उन्हीं के साथ थी। वह अपने आप को किसी भर्ती मरीज का परिजन बता रही थी, वही छोटे मोटे काम में उनका सहयोग भी कर रही थी, कभी सोने के लिए चटाई बिछाना, तो कभी पीने के लिए पानी लाने जैसी मदद उस अज्ञात महिला के द्वारा की गई।जिसने मौका पाते ही कौशल बाई के बैग में रखी नगदी और जेवरात लेकर फरार हो गई। पीड़ित महिला कौशल बांगरे की माने तो उनके बैग में रखे पर्स से किसी अज्ञात महिला ने उसके मंगलसूत्र पैंडल, गले की मनी, कान के झुमके और 500 रूपए नगद रूपए पार कर दिए। पीड़िता के अनुसार पहले अज्ञात महिला ने उनसे बातचीत शुरू की, फिर हमदर्दी दिखाई,और फिर मौका पाकर नगदी व जेवरात लेकर फरार हो गई।

जेवरात चोरी की खबर से मचा हडकंप

जानकारी के अनुसार जैसे ही महिला को जेवरात चोरी जाने की जानकारी लगी वैसे ही कौशल बाई ने शोर मचाना शुरू कर दिया।जहां चोरी की खबर लगते ही परिसर में हड़कंप मच गया और लोग इधर-उधर अज्ञात महिला को खोजने लगे। जब कहीं से कोई राहत भरी खबर नहीं मिली तो फिर पीड़ित महिला ने मामले की शिकायत अस्पताल प्रबंधन, अस्पताल चौकी पुलिस और कोतवाली थाना पुलिस से कर दी। शिकायत पर पीडिता महिला के साथ, अस्पताल पहुंची महिला आरक्षक ने सीसीटीव्ही फुटेज से संदिग्ध महिला की तलाश शुरू कर दी है। हालांकि खबर लिखे जाने तक अज्ञात आरोपी महिला की पहचान नही हो पाई थी।

रात भर साथ मे रही, सुबह जेवरात लेकर हुई फरार-कौशल बांगरे

इस पुरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान पीडित महिला कौशल बांगरे ने बताया कि वह गुरूवार को अपना ईलाज कराने और बेटे के जन्म प्रमाण पत्र बनाने, अस्पताल पहुची थी। रात वह, यही थी, इसी दौरान एक महिला से उसकी बातचीत होने लगी। जिसने बताया कि उसकी बहन और जीजा, यहां भर्ती है, सुबह मुंह हाथ धोने के बाद वह महिला, उसे पानी लाती हूँ कहकर चली गई। जिसके बाद जब वह अपने बैग के पास पहुंची तो पता चला कि उसके बैग में रखे छोटे पर्स से जेवरात और नगद 500 रूपए नहीं है। पीडित महिला ने बताया कि उसके घर मे दरवाजा नही है।वही पति भी देरी से घर आते है।इसलिए वह अपने साथ जेवरात और कुछ रुपय लेकर ट्रामा सेंटर आई थी।

मामले की जांच जारी है- आशुतोष बांगरे

इस पूरे मामले को लेकर दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान प्रभारी सीएस आशुतोष बांगरे ने बताया कि महिला एक बार शिकायत करने के बाद वापस नहीं पहुंची है, घटना को लेकर अस्पताल प्रबंधन भी सतर्क है, सीसीटीव्ही फुटेज में एक संदिग्ध महिला नजर आ रही है।जिसकी पहचान फिलहाल नही हो पाई है।इस पूरे मामले की जांच जारी है।

लक्षिता सिंह लोधी

आपको जन्मदिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं

-शुभचिंतक -
दादा दादी-अरुण आशा लोधी
पापा मम्मी-विक्रांत रेखा लोधी
बहन भाई -निम्मी उर्फ युविका सिंह लोधी-
दिव्यांश सिंह लोधी- ग्राम कायदी वारासिवनी

ग्राम हट्टा की आयुषी गजभिये बनीं डॉक्टर, एमबीबीएस की उपाधि प्राप्त कर बढ़ाया जिले का गौरव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के ग्राम हट्टा की प्रतिभाशाली बेटी कु. आयुषी गजभिये ने एमबीबीएस की उपाधि प्राप्त कर परिवार, क्षेत्र और जिले का नाम रोशन किया है। बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, शहडोल में आयोजित द्वितीय दीक्षांत समारोह में उन्हें विधिवत एमबीबीएस की डिग्री प्रदान की गई। डा. आयुषी गजभिये ग्राम हट्टा निवासी स्व. सूरजलाल गजभिये एवं स्व. श्रीमती तुरजा गजभिये की सुपौत्री तथा ग्राम मेंहदीवाड़ा निवासी स्व. ज्ञानेन्द्र मेश्राम एवं स्व. श्रीमती अर्चना मेश्राम की नातिन हैं। वह शासकीय जिला चिकित्सालय बालाघाट में पदस्थ डीपीएचएनओ श्रीमती वंदना बांगरे की सुपौत्री, बुढ़ी निवासी श्री मानव गजभिये एवं श्रीमती संगीता गजभिये की भतीजी तथा वर्तमान में माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल में पदस्थ श्री विनीत गजभिये एवं श्रीमती नम्रता गजभिये की पुत्री हैं। दीक्षांत समारोह में महाविद्यालय प्रशासन एवं उपस्थित अतिथियों ने डॉ. आयुषी को एमबीबीएस की उपाधि प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से परिवारजनों, रिश्तेदारों, शुभचिंतकों सहित ग्राम हट्टा, मेंहदीवाड़ा और पूरे बालाघाट जिले में हर्ष और गौरव का वातावरण है। डॉ. आयुषी गजभिये ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवार के

सदस्यों, शिक्षकों एवं मार्गदर्शकों को देते हुए कहा कि उनके निरंतर सहयोग, प्रेरणा और मार्गदर्शन के कारण ही वह इस मुकाम तक पहुंच सकी हैं। उन्होंने भविष्य में चिकित्सा सेवा के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने और जरूरतमंद लोगों की सेवा करने का संकल्प व्यक्त किया। क्षेत्र के नागरिकों एवं शुभचिंतकों ने डॉ. आयुषी गजभिये को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। उनकी सफलता को क्षेत्र के युवाओं, विशेषकर छात्राओं के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि माना जा रहा है।

किराये पर उपलब्ध

धनराज कॉम्पलेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

आवश्यकता है

10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

—निर्माता—
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
शनिवार 06 जून 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पदमेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

मायरा रिसोर्ट संचालक समेत 13 लोगों पर 4.99 करोड़ रुपये का जुर्माना

पदमेश न्यूज। बालाघाट। बैहर तहसील के ग्राम गोहारा में निजी भूमि से बिना वैधानिक अनुमति के बड़े पैमाने पर मिट्टी एवं मुरम के अवैध उत्खनन और परिवहन के मामले में प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। अपर कलेक्टर बैहर डी.पी. वर्मन ने मायरा रिसोर्ट के संचालक सहित 13 व्यक्तियों पर कुल 4 करोड़ 99 लाख 6 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। संबंधित पक्षों को यह राशि 30 दिनों के भीतर अपर कलेक्टर न्यायालय में जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि में राशि जमा नहीं करने पर दंड राशि बढ़कर 9 करोड़ 98 लाख 10 हजार रुपये हो जाएगी, जिसकी वसूली भू-राजस्व बकाया की तरह की जाएगी।

35 हजार घन मीटर से अधिक मिट्टी-मुरम का अवैध उत्खनन

प्रशासनिक जांच में सामने आया कि ग्राम गोहारा स्थित निर्माणाधीन मायरा रिसोर्ट परिसर के लिए निजी भूमि से लगभग 35 हजार 270 घन मीटर मिट्टी एवं मुरम का अवैध रूप से उत्खनन कर परिवहन किया गया। यह उत्खनन ग्राम गोहारा के भूमि स्वामियों इतवारी गोंड, निस्लोर, मनोहर, अनुस्तिन, चैनसिंह, सीताबाई, मेतुबाई और शांताबाई की भूमि से किया गया। जांच में यह भी पाया गया कि उत्खनन एवं परिवहन कार्य में जेसीबी मशीनों तथा डम्पर वाहनों का उपयोग किया गया। संबंधित वाहनों में जेसीबी क्रमांक एमपी-50-डीए-0714, एमपी-50-डीएम-436 तथा डम्पर एमपी-50-जेएच-4138 शामिल हैं।

रॉयल्टी की 15 गुना राशि का अर्थदंड

अपर कलेक्टर न्यायालय बैहर द्वारा मध्यप्रदेश खनिज नियमों के तहत अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रॉयल्टी की 15 गुना राशि के रूप में 2 करोड़ 49 लाख 52 हजार 500 रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। इसके अतिरिक्त समान राशि पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में तथा 1,000 रुपये प्रसमन शुल्क लगाया गया है। इस प्रकार मायरा रिसोर्ट के संचालक, संबंधित भूमि स्वामियों, जेसीबी एवं डम्पर मालिकों, चालकों तथा ट्रैक्टर मालिकों पर कुल 4 करोड़ 99 लाख 6 हजार रुपये का दंड अधिरोपित किया गया है। मामले में जब्त किए गए डम्पर एवं जेसीबी मशीनों को मालिकों के सुपुर्द तो किया गया है, लेकिन इस शर्त के साथ कि वे वाहनों का विक्रय, हस्तांतरण, रंग-रोगन या किसी प्रकार का संरचनात्मक परिवर्तन नहीं करेंगे। न्यायालय द्वारा मांग किए जाने पर संबंधित वाहन 24 घंटे के भीतर प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

राशि जमा नहीं करने पर होगी राजस्व वसूली

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि मायरा रिसोर्ट संचालक एवं अन्य जिम्मेदार पक्ष निर्धारित 30 दिनों के भीतर अपने हिस्से की राशि जमा नहीं करते हैं, तो उनके विरुद्ध भू-राजस्व संहिता के तहत बकाया वसूली की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

इसके अलावा परिवहन अधिकारी को संबंधित डम्पर मालिक के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई कर 30 दिनों के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई को जिले में अवैध खनन और पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध अब तक की महत्वपूर्ण कार्रवाइयों में से एक माना जा रहा है।

नपा.के विशेष सम्मेलन में गूंजा कचरा प्रबंधन का मुद्दा सत्ता पक्ष के पार्षदों ने ही घेरा नगर पालिका को

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के क्रियान्वयन पर उठे सवाल, 17 करोड़ के एनजीटी जुर्माने का भी हुआ जिक्र

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका परिषद बालाघाट के सभाकक्ष में 5 जून को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विशेष सम्मेलन आयोजित किया गया। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देश पर बुलाए गए इस सम्मेलन में शहर में कचरा प्रबंधन व्यवस्था को लेकर जमकर चर्चा हुई। खास बात यह रही कि विपक्ष के साथ-साथ सत्ता पक्ष के कुछ पार्षदों ने भी नगर पालिका प्रशासन और अध्यक्ष को कटघरे में खड़ा कर दिया। सम्मेलन में शासन द्वारा घरों से निकलने वाले सूखे, गीले, मेडिकल और सेनेटरी वेस्ट को अलग-अलग एकत्रित कर वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन करने की योजना पर चर्चा की गई। हालांकि प्रस्ताव पर चर्चा शुरू होते ही कई पार्षदों ने नगर पालिका की वर्तमान कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। सत्ता पक्ष के पार्षद सुधीर चिले , श्वेता जैन और राज हरिनखेड़े सहित विपक्ष के पार्षद योगराज लिल्हारे ने कहा कि जब नगर पालिका स्वयं शहर के कचरा प्रबंधन की व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित नहीं कर पा रही है, तब नई व्यवस्था को सफलतापूर्वक लागू करना चुनौतीपूर्ण होगा। पार्षदों ने कहा कि घरों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग संग्रहित करने की बात तो की जा रही है, लेकिन नगर पालिका के पास अभी तक ऐसा मजबूत तंत्र नहीं है जो इस व्यवस्था को जमीन पर प्रभावी रूप से लागू कर सके। चर्चा के दौरान हाल ही में नगर पालिका पर लगाए गए लगभग 17 करोड़ रुपये के एनजीटी जुर्माने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। पार्षदों ने कहा कि यह जुर्माना भी अपशिष्ट पदार्थों के समुचित प्रबंधन में खामियों के कारण लगाया गया है। ऐसे में पहले नगर पालिका को अपनी व्यवस्थाओं में सुधार करना चाहिए, उसके बाद नई योजनाओं के क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

नगर पालिका परिषद का विशेष सम्मेलन शुक्रवार को नगर पालिका सभाकक्ष में आयोजित किया गया। शासन द्वारा लागू की जा रही नई कचरा पृथक्करण योजना को लेकर बुलाई गई इस बैठक में शहर की स्वच्छता व्यवस्था, कचरा प्रबंधन, पॉलिथीन पर कार्रवाई और नगर पालिका की कार्यप्रणाली को लेकर सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के पार्षदों ने जमकर अपनी बात रखी। लगभग डेढ़ घंटे तक चली बैठक कई बार तीखी बहस और आरोप-प्रत्यारोप के कारण हंगामेदार रही। बैठक की शुरुआत में नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर ने शासन से प्राप्त प्रस्ताव की जानकारी देते हुए बताया कि अब घरों से निकलने वाले कचरे को केवल सूखा और गीला कचरा तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि सैनिटरी वेस्ट, विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से निकलने वाले अपशिष्ट सहित विभिन्न प्रकार के कचरे का पृथक-पृथक संग्रहण किया जाएगा। इस नई व्यवस्था की कार्ययोजना तैयार करने और जनप्रतिनिधियों की सहमति प्राप्त करने के उद्देश्य से विशेष सम्मेलन आयोजित किया गया था। हालांकि प्रस्ताव पर चर्चा शुरू होते ही कई पार्षदों ने वर्तमान व्यवस्था पर सवाल उठाना शुरू कर दिया। कांग्रेस पार्षद योगराज लिल्हारे ने कहा कि जब नगर पालिका अभी तक सूखे और गीले कचरे का पृथक संग्रहण प्रभावी ढंग से नहीं कर पा रही है, तब चार प्रकार के अपशिष्टों का पृथकरण और संग्रहण व्यवहारिक रूप से कैसे संभव होगा। उन्होंने कहा कि पहले मौजूदा व्यवस्था को मजबूत किया जाए, उसके बाद नई योजनाओं को लागू करने पर विचार होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि केवल फोटो सेशन और बैठकों से स्वच्छता व्यवस्था नहीं सुधरेगी, इसके लिए जमीनी स्तर पर गंभीर प्रयास आवश्यक हैं। बैठक में विधायक प्रतिनिधि शफकत खान तथा सांसद प्रतिनिधियों श्री वर्मा ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि कचरा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर नगर पालिका को गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि योजना का सही तरीके से क्रियान्वयन नहीं हुआ तो इसका उद्देश्य पूरा नहीं हो पाएगा। इस दौरान सत्ता पक्ष के पार्षदों ने भी अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। पार्षद श्वेता जैन ने कहा कि शासन की मंशा और योजनाएं अच्छी होती हैं, लेकिन नगर पालिका स्तर पर उनके क्रियान्वयन में गंभीरता की कमी दिखाई देती है। उन्होंने पॉलिथीन प्रतिबंध का उदाहरण देते हुए पूछा कि आखिर आखिरी बार शहर में पॉलिथीन के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कब की गई थी। इस प्रश्न पर संबंधित अधिकारी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। श्वेता जैन ने आरोप लगाया कि शहर में आज भी प्रतिबंधित पॉलिथीन खुलेआम बिक रही है और कई स्थानों पर कचरा प्रबंधन की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि बरसात के दौरान बड़ी मात्रा में कचरा वैनगंगा नदी क्षेत्र में पहुंच जाता है, जो पर्यावरण के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने नगर पालिका पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा लगाए गए करोड़ों रुपये के जुर्माने का उल्लेख करते हुए कहा कि यह राशि किसी अधिकारी या कर्मचारी के निजी खाते से नहीं जाती, बल्कि इसका भार अंततः शहर की जनता पर पड़ता है। पार्षद राज हरिनखेड़े ने भी स्वच्छता व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि उनके वार्ड में कई स्थानों पर नालियां गंदगी से भरी हुई हैं और कचरे के ढेर लगे रहते हैं, लेकिन शिकायतों के बावजूद स्वच्छता अमला अपेक्षित कार्रवाई नहीं करता। उन्होंने नगर पालिका के स्वच्छता पर्यवेक्षक की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। बैठक के दौरान सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि यदि नगर पालिका पर लगातार इसी प्रकार जुर्माने लगते रहे और व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ तो भविष्य में स्थिति और गंभीर हो सकती है। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि जिस प्रकार अभी कुछ महीनों पहले वन विभागों के कार्यालय कुर्क किये गये थे वैसे ही नगर पालिका भी कठोर प्रशासनिक कार्रवाई के दायरे में आ सकती है। चर्चा के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर ने भी अधिकारियों और कर्मचारियों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा बार-बार उठाए जा रहे मुद्दों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पार्षद श्वेता जैन द्वारा उठाए गए कई बिंदु सही हैं

नगर पालिका का अतिक्रमण हटाओ अभियान दूसरे दिन भी जारी

अवंतीबाई चौक से गुजरी और मस्जिद क्षेत्र तक पहुंची कार्रवाई, सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण हटाने दी गई समझाइश

पदमेश न्यूज। बालाघाट। शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका द्वारा चलाया जा रहा अतिक्रमण हटाओ अभियान दूसरे दिन भी जारी रहा। नगर पालिका की राजस्व शाखा की टीम ने शहर के प्रमुख मार्गों का निरीक्षण कर शासकीय भूमि और सड़क किनारे किए गए अतिक्रमणों को चिन्हित करते हुए संबंधित लोगों को उन्हें हटाने की समझाइश दी। दूसरे दिन की कार्रवाई के दौरान टीम अवंतीबाई चौक से गुजरी क्षेत्र तक पहुंची और वहां से आगे मस्जिद मार्ग तक सड़क के दोनों ओर किए गए अस्थायी एवं स्थायी अतिक्रमणों का निरीक्षण किया। इस दौरान दुकानों के सामने रखे गए सामान, सड़क पर किए गए अतिक्रमण तथा सार्वजनिक भूमि के अवैध उपयोग को लेकर संबंधित लोगों को चेतावनी दी गई और स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। नगर पालिका के राजस्व निरीक्षक श्री लेटर ने बताया कि शहर के मुख्य मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और आम नागरिकों को सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और चरणबद्ध तरीके से शहर के सभी प्रमुख मार्गों पर अतिक्रमण हटाने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल लोगों को समझाइश देकर स्वयं अतिक्रमण हटाने का अवसर दिया जा रहा है। यदि इसके बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाए जाते हैं तो नगर पालिका द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण को हटाया जाएगा और आवश्यक होने पर जुर्माने की कार्रवाई भी की जा सकती है।

शहर में बढ़ती यातायात समस्या और सड़कों पर हो रहे अतिक्रमण को देखते हुए नगर पालिका द्वारा शुरू किया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान दूसरे दिन भी जारी रहा। 4 जून से प्रारंभ हुए इस विशेष अभियान के तहत नगर पालिका की टीम लगातार शहर के प्रमुख मार्गों और बाजार क्षेत्रों में पहुंचकर सड़क किनारे किए गए अतिक्रमणों को हटाने तथा व्यापारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने का कार्य कर रही है। अभियान के पहले दिन नगर पालिका, राजस्व एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने अंबेडकर चौक से हनुमान चौक तक सड़क के दोनों ओर किए गए अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई की थी। वहीं दूसरे दिन 5 जून को नगर पालिका की टीम रानी अवंतीबाई चौक से गुजरी बाजार मार्ग और गुजरी बाजार क्षेत्र में पहुंची, जहां सड़क एवं शासकीय भूमि पर किए गए अस्थायी अतिक्रमणों को हटवाया गया। साथ ही दुकानदारों को सड़क पर सामान न रखने और यातायात व्यवस्था में सहयोग करने की समझाइश दी गई। कार्रवाई के दौरान नगर पालिका अमले ने सड़क किनारे रखे गए सामान, ठेले, खोमचे एवं अन्य अवरोधों को हटाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़क और फुटपाथ आमजन की सुविधा के लिए हैं तथा उन पर किसी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा। टीम ने व्यापारियों से अपील की कि वे अपनी दुकानों का सामान निर्धारित सीमा के भीतर रखें तथा ग्राहकों के वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग सुनिश्चित करें। नगर पालिका के राजस्व निरीक्षक श्री लेटर ने बताया कि शहर में अतिक्रमण हटाने का अभियान आगामी दिनों तक लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्राथमिकता के तौर पर लोगों को समझाइश देकर स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि किसी प्रकार की सख्त कार्रवाई की आवश्यकता न पड़े। इसके बावजूद यदि कोई व्यक्ति या व्यापारी नियमों का उल्लंघन करता है तो उसके विरुद्ध चालानी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि अभियान के अगले चरण में 6 जून को शहर के मुख्य मार्ग पर स्थित कालीपुतली चौक से हनुमान चौक तक सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान सड़क पर अवैध रूप से रखे गए सामान, निर्माण सामग्री, ठेले और अन्य अवरोधों को हटाने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। नगर पालिका अधिकारियों का कहना है कि शहर के प्रमुख मार्गों पर बढ़ते अतिक्रमण के कारण आए दिन यातायात प्रभावित होता है और आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन ने नागरिकों और व्यापारियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वे स्वयं आगे आकर अतिक्रमण हटाएं और शहर को व्यवस्थित एवं सुगम बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। अभियान के दौरान स्थानीय नागरिकों ने भी प्रशासन की इस पहल का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि नियमित कार्रवाई से शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार होगा तथा सड़कों पर होने वाली अव्यवस्था से राहत मिलेगी।

ऑनलाइन सिस्टम बना पोस्टमार्टम में बाधा

सर्वर डाउन होते ही थम जाती है पूरी प्रक्रिया, घंटों परेशान होते हैं मृतकों के परिजन, जिला अस्पताल में बनती है विवाद की स्थिति

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया अब पूरी तरह ऑनलाइन सिस्टम पर आधारित हो चुकी है। लेकिन तकनीकी खामियां और सर्वर की समस्या अब आम लोगों के लिए बड़ी परेशानी बनती जा रही है। स्थिति यह है कि यदि संबंधित थाने से समय पर मर्ग नंबर और पोस्टमार्टम रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं पहुंचे तो चिकित्सक पोस्टमार्टम करने से इनकार कर देते हैं। इसके चलते कई बार मृतकों के परिजनों को घंटों अस्पताल परिसर में इंतजार करना पड़ता है और विवाद की स्थिति निर्मित हो जाती है। जानकारी के अनुसार यदि किसी थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना, संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, आत्महत्या, जहरीला पदार्थ सेवन, मारपीट या अन्य कारणों से घायल अथवा पीड़ित व्यक्ति की मौत जिला अस्पताल में होती है तो सबसे पहले जिला अस्पताल पुलिस चौकी से संबंधित थाना क्षेत्र को ऑनलाइन सूचना भेजी जाती है। इसके बाद संबंधित थाना पुलिस मामले में मर्ग कायम करती है और उसका मर्ग नंबर जारी किया जाता है। इसी के साथ पोस्टमार्टम के लिए एक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नंबर भी तैयार होता है। बताया जाता है कि जब तक संबंधित थाने से मर्ग नंबर और पोस्टमार्टम रजिस्ट्रेशन नंबर जिला अस्पताल को प्राप्त नहीं हो जाता, तब तक चिकित्सक पोस्टमार्टम करने के लिए तैयार नहीं होते। यदि नेटवर्क और सर्वर सही तरीके से कार्य कर रहे हों, तो पूरी प्रक्रिया कुछ समय में पूरी हो जाती है। लेकिन तकनीकी समस्या या सर्वर डाउन होने की स्थिति में घंटों तक मर्ग नंबर नहीं मिल पाता और पोस्टमार्टम प्रक्रिया पूरी तरह रुक जाती है। इस व्यवस्था का सबसे अधिक खामियाजा मृतकों के परिजनों को भुगतना पड़ रहा है। कई बार सुबह से अस्पताल पहुंचे परिजनों को देर शाम तक इंतजार करना पड़ता है। शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में पड़ा रहता है और परिजन परेशान होकर बार-बार पुलिस और अस्पताल स्टाफ से जानकारी लेते रहते हैं। स्थिति तनावपूर्ण होने पर अस्पताल परिसर में विवाद की स्थिति भी बन जाती है। तकनीकी व्यवस्था लागू होने से पहले देहाती नालिस के आधार पर शून्य (0) मर्ग कायम कर ऑफलाइन प्रक्रिया के तहत तत्काल पोस्टमार्टम कर दिया जाता था। बाद में दस्तावेजी कार्रवाई पूरी कर ली जाती थी। इससे न तो पोस्टमार्टम में देरी होती थी और न ही मृतकों के परिजनों को अधिक परेशान होना पड़ता था लेकिन अब पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होने के कारण सर्वर बंद होते ही व्यवस्था ठप पड़ जाती है। कई बार दूरस्थ थाना क्षेत्रों से सूचना अपडेट होने में भी समय लग जाता है। ऐसे में जिला अस्पताल में शव घंटों पोस्टमार्टम का इंतजार करते रहते हैं। स्वास्थ्य विभाग और पुलिस विभाग से जुड़े लोगों का मानना है कि ऑनलाइन व्यवस्था पारदर्शिता के लिए जरूरी है। लेकिन इसके साथ वैकल्पिक ऑफलाइन व्यवस्था भी उपलब्ध रहनी चाहिए। यदि सर्वर या नेटवर्क में तकनीकी समस्या आए तो चिकित्सकों को ऑफलाइन अनुमति के आधार पर पोस्टमार्टम करने का अधिकार मिलना चाहिए। ताकि आम लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े। पोस्टमार्टम जैसी संवेदनशील प्रक्रिया को केवल ऑनलाइन सिस्टम पर निर्भर न रहा जाए। अस्पताल और पुलिस विभाग के बीच समन्वय मजबूत करने के साथ-साथ तकनीकी व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जाए, ताकि किसी परिवार को अपने परिजन के अंतिम संस्कार के लिए घंटों इंतजार न करना पड़े। लोगों का कहना है कि किसी भी परिवार के लिए अपनों की मौत का दुख पहले ही बड़ा होता है ऐसे में तकनीकी अव्यवस्था के कारण होने वाली देरी उनकी पीड़ा को और बढ़ा देती है। प्रशासन को इस गंभीर समस्या की ओर तत्काल ध्यान देकर स्थायी समाधान निकालना चाहिए।

जनगणना में जोडा जाए ओबीसी का कालम,फिर कराए जनगणना

राष्ट्रीय पिछडा वर्ग(ओबीसी)मोर्चा, ने किया एक दिवसीय धरना प्रदर्शन, नारेबाजी कर निकाली रैली, सौपा ज्ञापन, मांग पूरी ना होने पर 22 को राष्ट्रव्यापी रैली-प्रदर्शन की दी चेतावनी

पदमेश न्यूज। बालाघाट। देश में लंबे समय से विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा ओबीसी की जनगणना कराए जाने की मांग की जा रही थी, लेकिन आजादी के बाद से ही देश में ओबीसी की जातिगत जनगणना नहीं कराई गई है। ब्रिटिश हुकूमत ने 1871 से 1931 तक जातिगत जनगणना कराई, लेकिन आजादी के बाद ओबीसी की जातिगत जनगणना नहीं कराई गई जिसके चलते जनसंख्या के आधार पर ओबीसी को उनका हक और अधिकार नहीं मिल पा रहा था जनसंख्या के आधार पर ओबीसी को आरक्षण और सभी वर्ग क्षेत्रो हिस्सेदारी ना मिलने पर विगत कई वर्षों से सामाजिक संगठनों द्वारा ओबीसी की जनगणना कराए जाने की मांग की जा रही थी। जिसे देखते हुए देश मे जनगणना का कार्य तो शुरू कर दिया गया है लेकिन जनगणना के फार्म में ओबीसी का कालम ही नहीं रखा गया है जहां ओबीसी वर्ग को सामान्य में गिना जा रहा है इस पर आपत्ति जताते हुए राष्ट्रीय पिछडा वर्ग(ओबीसी) मोर्चा द्वारा सरकार के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया गया है जिसके दूसरे चरण के तहत शुक्रवार 5 जून को राष्ट्रीय पिछडा वर्ग(ओबीसी) मोर्चा द्वारा नगर के अंबेडकर चौक में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर अपनी इस प्रमुख मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की गई इस दौरान पदाधिकारियो ने केंद्र सरकार पर ओबीसी का हक मारने का आरोप लगाते हुए धरना स्थल से नगर में एक रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है जिसमे उन्होंने जनगणना के फार्म में ओबीसी का कालम जोड़ने और ओबीसी वर्ग के सही आंकडे जारी कर, जनसख्या के हिसाब से ओबीसी वर्ग को नौकरी में आरक्षण

देते हुए सभी क्षेत्रो में ओबीसी वर्ग को आरक्षण देकर ओबीसी वर्ग को जनसख्या के अनुपात में हिस्सेदारी दिए जाने की मांग की है।

पूरे देश में किया जाएगा बड़ा आंदोलन- सदाशिव हरिनखेडे

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष सदाशिव हरिनखेडे ने बताया कि अभी जो जनगणना हो रही है उसमें ओबीसी का कालम नहीं दिया गया है ऐसे में ओबीसी वर्ग को सामान्य वर्ग में गिना जा रहा है जब ओबीसी वर्ग का जनगणना में कालम ही नहीं होगा तो फिर ओबीसी के लिए बजट कहां से आएगा देश को आजाद हुए करीब 80 वर्ष बीत गए आज तक आजादी के बाद से ओबीसी की जाति आधारित जनगणना नहीं हुई है,जनगणना में एससी एसटी का कॉलम तो है लेकिन ओबीसी का कालम नहीं है जिसे लागू करने की मांग संगठन द्वारा की जा रही है उन्होंने बताया कि अंग्रेजो के जमाने में 1931 में जाति आधारित जनगणना हुई थी उसे समय ओबीसी की संख्या 52 प्रतिशत थी, उस आधार पर ओबीसी को 52 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए, लेकिन ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया गया उसमें से भी महज 14 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया, लेकिन 14 की जगह ओबीसी वर्ग को 5 प्रतिशत आरक्षण मिल रहा है,इसी को लेकर संगठन द्वारा चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया गया है,यदि मांग पूरी नहीं होती तो 22 जून को राष्ट्रव्यापी रैली प्रदर्शन किया जाएगा, उस पर भी मांग पूरी न होने पर पूरे देश में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

पांढरवानी में बाढ़ से निपटने के लिए बड़े नालों की सफाई का कार्य प्रारंभ

सिंधी मोहल्ला और शांतिनगर में हर साल बनते हैं बाढ़ जैसे हालात, सरपंच अनीस खान ने ग्रामीणों से की अपील- नालियों में न फेंकें प्लास्टिक और कचरा

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

आगामी मानसून के मद्देनजर ग्राम पंचायत पांढरवानी (लालबर्रा) ने बाढ़ और जलभराव की गंभीर समस्या से निपटने के लिए कमर कस ली है। पंचायत द्वारा पंचायत क्षेत्र के सभी छोटे-बड़े नालों और नालियों की साफ-सफाई का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बरसात के दिनों में रिहायशी इलाकों को डूबने से बचाना है क्योंकि बरसात के दिनों में तेज बारिश होने पर सिंधी मोहल्ला एवं शांतिनगर में हर वर्ष बाढ़ जैसे हालत बन जाते है। ऐसी स्थिति में निवासरत लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिसका मुख्य कारण है कि सिवनी मार्ग मजार के पास स्थित नाला, मजार के नीचे पांढरवानी रोड़ सहित अन्य स्थानों के नाले व नाली में कुड़ा-करकट जमा हो जाने की स्थिति में पानी का बहाव रूक जाता है। जिसके कारण इन क्षेत्रों में जल भराव की स्थिति निर्मित हो जाती है। इसलिए नालों एवं नाली की साफ-सफाई का कार्य किया जा रहा है। वहीं चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि प्रतिवर्ष वर्षा ऋतु में लालबर्रा नगर मुख्यालय के अंतर्गत आने वाले शांतिनगर और सिंधी मोहल्ला के वार्डों में बाढ़ जैसी विकट स्थिति निर्मित हो जाती है। इस समस्या का मुख्य कारण है कि कुछ स्थानों पर लोगों के द्वारा बड़े नाले के ऊपर पक्का निर्माण (अतिक्रमण) कर लिया गया है। इसके साथ ही नाले में उगी बड़ी झाड़ियों और मलबे के कारण पानी का प्राकृतिक बहाव रूक जाता है। जिस कारण से बरसाती पानी लोगों के घरों में घुस जाता है, जिससे जान-माल का काफी नुकसान होता है। इसलिए इस जलभराव को रोकने के लिए ग्राम पंचायत पांढरवानी ने मानसून के आगमन से पूर्व ही सभी जल निकासी मार्गों को दुरुस्त करने का कार्य जेसीबी मशीनों और सफाई कर्मियों की मदद से नालों से झाड़ियां, सिल्ट (कीचड़) और कचरा हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है।

सरपंच ने की जागरूक नागरिक बनने की अपील

सफाई अभियान को सफल बनाने के लिए सरपंच अनीस खान ने समस्त नगरवासियों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि पंचायत सफाई कार्य में जुटी है, लेकिन यह तब तक पूरी तरह सफल नहीं हो सकता। जब तक जनता जागरूक न हो। मेरी सभी से अपील है कि वे नालियों और नालों में कचरा, झिल्ली, थर्माकोल या प्लास्टिक की वस्तुएं न फेंकें।

ब्रम्हाकुमारीज सेवा केंद्र में हर्षोल्लास से मनाया गया माधुरी दीदी का अलौकिक जन्मदिन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के प्रजापिता ब्रम्हाकुमारीज ईश्वरी विश्व विद्यालय के सेवा केंद्र लालबर्रा में तपस्या धाम बालाघाट से पधारीं आदरणीय बड़ी बहन जी माधुरी दीदी का अलौकिक जन्मदिन भाई-बहनों द्वारा बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। 4 जून को शाम 7 बजे आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में साधना भवन वारासिवनी की संचालिका आदरणीय उर्वशी दीदी एवं गर्रा सेंटर से पधारीं आदरणीय अनुसुइया दीदी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के शुभारंभ में सर्वप्रथम लालबर्रा सेवा केंद्र की संचालिका आदरणीय उ%जवला दीदी एवं शारदा बहन जी द्वारा पधारीं सभी बड़ी दीदीयों का तिलक-चंदन लगाकर एवं पुष्प गु%छ भेंट कर भावभीना स्वागत-अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात छोटी कन्याओं मायरा बहन एवं पीहू बहन द्वारा बहुत ही सुंदर और मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित सभी श्रध्दालुओं का मन मोह लिया। इस अवसर पर आदरणीय बड़ी बहन जी द्वारा परमात्मा के मधुर महावाक्य सुनाये गये। महावाक्यों में कहा गया कि हमें सारे विश्व की स%ची-स%ची रूहानी सेवा करनी है। परमात्मा से ही हमें अपनी सच्ची प्रीत रखनी है। साथ ही सदा हर्षित रहने के लिए अपनी नेचर (स्वभाव) को सरल और सहनशील बनाना बेहद जरूरी है। वहीं कार्यक्रम के अंत में भोगप्रसाद का वितरण किया गया। इस अलौकिक जन्मोत्सव कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक भाई-बहन उपस्थित रहे, जिन्होंने दीदी जी को शुभकामनाएं दीं और ईश्वरीय सौगात ग्रहण की।

चिचगांव सरपंच ने 4 हितग्राहियों को अंत्येष्टि सहायता राशि का किया वितरण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 7 किमी. दूर ग्राम पंचायत चिचगांव के 4 व्यक्तियों का गत दिवस मृत्यु हो गई थी। गुरूवार को मृत व्यक्तियों के परिजन को ग्राम पंचायत चिचगांव सरपंच गोंविद पटले के द्वारा 5-5 हजार रूपये की अंत्येष्टि सहायता राशि प्रदान की गई है। ग्राम पंचायत चिचगांव सरपंच गोंविद पटले ने बताया कि ग्राम के 4 व्यक्तियों का गत दिवस मृत्यु होने के उपरांत शासन से मिलने वाली मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल योजना के अंतर्गत) अंत्येष्टि सहायता योजना के तहत मृत व्यक्तियों के परिजन को 5-5 हजार रूपये की राशि प्रदान की गई है। जिनमें मुख्य रूप से स्व. सनियारों पति स्व. रमेश सोनेकर, स्व. जितेंद्र उइके पिता प्रतापलाल उइके, स्व. दारकन बाई हनवत पति स्व. दाजीबा हनवत, स्व. गंगाराम उइके शामिल है। साथ ही शासन की अन्य योजनाओं का भी लाभ दिलवाया जायेगा। इस अवसर पर सरपंच गोंविद पटले सहित पंचायत सचिव, हितग्राही एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर 7 वीं बटालियन सी.आर.पी.एफ. द्वारा किया गया वृक्षारोपण

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। आज दिनांक 05/06/2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्री तनवीर जमाल, द्वितीय कमान अधिकारी, के नेतृत्व में 7 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, किरनापुर द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश से किरनापुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 100 पौधे आम, जामून, बादाम, गुल मोहर अशोक वृक्ष एवं इमली के पौधे लगाए गये। इस शुभ अवसर पर श्री रविन्द्र सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, डॉ विवेक द्विवेदी, चिकित्सा अधिकारी एवं अधिनस्थ अधिकारी तथा अन्य जवान मौजूद थे। साथ ही श्री तनवीर जमाल, द्वितीय कमान अधिकारी ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वृक्षारोपण न केवल प्रकृतिक संतुलन बनाए रखने में सहायक है बल्कि आने वाली पिढियों के लिए स्वच्छ एवं स्वास्थ्य वातावरण सुनिश्चित करने का भी प्रभावी माध्यम है।कार्यक्रम का समापन पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल के संकल्प के साथ किया गया।

अखिल भारतीय गढ़वाल समाज ने अस्पताल को भेंट किये गमले और पौधे

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधों की सुरक्षा का लिया संकल्प, लोगों को किया जागरूक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर 5 जून को अखिल भारतीय गढ़वाल समाज लालबर्रा के द्वारा एक सराहनीय पहल की गई। समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर अस्पताल स्टाप को पौधों के साथ सुंदर गमले भेंट किये है। वहीं आमतौर पर केवल पौधे रोपने के बाद उनकी सुरक्षा की कमी देखी जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए गढ़वाल समाज ने इस बार पौधों के साथ गमले भी प्रदान किये हैं। ताकि पौधों की सुरक्षा और रखरखाव बेहतर तरीके से हो सके। वहीं अस्पताल प्रबंधन को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधे भेंट करने के साथ ही समाज के सदस्यों द्वारा अस्पताल प्रबंधन को इन पौधों की नियमित देख-रेख और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। साथ ही रोपे गये ये पौधे भविष्य में बड़े होकर औषधीय लाभ देंगे और परिसर को हरा-भरा बनायेंगे, जिससे अस्पताल का वातावरण पूरी तरह शुध्द और स्वास्थ्यवर्धक रहेगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय गढ़वाल समाज द्वारा आम जनता और क्षेत्रीयजनों से भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में आगे आने का आव्हान किया गया। जिन्होने अपील की है कि हर नागरिक अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाये और सिर्फ पौधा रोपे ही नहीं, बल्कि उसके बड़े होने तक उसकी जिम्मेदारी भी उठाये। अखिल भारतीय गढवाल समाज के इस अनूठे और प्रेरणादायी कार्य की अस्पताल प्रबंधन सहित क्षेत्र के प्रबुध्दजनों द्वारा जमकर सराहना की जा रही है। अखिल भारतीय गढ़वाल समाज लालबर्रा के लिखीराम हरिन्द्रवार ने बताया कि 5 जून पर्यावरण दिवस के इस पावन अवसर पर हमारा पूरा समाज मंडल अपने सभी स्वजातीय बंधुओं के साथ लालबर्रा स्वास्थ्य विभाग कार्यालय में एकत्रित होकर इस विशेष दिन को सार्थक बनाने के लिए गढ़वाल समाज द्वारा स्वास्थ्य विभाग कगमले के साथ पौधे भेंट किये गये है। हमारी मुख्य मंशा और संदेश यही है कि पेड़ लगाओ और पर्यावरण बचाओ। आज के समय में प्रकृति का संतुलन बनाये रखना बेहद जरूरी हो गया है। हमारा समाज इसी अभियान को आगे बढ़ाने और आम जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से आज यहां उपस्थित हुआ है। इस अवसर पर बीएमओ डॉ रितु धुर्वे, लिखीराम हरिन्द्रवार, शीतलप्रसाद हरिन्द्रवार, कपिल हरिन्द्रवार, बेनीराम बनवाले, प्रदीप सूर्यवंशी, दामेन्द्र धानेश्वर, राजेन्द्र गोयल, राकेश नागेश्वर, रूपलाल हरिन्द्रवार, सज्जनसिंह ब्रम्हे, हरिशंकर बनवाले, संतोष नागेश्वर सहित अन्य स्वजातीय बंधु एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

जन जागरूकता रैली निकालकर पर्यावरण के प्रति किया गया जागरूक

विश्व पर्यावरण दिवस पर वन विभाग कार्यालय परिसर में किया गया वृक्षारोपण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के सिवनी मार्ग आमाटोला स्थित दक्षिण सामान्य वन मंडल परियोजना परिक्षेत्र लालबर्रा कार्यालय परिसर में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ माँ के नाम पर जनजागरूकता रैली एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों एवं वन विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर फिजिकल क्लब के ब%चों के साथ वन विभाग ने जन जागरूकता रैली निकाली। यह रैली नगर मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए वन विभाग कार्यालय पहुंचा। जहां सभी ने विभिन्न प्रजाति के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर उसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया। साथ ही सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने प्रेरित भी किया गया। वहीं मंचीय कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनप्रतिनिधियों ने कहा कि यदि प्रकृति को हरा भरा रखना है तो हमें वृक्षारोपण जरूर करना होगा तभी पर्यावरण सुरक्षित रहेगा। साथ ही यह भी कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता हैं, लेकिन हम लोगों को आज ही के दिन पौधारोपण नही करना है। किसी के जन्मदिन या किसी भी अवसर पर पौधारोपण करना चाहिए। जिससे पर्यावरण हरा भरा रहता है एवं जल को भी संरक्षित करते है और पेड़ रहेंगे तो मानव जीवन भी सुरक्षित रह पायेगा। इसलिए सभी को अधिक से अधिक पौधों का रोपण करना चाहिए जिससे आसपास हरियाली रहने के साथ ही शुध्द ऑक्सीजन भी मिलेगी। चर्चा में दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा रेंजर श्रीमती सीता भलावी ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन विभाग द्वारा जन-जागरूकता रैली और सघन वृक्षारोपण जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस अवसर पर ग्राम पंचायत औल्याकन्हार के अंतर्गत आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर (समर कैंप) परिसर में बच्चों के सहयोग से इस जागरूकता रैली का आव्हान किया गया था। रैली के दौरान बच्चों ने उत्साह के साथ नारे लगाते हुए ग्रामीणों को वनों व वन्यजीवों के संरक्षण व सुरक्षा के प्रति जागरूक किया है। आज जिस तरह से मौसम बदल रहा है, उसे देखते हुए पर्यावरण सुधार के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन बेहद जरूरी है। हम सभी को मिलकर सकारात्मक दिशा में प्रयास करने होंगे। आम जनता से अपील है कि वे अपने घरों और आसपास छायादार और फलदार वृक्षों करें, ये वृक्ष न केवल हमें तपती धूप से छांव देंगे, बल्कि इनसे फल भी प्राप्त होंगे, जिससे लोग इन्हें लगाने और इनकी देखभाल करने के लिए स्वत: ही प्रेरित होंगे। इस अवसर पर समर कैंप के बच्चें एवं वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

उमरवाड़ा पंचायत में अनियमित्ता का महाविस्फोट, कोर्ट के आदेश के बाद भी लाखों की रिकवरी दबाकर बैठे हैं अफसर

सड़क बत्ती से लेकर स्कूल गेट निर्माण तक में डाका, कार्यवाही के बजाय सरपंच, सचिव को बचा रहा प्रशासन, उपसरपंच ने दी भूख हड़ताल की चेतावनी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत उमरवाड़ा में अनियमितताओं का एक बड़ा मामला सामने आया है। चौंकाने वाली बात यह है कि न्यायालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बालाघाट के द्वारा जांच में अनियमित्ता सिद्ध पाए जाने और सरपंच व सचिव पर लाखों रुपये की वसूली यानि रिकवरी अधिरोपित किए जाने के बाद भी उच्च अधिकारी उन्हें पद से हटाने के बजाय संरक्षण देने में जुटे हैं। शिकायतकर्ता और ग्राम पंचायत उमरवाड़ा की उपसरपंच श्रीमती भूरकन गोंडगे ने ग्रामीणों के साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत वारासिवनी और जिला पंचायत बालाघाट को लिखित पत्र सौंपकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि जिला पंचायत कोर्ट द्वारा विभिन्न कार्यों में वित्तीय गड़बड़ी पाए जाने पर सरपंच श्रीमती पूनम प्रवीण पाण्डेय और सचिव सुरेश कुंभलवार के खिलाफ भारी भरकम रिकवरी के आदेश जारी किए गए हैं लेकिन धरातल पर अब तक कोई सख्त कार्यवाही नहीं हुई है।

कागजों पर जांच और जनसुनवाई का मखौल

शिकायत में उल्लेखित है कि बालाघाट में हर मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई में जिला कलेक्टर के द्वारा मार्किंग किए जाने के बावजूद संबंधित विभाग के अधिकारी केवल खानापूर्ति कर रहे हैं। उमरवाड़ा पंचायत से जुड़ी दर्जनों शिकायतें पिछले एक साल से अधिक समय से लंबित हैं। एक ही शिकायत की जांच तीन तीन अलग अलग अधिकारियों से कराई जा चुकी है और शिकायतकर्ताओं के द्वारा लिखित साक्ष्य सौंपे जाने के बाद भी मामले को रफा दफा करने का प्रयास किया जा रहा है। वर्तमान सत्र में कराए गए किसी भी कार्य का आज तक फाइनल मूल्यांकन नहीं कराया गया है। नवीन नल जल योजना जो आधी अधूरी है लेकिन कागजों पर सही दिखाई गई है। डोरफोड़ी परकोलेशन टैंक, ग्रेवल सड़क निर्माण, रावतालाब पर सुलुस गेट निर्माण जैसे कार्यों में फर्जी बिल वाउचर लगाकर राशि आहरित की गई है। इसके अतिरिक्त बिना वेंडर के चहेती दुकानों से सामग्री क्रय करना, ग्राम सभा की बैठकें ना बुलाना और सरपंच का लगातार कार्यस्थल से अनुपस्थित रहना आम बात हो चुकी है। लगातार मिल रहे राजनीतिक संरक्षण और प्रशासनिक ढुलमुल रवैए से नाराज उपसरपंच और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मध्य प्रदेश पंचायतीराज अधिनियम की धारा ४० के अंतर्गत सरपंच और सचिव को तत्काल प्रभाव से पद से पृथक किया जावें। उनके वित्तीय आहरण एवं वितरण अधिकारों पर तत्काल रोक लगाई जाए। यदि ऐसा नहीं होता है तो उपसरपंच श्रीमती भूरकन गोडगे ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस अनियमित्ता पर अंकुश नहीं लगाया गया और दोषियों पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो वे शासन प्रशासन के खिलाफ उग्र आंदोलन और भूख हड़ताल पर बैठने के लिए विवश होंगी जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इन कार्यों में पाई गई वित्तीय अनियमितता और रिकवरी

अधिकारियों की जांच और आदेशों के अनुसार ग्राम पंचायत ने कार्यों में जनता के पैसे का दुरुपयोग किया जिसकी वसूली राशि तय की जा चुकी है। की उमरावड़ा से सिंगोड़ी मार्ग मस्टोल में २१०१२ रूपये की रिकवरी, प्राथमिक/माध्यमिक स्कूल गेट निर्माण में ८०५० रूपये की रिकवरी, साफ सफाई कार्य में ५३००० रूपये की रिकवरी, सड़क बत्ती स्ट्रीट लाइट कार्य में १७६००० रूपये की रिकवरी, उमरवड़ा से कंहार मार्ग ग्रेवल सड़क निर्माण में १९३००० की रिकवरी जिला पंचायत बालाघाट के द्वारा आदेश जारी कर अधिरोपित की गयी हैं।

हमे न्याय चाहियें वरना उग्र आंदोलन होगा-भूरकन गोडगे

शिकायतकर्ता भूरकन गोंडगे ने बताया की हमारे ग्राम उमरवाड़ा में भारी अनियमित्ता चल रही है। बहुत रिकवरी भी निकल रही है जिला पंचायत के आदेश से यह रिकवरी साबित हो रही है पर जिला पंचायत सीईओ कोई कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। वह लगातार सरपंच और उसकी अनियमित्ता को बढ़ावा दे रहे हैं अभी तक ६ आदेश सरपंच पूनम पांडे के नाम से हुए हैं। हम न्याय जा रहे हैं की धारा ४० में सरपंच को हटाया जाए।

पांच आदेश पर भी कार्यवाही ना होना दुर्भाग्य है हम हाईकोर्ट जाएंगे-के के पांडे

के के पांडे ने बताया कि ग्राम में होने वाली अनियमित के खिलाफ लोगों में आक्रोश व्याप्त है। जिला सीईओ ने यह आदेश दिए हैं फिर भी सरपंच को पद पर बनाए रखना न्यायोचित नहीं है। कहीं ना कहीं कार्यवाही में हमें शंका परिलक्षित हो रही हैं। नल जल योजना हमारे यहां ९३ लाख रुपए की थी इसमें सरपंच पूनम पांडे ने फर्जी प्रस्ताव लिया पानी मिलने का ऐसा फर्जी प्रस्ताव को प्रशासन दबा रहा है ,इससे जिला प्रशासन की मिली भगत भी दिख रही है। हमने देखा है एक आदेश पर धारा ४० लगा दी जाती है यहां तो पांच आदेश पर भी कार्यवाही ना होना दुर्भाग्य है हम हाईकोर्ट जाएंगे।

नल जल का प्रस्ताव सरपंच ने बिना क्रमांक और तारीख के फर्जी रूप से तैयार कर योजना को हैंडोवर लिया -चंदनलाल टेंभरे

पूर्व उपसरपंच चंदनलाल टेंभरे ने बताया की हमारे यहां सरपंच पूनम प्रवीण पांडे है उनके काम को हमने शिकायत जिला कलेक्टर जिला सीईओ को की थी। उसमें पांच रिकवरी आदेश हुए हैं फिर भी प्रशासन इस पर कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है। एक नल जल का प्रस्ताव सरपंच ने बिना क्रमांक और तारीख के फर्जी रूप से तैयार कर योजना को हैंडोवर लिया। जबकि उस योजना से पानी नहीं मिल रहा है पुरानी योजना से आज भी अधिकतर लोग पानी पी रहे हैं। वहीं सामुदायिक भवन आज भी निर्माणधीन है कार्य समय पर नहीं हो रहे हैं। इस प्रकार की उदासीनता ठीक नहीं है यदि सरपंच योग्य नहीं है तो उसे हटाया जाना चाहिए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर रामपायली पुलिस थाना परिसर में एक पेड मां के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विश्व पर्यावरण दिवस रामपायली में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमे प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ,मिलिंद नगपुरे व पदाधिकारीगण भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर लगभग दो दर्जन पौधो का सामूहिक रूप से रोपण किया गया। मंडल अध्यक्ष मिलिंद नगपुरे,जिला पंचायत सदस्य गीता हनवत, चिरंजीव पारधी,मुन्ना दुबे ,देवनाथ बोपचे ने पर्यावरण के महत्व को बताकर सभी को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प व प्रकृति के प्रति अपने उत्तरदायित्वो का निर्वहन करने के लिये प्रेरित भी किया। इस दौरान सचिन बिसेन,चैन सिंह बैस, भागीरथ अग्रवाल, सुबोध रूसिया, जानाजी गौतम, कोमल लिल्हारे,राजकुमार कावरे, भानु राहंगडाले,रूपेंद्र सोनवाने,सुरेश पटले,शैलेश पटले, खिलौराम बघेले, चीनी बघेले, विजय नगपुरे, दीक्षा तुरकर, योगराज पटले, चित्रसेन बिसेन, हंसलाल मर्सकोले, लालचंद बिसेन, कबीर हनवत , थाना प्रभारी धर्मराज सिंह बघेल उपस्थित रहे।

पर भाजपा रामपायली मंडल ने पुलिस थाना परिसर

संचेती राईस मिल वारासिवनी के प्रोपराईटर सौरभ संचेती एवं दो अन्य पर एफआईआर दर्ज

एफसीआई के 242 क्विंटल सीएमआर चावल की हेराफेरी का मामला

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। एफसीआई गोदाम नवेगांव मे बोरगांव-छिंदवाड़ा के एथेनाल प्लांट के लिए चावल लेकर निकले ट्रक के वारासिवनी स्थित संचेती राईस मिल परिसर में खड़ा होने की सूचना मिलने पर कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देश पर वारासिवनी एसडीएम श्री कार्तिकेय जायसवाल द्वारा राजस्व एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों की टीम को तत्काल मौके पर भेज कर जांच कराई गई। जांच में संचेती राईस वारासिवनी में ट्रक क्रमांक-सीजी-04-जेडी-3147 में कस्टम मिलिंग का 242 क्विंटल 55 किलोग्राम चावल संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया। जिस पर 05 जून को संचेती राईस मिल के प्रोपराईटर सौरभ संचेती, बोरगांव-छिंदवाड़ा एथेनाल प्लांट के प्रतिनिधि राहुल प्रताप एवं ट्रक चालक दुर्गेश श्रेन्दे पर वारासिवनी थाने में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 316(3), 3(5) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है।

जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आर के ठाकुर, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री सुनील किरार, सुश्री निहारिका अवस्थी, तहसीलदार वंदना कुशराम एवं नायब तहसीलदार सुरेश उपाध्याय द्वारा संचेती राईस मिल पहुंचकर ट्रक में पाये गये चावल की जांच की गई। जांच में ट्रक क्रमांक सीजी-04-जेडी-3147 में 490 बोरियों में 242 क्विंटल 55 किलोग्राम सीएमआर (कस्टम मिल्ड राइस) चावल संदिग्ध पाया गया। भारतीय खाद्य निगम के नवेगांव गोदाम से 03 जून को 03 ट्रकों को एथेनॉल प्लांट बोरगांव, जिला छिंदवाड़ा के लिए रवाना किया गया था, जिसमें ट्रक क्रमांक सीजी-04-जेडी-3147 भी शामिल था। इस ट्रक को दो अन्य ट्रकों के साथ बोरगांव-छिंदवाड़ा पहुंचना था, लेकिन यह ट्रक 03 जून की रात में संचेती राईस मिल में खड़ा पाया गया। मौके पर मौजूद वाहन चालक से परिवहन संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन वह कोई भी वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सका। इसके बाद टीम ने चावल सहित ट्रक को जब्त कर आगामी जांच तक पुलिस थाना वारासिवनी प्रभारी को अभिरक्षा में खड़ा करा दिया है।

जांच में पाया गया कि एग्रीको प्रायवेट लिमिटेड एथेनाल प्लांट बोरगांव, जिला छिंदवाड़ा के अधिकृत प्रतिनिधि राहुल प्रताप द्वारा भारतीय खाद्य निगम से ग्राम चावल को स्थानीय राइस मिल में खपाकर छिंदवाड़ा स्थित एथेनाल प्लांट में सस्ते दामों में चावल खरीदकर एथेनाल तैयार करने का प्रयास किया जा रहा था। जांच में पाया गया कि संचेती राईस मिल द्वारा धान की कस्टम मिलिंग के लिए 68 लाट का अनुबंध किया गया है और कस्टम मिलिंग का कार्य किया जा रहा है। जिससे स्पष्ट होता है कि ट्रक क्रमांक सीजी-04 जेडी-3147 में रखे चावल को रिसाईकिल कर कस्टम मिलिंग में जमा कराने के प्रयोजन से राईस मिल में लाया गया है।

जांच में पाये गये तथ्यों के आधार पर वारासिवनी की कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुश्री निहारिका अवस्थी ने 05 जून को वारासिवनी थाने में एग्रीको एग्रीको प्रायवेट लिमिटेड एथेनाल प्लांट बोरगांव, जिला छिंदवाड़ा के अधिकृत प्रतिनिधि राहुल प्रताप, संचेती राईस वारासिवनी के प्रोपराईटर सौरभ संचेती एवं ट्रक चालक दुर्गेश श्रेन्दे के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता -2023 की धारा 316(3), 3(5) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कराया है। इन तीनों व्यक्तियों के विरूद्ध चावल की हेराफेरी एवं धोखाधड़ी करने के मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक द्वारा संचेती राईस मिल के विरूद्ध की गई शिकायत का निराकरण होने तक उनकी फर्म को कस्टम मिलिंग के धान प्रदाय एवं आरओ पर रोक लगा दी गई है। संचेती राईस मिल को धान की कस्टम मिलिंग के लिए 68 लॉट का आरओ जारी किये गए है। इसके विरूद्ध उनके द्वारा 68 लॉट धान का उठाव किया गया है और 56 लॉट का चावल जमा किया गया है। संचेती राईस मिल के प्रोप्राईटर को निर्देशित किया गया है कि कस्टम मिलिंग के शेष 12 लॉट का चावल तत्काल भारतीय खाद्य निगम एवं नागरिक आपूर्ति निगम के गोदाम में जमा कराये।

विश्व पर्यावरण दिवस पर शासकीय हाई स्कूल खरखड़ी में औषधी पौधों का हुआ वृक्षारोपण

पद्मेश न्यूज। रामपायली/वारासिवनी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शासकीय हाई स्कूल खरखड़ी में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प के साथ औषधीय पौधों का वृक्षारोपण किया गया। विद्यालय परिसर में लगाए गए पौधों ने ना केवल वातावरण को हराभरा बनाने का संदेश दिया। बल्कि समाज को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी स्मरण कराया। इस अवसर पर संस्था की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती विश्वात्मा मेश्राम, शिक्षक लोकेश कुमार तिवारी,गजानंद तितरमारे, धनेंद्र मसखरे ,श्रीमती हीरा उके उपस्थित रहे। सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। विद्यालय परिवार के द्वारा विशेष रूप से औषधीय पौधों का रोपण किया गया जो भविष्य में पर्यावरण संरक्षण के साथ साथ स्वास्थ्य संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। शिक्षक लोकेश कुमार तिवारी ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और घटते वन क्षेत्र मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक यदि वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करें तो पर्यावरणीय संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि वृक्ष केवल पौधे नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जीवन के संरक्षक हैं। समाज के सभी वर्गों से अपील की गई कि वे अपने घर खेत विद्यालय और सार्वजनिक स्थलों पर अधिक से अधिक वृक्ष लगाएं तथा उन्हें जीवित रखने का संकल्प लें। पर्यावरण बचेगा तो जीवन बचेगा और जीवन बचेगा तो भविष्य सुरक्षित रहेगा। यही संदेश विश्व पर्यावरण दिवस पर खरखड़ी विद्यालय के इस सराहनीय प्रयास ने पूरे समाज को दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस के बारे में लोगो को जागरूक करना हम सबकी जिम्मेदारी- प्रदीप जायसवाल

नपा परिषद के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर किया वृक्षारोपण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देश पर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद ने वार्ड नं.१० व वार्ड ११ के नमो उपवन में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, संदीप मिश्रा, मोनू लिमजे, राजदीप तुरकने,वंशिका चौहान सहित अन्य ने लगभग ७० फलदार व औषधीय पौधो का रोपण कर पुर्ण सुरक्षा प्रदान करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगो को प्रकृति के महत्व के प्रति जागरूक करने के साथ बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और वनो की कटाई जैसी गंभीर समस्याओं के खिलाफ कदम उठाने के लिये प्रेरित करना है। शासन के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मध्य विशेष अभियान के आयोजन संबंधी निर्देश जारी किए गए है। कार्यक्रम में सभी ने विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल , नपा श्रीमती सरिता मनोज दांदरें ,संदीप मिश्रा ,योगेंद्र मोनू लिमजे , श्रीमती दीपा प्रवीण रूसिया , आलोक खरे ,मनोज दांदरे विनय सुराना , मंयक मिश्रा, मिथलेश बुरडे, विनय सुराना, श्रीमती अंशिका सिंह चौहान , हितेश हलमारे, राजदीप तूरकने सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ की मासिक बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ की मासिक बैठक प्रणय श्रीवास्तव, अशोक बिसेन के मुख्य आतिथ्य में संगठन के कार्यालय में सम्पन्न हुई। जिसमें अमरकंटक अध्यास वर्ग के संस्मरण की प्रस्तुति, जिला इकाई की गतिविधियों, कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं के निराकरण, आठवें वेतनमान के शीघ्र प्रभावीकरण, केंद्र के समकक्ष मंहगाई भत्ता, अध्यापक वर्ग के वेतनमान एवं पेंशन योजना के संबंध में कृषि विभाग के एवं फील्ड में सेवा कार्य कर रहे कर्मचारियों की उपस्थिति में भौतिक व्यवधान, छात्रावास में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी की समस्याओं संगठन की वार्षिक एवं आजीवन सदस्यता के साथ ही सेवानिवृत्त कर्मचारियों के समस्त स्वत्वों के समय पर भुगतान आदि पर विचार विमर्श किया गया। बैठक के पश्चात संगठन के नीरज वर्मा की सेवा निवृत्ति पर मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ परिवार की ओर से शाल श्रीफल भेंट कर आत्मीय अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संघ के संरक्षक प्रणय श्रीवास्तव ,जिला अध्यक्ष अशोक बिसेन, तहसील अध्यक्ष विजय दखने, सचिव दिलेश खंडेलकर ,जिला मंत्री पंचम हनवत, के के चौधरी , विशाल वाहने, दुलीचंद कावडे, जितेंद्र कुमार नकासे,निलेश नेमा उपस्थित रहे।

वैदिक युग में शिक्षा के सही उद्देश्य

आज की शिक्षा और पहले की शिक्षा में बहुत अंतर थी आज मोबाइल और कोचिंग के अलावा बच्चे प्रैक्टिस पर जो? नहीं देते ना ही ब ?ों का बात मानते हैं, पहले पेपर लिक भी नहीं होता संस्कार था अब सब ?त्म हो रहा है वैदिक काल (लगभग 1700–900 ई।पू।) से भारत में शिक्षा की शुरुआत मान सकते हैं। 'वैदिक शिक्षा' शब्द का प्रयोग इस अवधि में प्रयुक्त शिक्षण पद्धति के अर्थ में किया जाता है। एक व्यापक अर्थ में इस शब्द का प्रयोग उस शिक्षा पद्धति के लिए किया जाता है जो पूर्व वैदिक काल में प्रारंभ हुई और लगभग 550 ई। (गुप्त साम्राज्य के पतन तक) विकसित होती रही। इसे 'ब्राह्मण शिक्षा-पद्धति', 'शिक्षा की हिंदू प्रणाली' और शिक्षा की 'गुरुकुल प्रणाली' भी कहा जाता है। भारतवर्ष मैं रहने वाली सर्वप्रथम जाति आर्य थी और वैदिक संस्कृति आर्यों की अपनी संस्कृति थी 7 वैदिक-संस्कृति सत्य, सनातन है और वेद को अनादि अथवा ईश्वरीय माना गया है, क्योंकि मनुष्य और उसकी सभ्यता के बारे में सबसे प्राचीन इतिहास भी इसी संस्कृति की देन है 7 जिसमें ऋषियों द्वारा मानव समाज को व्यवस्थित तरीके से चलाने के लिये मर्यादित आचरण की व्यवस्था दी गयी 7वैदिक शिक्षा-प्रणाली की खास विशेषता थी गुरुकुल [शाब्दिक अर्थ शिक्षक का घर '] की प्रणाली। छात्रों को शिक्षा के पूरे काल के लिए शिक्षक और उनके परिवार के साथ रहना आवश्यक था। कुछ गुरुकुल एकांत वन-क्षेत्रों में होते थे, लेकिन सिद्धांत एक ही था विद्यार्थियों को गुरु (शिक्षक) / गुरु और उनके परिवार के साथ रहना होता था। यह प्रणाली लगभग 2500 वर्षों तक यथावत चलती रही। पाठशालाओं तथा शिक्षण संस्थाओं का विकास बहुत बाद में हुआ शिक्षा के उद्देश्य का पहला उल्लेख ऋग्वेद के 10 वें मंडल में पाया जाता है। इस मंडल के एक सूक्त में कहा गया है कि विद्या का उद्देश्य वेदों तथा कर्मकांड के ज्ञान के अतिरिक्त समाज में सम्मान प्राप्त करना, सभा-समिति में बोलने में सक्षम होना, उचित-अनुचित का बोध आदि है। इससे प्रतीत होता है की पूर्व वैदिक युग में शिक्षा के उद्देश्य व्यावहारिक थे। बाद में, उपनिषद काल में, ज्ञान का उद्देश्य अधिक सूक्ष्म हो गया। विद्या को दो भागों में बांटा गया- परा विद्या और अपरा विद्या। अपरा विद्या में प्राय: समस्त पुस्तकीय तथा व्यावहारिक ज्ञान आ गया। केवल ब्रह्म विद्या को परा विद्या माना गया। परा विद्या श्रेष्ठ मानी गई क्योंकि उससे मोक्ष प्राप्त होता है। मोक्ष शिक्षा का अंतिम उद्देश्य हो गया। लेकिन यह लक्ष्य आदर्श ही रहा होगा, न की व्यावहारिक, क्योंकि मोक्ष सभी के लिए साध्य नहीं हो सकता। इतिहासकार ए।एस।अल्तेकर ने वैदिक शिक्षा के व्यावहारिक उद्देश्य बताये हैं जो निम्नलिखित हैं। 1) चरित्र निर्माण- सत्यवादिता, संयम, व्यक्तिगत शील, सफाई, शांत स्वभाव और उदारता आदि अच्छे चरित्र के गुण किसी भी पेशे ड्ड पुरोहित, शिक्षक, चिकित्सक, राजसेवक, व्यापारी या सैनिक - के लिए बुनियादी आवश्यकता के रूप में प्राचीन ग्रंथों में निर्धारित किये गए हैं। शिक्षा का उद्देश्य इन गुणों का विकास करना था। मनुस्मृति में कहा गया है कि निर्मल चरित्र का ब्राह्मण सभी वेदों का ज्ञान रखने वाले दुश्चरित्र ब्राह्मण से अच्छा होता है। शिक्षा आरम्भ करने के पूर्व उपनयन संस्कार होता था जिसमें भावी विद्यार्थी को नैतिक आचरण के नियमों का पालन करने का उपदेश दिया जाता था। इसी तरह शिक्षा के समापन पर भी गुरु उपदेश देता था। उदाहरण के लिए तैत्तिरीय उपनिषद से दीक्षांत भाषण एक अंश उद्धृत है - सच बोलो, धर्म का आचरण करो, वेदों का प्रतिदिन अभ्यास करो, माता पिता को देवतुल्य समझो, गुरु को देवतुल्य समझो। अतिथि को देवतुल्य समझो। 2) व्यक्तित्व का विकास- प्रत्येक शिक्षार्थी को आत्मनिर्भरता, आत्म - संयम और जीवन में वर्ण और आश्रम के अनुरूप आचरण करने का कौशल सिखाया जाता था।

वैश्विक स्तरपर एक क्षेत्र की राजनीतिक घटना विश्वभर की अर्थव्यवस्था

शेयर बाजारों, मुद्राओं,बॉन्ड बाजारों और आम नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर सकती है

वैश्विक स्तरपर मई के अंतिम सप्ताह 2026 में वैश्विक अर्थव्यवस्था, भू-राजनीति और वित्तीय बाजारों के लिए अत्यंत संवेदनशील और उतार-चढ़ाव भरा रहा। इस अवधि में पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान तनाव,वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता केंद्रीय बैंकों की नीतियों को लेकर अनिश्चितता, मुद्रास्फीति के बढ़ते संकेत, विदेशी निवेशकों की बिकवाली तथा मानसून संबंधी आशंकाओं ने भारतीय और अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजारों को गहराई से प्रभावित किया। यह सप्ताह इस बात का उदाहरण बन गया कि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था कितनी परस्पर जुड़ी हुई है और कैसे किसी एक क्षेत्र की राजनीतिक घटना विश्वभर के शेयर बाजारों, मुद्राओं, बॉन्ड बाजारों और आम नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर सकती है। जबकि 1 जून 2026 से सरकारी तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 42 रुपये की बढ़ोतरी की है। इसके साथ ही 5 किलो वाले सिलेंडर के दाम में भी 11 रुपये का इजाफा किया गया है। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।यह बढ़ोतरी सीधे तौर पर होटल, रेस्तरां और छोटे कारोबारियों को प्रभावित करेगी।शेयर मार्केट में भी 1 जून को गिरावट हुई सेंसेक्स 508 अंक टूटकर 74,267 पर बंद हुआ,जबकि निफ्टी 165 अंक गिरकर 23,383 पर आ गया,सबसे बड़ी चिंता की बात यह रही कि सेंसेक्स के 30 में से 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए, यानी गिरावट कुछ चुनिंदा शेयरों तक सीमित नहीं थी, बल्कि पूरे बाजार में फैली हुई थी.मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र ने जब राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व शेयर मार्केटिंग का पूरे सप्ताह का विश्लेषण किया तो सप्ताह की शुरुआत 25 मई को अपेक्षाकृत सकारात्मक माहौल में हुई थीं।अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते तथा युद्धविराम की खबरों ने निवेशकों को राहत दी।इससे वैश्विक बाजारों में रिस्क-ऑन भावना विकसित हुई। जापान का निक्केई सूचकांक ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया, दक्षिण कोरिया और हांगकांग के बाजारों में भी तेजी देखी गई। निवेशकों को लगा कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल आपूर्ति सामान्य हो जाती है तो वैश्विक ऊर्जा संकट कम होगा और मुद्रास्फीति पर दबाव घटेगा। परिणामस्वरूप एशियाई और यूरोपीय बाजारों में शुरुआती तेजी देखने को मिली।लेकिन यह आशावाद अधिक समय तक नहीं टिक सका। 26 मई को अमेरिका द्वारा ईरान से जुड़े सैन्य अभियानों और नए हमलों की खबरों ने बाजारों में पुन: अनिश्चितता पैदा कर दी। निवेशकों को यह समझ आने लगा कि पश्चिम एशिया संकट अभी समाप्त नहीं हुआ है। तेल की कीमतों में फिर से उतार- चढ़ाव शुरू हुआ और सुरक्षित निवेश माने जाने वाले डॉलर तथा सरकारी बॉन्ड की मांग बढ़ने लगी। इस प्रकार वैश्विक बाजारों में एक दिन पहले का उत्साह अचानक सतर्कता में बदल गया। साथियों, इस पूरे सप्ताह वैश्विक बाजारों पर सबसे बड़ा प्रभाव तेल की कीमतों और पश्चिम एशिया की स्थिति का रहा। वर्ष 2026 के दौरान चले अमेरिका- ईरान संघर्ष ने पहले ही वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित कर दिया था। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है। जब इसके बंद होने या बाधित होने की आशंका उत्पन्न होती है, तब पूरी दुनिया में तेल की कीमतें बढ़ जाती हैं। हालांकि 29 मई तक युद्धविराम समझौते की संभावना बढ़ने लगी और तेल की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड अप्रैल के अंत की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत तक नीचे आ गया। इससे निवेशकों को यह संदेश मिला कि भविष्य में ऊर्जा लागत कम हो सकती है और वैश्विक मुद्रास्फीति पर दबाव घट सकता है। साथियों, दूसरी ओर यूरोप की स्थिति अपेक्षाकृत जटिल रही। यूरोपीय अर्थव्यवस्था एक साथ दो समस्याओं का सामना कर रही है धीमी आर्थिक वृद्धि और बढ़ती मुद्रास्फीति। अर्थशास्त्र की भाषा में इसे स्टैगफ्लेशन कहा जाता है। यूरोपीय केंद्रीय बैंक के सामने चुनौती यह है कि वह मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरें बढ़ाए या कमजोर अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए नरम नीति अपनाए। मई के अंतिम सप्ताह में आए आर्थिक संकेतकों ने इस दुविधा को और गहरा किया। साथियों, भारत के लिए यह सप्ताह विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा क्योंकि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रकार के दबाव एक साथ दिखाई दिए। शुरुआत में निवेशकों को उम्मीद थी कि यदि पश्चिम एशिया संकट कम होता है तो भारत को कम तेल कीमतों का लाभ मिलेगा। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए तेल की कीमतों में गिरावट सीधे चालू खाता घाटे, मुद्रास्फीति और राजकोषीय संतुलन को प्रभावित करती है।लेकिन सप्ताह के अंत तक भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली देखने को मिली। 29 मई को सेंसेक्स लगभग 1092 अंक गिर गया और निफ्टी 359 अंक टूटकर 23550 के नीचे पहुंच गया। यह गिरावट केवल तकनीकी कारणों से नहीं थी बल्कि इसके पीछे कई आर्थिक और राजनीतिक कारण एक साथ काम कर रहे थे। साथियों, सबसे पहला कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली थी। जब वैश्विक निवेशकों को किसी देश या क्षेत्र में जोखिम बढ़ता हुआ दिखाई देता है, तो वे अपने निवेश को सुरक्षित परिसंपत्तियों में स्थानांतरित करने लगते हैं। भारत में विदेशी निवेशकों की बिक्री ने बैंकिंग, वित्तीय और धातु क्षेत्रों पर विशेष दबाव डाला। साथियों, दूसरा कारण कमजोर मानसून की आशंका थी। भारत की कृषि अभी भी मानसून पर काफी हद तक निर्भर है। यदि वर्षा सामान्य से कम होती है तो खाद्यान्न उत्पादन प्रभावित हो सकता है,जिससे खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ने की संभावना रहती है। निवेशकों ने इसे एक संभावित आर्थिक जोखिम के रूप में देखा। परिणामस्वरूप कृषि आधारित उद्योगों, उपभोक्ता कंपनियों और ग्रामीण मांग पर निर्भर क्षेत्रों में चिंता बढ़ी। तीसरा कारण वैश्विक अनिश्चितता थी। यद्यपि अमेरिका-ईरान समझौते की खबरें आ रही थीं, लेकिन निवेशकों को विश्वास नहीं था कि संकट पूरी तरह समाप्त हो गया है। किसी भी समय नई सैन्य कार्रवाई या राजनीतिक विवाद तेल बाजारों को पुन: अस्थिर बना सकते थे। इसलिए भारतीय बाजारों में निवेशकों ने लाभ बुक करना सटीक रूप से उचित समझा। साथियों, इस सप्ताह भारतीय बाजारों में यह भी स्पष्ट हुआ कि घरेलू अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत मजबूत होने के बावजूद वैश्विक पूंजी प्रवाह का प्रभावअत्यधिक महत्वपूर्ण है। भारत की विकास दर, उपभोग मांग और कॉर्पोरेट आय मजबूत बनी हुई हैं, लेकिन विदेशी पूंजी की निकासी अल्पकालिक रूप से बाजारों को नीचे खींच सकती है। साथियों, भारतीय अर्थव्यवस्था के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा ने स्पष्ट किया कि देश की बुनियादी आर्थिक स्थिति अभी भी मजबूत है। फिर भी कच्चे तेल की कीमतें, मुद्रास्फीति और मानसून सबसे बड़े जोखिम बने हुए हैं। यदि तेल महंगा होता है तो परिवहन, उर्वरक, बिजली और विनिर्माण लागत बढ़ेगी। इसका सीधा प्रभाव उपभोक्ता कीमतों पर पड़ेगा। दूसरी ओर यदि मानसून कमजोर रहता है तो खाद्य कीमतों में वृद्धि हो सकती है। इन दोनों कारकों का संयुक्त प्रभाव सटीक रूप से भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति पर पड़ सकता है।

साथियों, वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों की भूमिका भी बाजारों की दिशा निर्धारित करने वाली रही। निवेशकों की नजर अमेरिका के पीसीई मुद्रास्फीति आंकड़ों, जीडीपी डेटा और रोजगार संकेतकों पर थी। यदि अमेरिकी मुद्रास्फीति ऊंची बनी रहती है तो फेडरल रिजर्व ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची रख सकता है। इसका असर विश्वभर के पूंजी बाजारों पर पड़ता है क्योंकि उच्च अमेरिकी ब्याज दरें निवेशकों को उभरते बाजारों से धन निकालकर अमेरिका में निवेश करने के लिए प्रेरित करती हैं।इस अवधि में मुद्रा बाजार भी अत्यधिक संवेदनशील रहे। डॉलर की मजबूती और कमजोरी के बीच लगातार उतार-चढ़ाव दिखाई दिया। जब युद्ध का खतरा बढ़ा तो डॉलर मजबूत हुआ क्योंकि निवेशकों ने उसे सुरक्षित निवेश माना। जब शांति वार्ता की खबरें आईं तो डॉलर पर दबाव आया और जोखिम वालीपरिसंपत्तियों में निवेश बढ़ा। इस प्रकार विदेशी मुद्रा बाजारों ने भू-राजनीतिक घटनाओं की तीव्र प्रतिक्रिया दिखाई। साथियों, विशेषज्ञों का मानना है कि मई 2026 का अंतिम सप्ताह केवल शेयर बाजार की कहानी नहीं था बल्कि यह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था की जटिलताओं का दर्पण था। एक ओर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी नवाचारों ने निवेशकों को उत्साहित किया, दूसरी ओर युद्ध, ऊर्जा संकट, मुद्रास्फीति और जलवायु संबंधी जोखिमों ने अनिश्चितता को बढ़ाया।विश्व के प्रमुख बैंकरों और निवेशकों ने भी चेतावनी दी कि वर्तमान समय में सबसे बड़ा खतरा केवल आर्थिक नहीं बल्कि भू-राजनीतिक है। अमेरिका- ईरान संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध, वैश्विक व्यापारिक तनाव और बढ़ते रक्षा व्यय आने वाले वर्षों में आर्थिक विकास की दिशा तय करेंगे। साथियों,अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजारों में इसका सकारात्मक प्रभाव दिखाई दिया। जापान, दक्षिण कोरिया, हांगकांग और यूरोप के प्रमुख सूचकांकों में तेजी आई। अमेरिकी बाजारों में भी निवेशकों ने राहत की सांस ली क्योंकि ऊर्जा कीमतों में गिरावट का अर्थ है कि फेडरल रिजर्व पर ब्याज दरें बढ़ाने का दबाव कम हो सकता है। परिणामस्वरूप तकनीकी और विकास आधारित कंपनियों के शेयरों में खरीदारी बढ़ी।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला विवाहित पुत्रियों को भी मिलेगा समान अधिकार

-कांतिलाल मांडोत

भारत का संविधान सभी नागरिकों को समानता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने अनेक ऐसे निर्णय दिए हैं जिन्होंने समाज में व्याप्त भेदभावपूर्ण व्यवस्थाओं को चुनौती दी है और समान अधिकारों की अवधारणा को मजबूत किया है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि केवल वैवाहिक स्थिति के आधार पर किसी पुत्री को अनुकंपा नियुक्ति अथवा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। यह निर्णय न केवल महिलाओं के अधिकारों को सशक्त बनाता है बल्कि समाज में लंबे समय से चली आ रही रूढ़ियों को भी चुनौती देता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उन फैसलों को रद्द कर दिया जिनमें कहा गया था कि अनुकंपा नियुक्ति के लिए परिवार की परिभाषा में विवाहित बेटी शामिल नहीं होती। न्यायालय ने कहा कि किसी भी कल्याणकारी योजना का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सहायता प्रदान करना होता है और यदि कोई पुत्री विवाह के बाद भी अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभा रही है तो उसे केवल विवाहित होने के आधार पर योजना के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता।

यह मामला एक विवाहित पुत्री से जुड़ा था जिसने उचित मूल्य की

दुकान के लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। उसने वर्ष 2019 के उस सरकारी आदेश को चुनौती दी थी जिसमें विवाहित बेटियों को परिवार की परिभाषा से बाहर रखा गया था। याचिकाकर्ता का कहना था कि वह विवाह के बाद भी अपने माता पिता के परिवार के साथ रह रही थी। वह अपनी विकलांग बहन की देखभाल करती थी और अपनी मां के साथ दुकान के संचालन में भी सहयोग करती थी। मां की मृत्यु के बाद जब उसने लाइसेंस के लिए आवेदन किया तो उसका आवेदन केवल इस आधार पर अस्वीकार कर दिया गया कि वह विवाहित है।

मामले की सुनवाई के दौरान यह महत्वपूर्ण प्रश्न उठा कि जब विवाहित पुत्रों पर ऐसी कोई रोक नहीं है तो फिर विवाहित पुत्रियों को परिवार का सदस्य मानने से क्यों इंकार किया जाता है। यह प्रश्न केवल एक व्यक्ति के अधिकार का नहीं था बल्कि देश की लाखों महिलाओं से जुड़ा हुआ था जो विवाह के बाद भी अपने माता पिता और परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन करती हैं।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वैवाहिक स्थिति किसी व्यक्ति के अधिकारों को निर्धारित करने का आधार नहीं हो सकती। यदि कोई महिला अपने परिवार के साथ जुड़ी हुई है और उनकी जिम्मेदारियां निभा रही है तो उसे केवल इसलिए योजनाओं से बाहर नहीं किया जा सकता क्योंकि उसका विवाह हो चुका है। न्यायालय ने यह भी कहा कि ऐसी सोच संविधान के समानता के सिद्धांत के विपरीत है।

इस निर्णय का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि भारतीय समाज में लंबे समय तक यह धारणा रही है कि विवाह के बाद बेटी अपने मायके के परिवार का हिस्सा नहीं रहती। जबकि वास्तविकता यह है कि आज बड़ी संख्या में बेटियां अपने माता पिता की देखभाल करती हैं और आर्थिक तथा सामाजिक जिम्मेदारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अनेक परिवारों में बेटियां ही माता पिता का सहारा होती हैं। ऐसे में उन्हें अधिकारों और योजनाओं से वंचित करना न्यायसंगत नहीं माना जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में बॉम्बे हाईकोर्ट और कर्नाटक हाईकोर्ट के उन निर्णयों का भी समर्थन किया जिनमें यह माना गया था कि किसी महिला को केवल उसकी वैवाहिक स्थिति के कारण कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। यह दृष्टिकोण आधुनिक भारत की सामाजिक वास्तविकताओं के अधिक अनुरूप है।

अनुकंपा नियुक्ति का मूल उद्देश्य किसी कर्मचारी की मृत्यु के बाद उसके परिवार को आर्थिक संकट से उबारना होता है। यदि परिवार का कोई सदस्य वास्तव में आश्रित है और परिवार की जिम्मेदारियां संभाल रहा है तो उसके अधिकार का मूल्यांकन उसकी वैवाहिक स्थिति के आधार पर नहीं बल्कि उसकी वास्तविक परिस्थितियों के आधार पर होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी सिद्धांत को मजबूत करता है।

यह फैसला महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सम्मान की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। जब महिलाओं को समान अवसर और अधिकार मिलते हैं तब वे न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे समाज के विकास में योगदान देती हैं। न्यायालय का यह निर्णय सरकारी नीतियों और योजनाओं में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाला माना जाएगा।

इस फैसले का प्रभाव केवल अनुकंपा नियुक्ति तक सीमित नहीं रहेगा। भविष्य में विभिन्न सरकारी योजनाओं और लाभों से जुड़े मामलों में भी यह निर्णय एक महत्वपूर्ण मिसाल बनेगा। इससे उन नियमों और प्रावधानों की समीक्षा का मार्ग प्रशस्त होगा जिनमें विवाह को महिलाओं के अधिकार सीमित करने का आधार बनाया गया है।

आज भारत तेजी से बदल रहा है। शिक्षा रोजगार और सामाजिक भागीदारी के क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे समय में न्यायपालिका के इस प्रकार के निर्णय समाज को अधिक न्यायपूर्ण और समानतापूर्ण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस फैसले से स्पष्ट संदेश दिया है कि बेटी चाहे विवाहित हो या अविवाहित उसके अधिकार समान हैं और उसे केवल वैवाहिक स्थिति के आधार पर किसी योजना से वंचित नहीं किया जा सकता।

यह निर्णय संविधान की भावना के अनुरूप है और महिलाओं के सम्मान तथा समानता के अधिकार को नई मजबूती प्रदान करता है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का फैसला पलटते हुए यह स्पष्ट कर दिया है कि कल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य सहायता पहुंचाना है न कि भेदभाव करना। इसलिए किसी भी पात्र पुत्री को केवल विवाह के आधार पर योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रखा जा सकता। यह फैसला महिलाओं के अधिकारों की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है और आने वाले समय में सामाजिक न्याय की नई मिसाल के रूप में याद किया जाएगा।

नशा-राष्ट्र की जड़ों को खोखला करने वाली चुनौती

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में अग्रणी है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी सामर्थ्य, सबसे बड़ी पूंजी और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विज्ञान, तकनीक, उद्योग, शिक्षा, खेल और नवाचार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों के पीछे इसी युवा शक्ति का योगदान है। किंतु विडंबना यह है कि आज यही युवा वर्ग नशे के बढ़ते जाल में फंसता जा रहा है। नशा अब केवल व्यक्तिगत कमजोरी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। देश के विभिन्न भागों में समय-समय पर करो?ों और अरबों रुपये मूल्य के मादक पदार्थों की बरामदगी यह प्रमाणित करती है कि नशे का कारोबार संगठित अपराध का एक विशाल अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बन चुका है। विशेष रूप से पंजाब, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात तथा पूर्वोत्तर राज्यों में सीमापार से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है।

सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार हेरोइन, अफीम, चरस, कोकीन तथा सिंथेटिक ड्रग्स की बड़ी खेपों को पकड़ा जाना इस बात का संकेत है कि भारत को नशे के बड़े बाजार के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो तथा विभिन्न सरकारी रिपोर्टों के अनुसार देश में लाखों युवा किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों के सेवन के आदी हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कराए गए एक व्यापक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया था कि करोड़ों भारतीय तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं तथा उनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। चिंता की बात यह है कि स्कूल और कॉलेज स्तर तक नशे की पहुंच बढ़ रही है। अनेक राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां किशोरों को ड्रग्स के वितरण और तस्करी में इस्तेमाल किया गया। नशे के बढ़ते संकट का एक राष्ट्रीय सुरक्षा पक्ष भी है। अनेक सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान प्रत्यक्ष युद्ध में लगातार असफल होने के बाद भारत को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद, नकली मुद्रा और नशे की तस्करी जैसे छद्म युद्ध के हथियारों का उपयोग करता रहा है। पंजाब में लंबे समय से सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। अब जम्मू-कश्मीर में भी नशे के बढ़ते प्रभाव को इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। आतंकवाद की कम होती गतिविधियों के बीच नशे का फैलाव एक नए खतरे के रूप में उभर रहा है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को कमजोर करना और समाज की ऊर्जा को नष्ट करना है। इसी संदर्भ में जम्मू-कश्मीर में प्रारंभ किया गया 'नशामुक्त जम्मू-कश्मीर' अभियान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में चल रहा यह अभियान प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता पर भी बल देता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक समूहों तथा आम नागरिकों को जोड़ने का प्रयास किया गया है। कुलगाम सहित कई क्षेत्रों में विभिन्न समुदायों द्वारा इस अभियान को समर्थन दिया जाना इस बात का संकेत है कि नशे जैसी समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। वास्तव में नशे का सबसे दुखद और भयावह प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। युवा जीवन ऊर्जा, सृजन और सपनों का प्रतीक होता है, किंतु नशा इन सभी संभावनाओं को नष्ट कर देता है। एक बार नशे की गिरफ्त में आने के बाद व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी शारीरिक क्षमता, मानसिक संतुलन, आर्थिक स्थिति और सामाजिक प्रतिष्ठा खोने लगता है। उसका आत्मविश्वास कमजोर पड़ जाता है और वह अवसाद, तनाव तथा अपराध की दुनिया की ओर बढ़ सकता है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है। परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं और सामाजिक जीवन में अस्थिरता बढ़ती है। नशे

के विस्तार के पीछे केवल तस्करी जिम्मेदार नहीं है। इसके सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। बेरोजगारी, भविष्य की अनिश्चितता, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, पारिवारिक तनाव, सामाजिक विघटन, अकेलापन, मानसिक अवसाद और गलत संगति युवाओं को नशे की ओर धकेलती है।

आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति ने भी कृत्रिम सुख और त्वरित आनंद की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। जब जीवन में लक्ष्य, दिशा और सकारात्मक प्रेरणा का अभाव होता है, तब व्यक्ति नशे जैसे विनाशकारी विकल्पों की ओर आकर्षित हो सकता है। नशे और अपराध का संबंध भी अत्यंत गहरा है। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि चोरी, लूट, हिंसा, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों के पीछे नशे की भूमिका बढ़ती जा रही है। नशे की डोज प्राप्त करने के लिए युवा अपराध की राह पर उतर जाते हैं।

इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है और समाज में असुरक्षा का वातावरण बनता है। सरकारें इस चुनौती से निपटने के लिए अनेक स्तरों पर प्रयास कर रही हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल तथा राज्य पुलिस की संयुक्त कार्रवाइयों से कई बड़े ड्रग नेटवर्क ध्वस्त किए गए हैं। पंजाब, राजस्थान, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में विशेष अभियान चलाकर तस्करों पर शिकंजा कसा गया है। इस संदर्भ में सामाजिक और आध्यात्मिक आंदोलनों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। कानून भय पैदा कर सकता है, लेकिन जीवन में सकारात्मक परिवर्तन केवल जागरूकता और आत्मानुशासन से ही आता है। आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नशामुक्ति को एक व्यापक सामाजिक अभियान का स्वरूप दिया था। उन्होंने संयम, सदाचार और आत्मनियंत्रण के आधार पर लाखों लोगों को व्यसनमुक्त जीवन की प्रेरणा दी। अनेक क्षेत्रों में उनके अभियान ने उल्लेखनीय परिणाम दिए। आचार्य महाश्रमण ने भी अपनी ऐतिहासिक अहिंसा यात्रा के दौरान भारत और प?ौसी देशों में लाखों लोगों को नशा त्यागने की प्रेरणा दी। उनकी पदयात्राओं का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य समाज में नैतिक चेतना जगाना और युवाओं को व्यसनमुक्त जीवन की ओर प्रेरित करना रहा। हजारों किलोमीटर की यात्राओं में उन्होंने गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों को यह संदेश दिया कि नशामुक्ति केवल स्वास्थ्य की सुरक्षा नहीं, बल्कि आत्मविकास, पारिवारिक सुख और राष्ट्र निर्माण का आधार है। आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के विरुद्ध बहुआयामी रणनीति अपनाई जाए। सीमाओं पर निगरानी और तकनीकी सुरक्षा को और मजबूत किया जाए। ड्रोन के माध्यम से होने वाली तस्करी को रोकने के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग ब?ाया जाए। नशा तस्करों के विरुद्ध त्वरित न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए ताकि अपराधियों में कानून का भय पैदा हो। स्कूलों और कॉलेजों में नशा विरोधी शिक्षा को नियमित पाठ्यक्रम और गतिविधियों का हिस्सा बनाया जाए। युवाओं के लिए रोजगार, खेल, कौशल विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों के अवसर ब?ाए जाएं ताकि उनकी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में प्रवाहित हो सके। इसके साथ ही पुनर्वास केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता में भी सुधार आवश्यक है।

आज पंजाब, जम्मू-कश्मीर और अन्य प्रभावित राज्यों के लिए नशामुक्ति केवल सामाजिक सुधार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण का विषय बन चुका है। यह लड़ाई केवल सरकार या पुलिस नहीं जीत सकती। परिवार, विद्यालय, धार्मिक संस्थाएं, सामाजिक संगठन, मीडिया और जागरूक नागरिकों को मिलकर इसे जनआंदोलन बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से सफलता प्राप्त की, उसी प्रकार नशामुक्त भारत का सपना भी सामूहिक संकल्प और निरंतर प्रयासों से ही साकार हो सकता है। भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी संपदा है। यदि यह शक्ति नशे की गिरफ्त में चली गई तो राष्ट्र की प्रगति बाधित होगी, लेकिन यदि इसे स्वस्थ, संस्कारित, जागरूक और लक्ष्यनिष्ठ बनाया गया तो भारत विश्व के सामने एक नई शक्ति के रूप में उभरेगा। इसलिए नशे के विरुद्ध संघर्ष केवल एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। शुक्रवार को माँग की सुस्तता के चलते दलहनों में चना बाजार नरमी के रहे। तुअर और मूंग में सुस्ती रही। खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन सुस्त ही रहा। किराना जिंसों में नारियलों में टिकाव रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में पूछपरख ठंडी रहने से बाजार सुस्ती के देखे गये। चना बढ़िया मालों में 6100-6150 रू. प्रति क्विंटल बोला गया। तुअर और उड़द में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में आंशिक स्ती रही। तिलहनों में भी बाजार बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4210-4275, खोपरा गोला 380-425, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (320) 950-1000, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2300-2350, (250) 2600-2650

तेल- सींगदाना 1580-1600, मुम्बई 1620, राजकोट तेलिया 2500, सोया साल्वेंट 1415-1420, सोया रिफाइंड 1485-1490, कपास्या 1500, धूलिया 1505, कड़ी 1510,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1580, मुम्बई पाम 1495, मुम्बई सोया 1510,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8300, रायडा 6800-7200, सोयाबीन 6800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6100-6150, एवरेज 6000-6050, विशाल 6050-6100, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 5900-6000, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7300-7400, मूंग पुराना बोल्ड 7900-8100, मीडियम 7600-7800, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7200-7300, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2475, लोकवन एवरेज 2600-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2050-2100, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। दोनों कीमती धातुओं में बाजार आंशिक नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे =

चाँदी (9999) 249000, चाँदी (99) 248900, टंच 248500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 150200.

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 77 अंकों की गिरावट के साथ ही 94.97 पर बंद हुआ। आज सुबह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति निर्णय से पहले रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.63 पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.72 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 95.63 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की मजबूती दिखाता है। रुपया गुरुवार को दो पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.74 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की बढ़त के साथ 99.41 पर रहा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 116, निफ्टी 49 अंक गिरा

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजार से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसकी कारण दिन भर कर के कारोबार के बाद 30शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 116.67 अंक नीचे आकर 74243.34 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 49.85 अंकों की गिरावट के साथ ही 23366.7 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एक समय पर सेंसेक्स करीब 355 अंक उछलकर 74,717.57 के स्तर पर पहुंच गया था पर इसके बाद अचानक ही इसमें गिरावट आने लगी। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के जिन शेयरों में अच्छी खरीदारी रही। वे हैं अडानी पोर्ट, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक

और एमएंडएम। वहीं दूसरी ओर टाटा स्टील, टीसीएस और एचसीएल टेक के शेयरों मे गिरावट रही जबकि निफ्टी के साथ ही मिड और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली हावी रही। इस कारण निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.37 फीसदी नीचे आ गयाजबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.13 फीसदी गिरा। आज कारोबार के दौरान अधिकतर इंडेक्स लाभ के साथ बंद हुए। आज सबसे ज्यादा खरीदारी निफ्टी मीडिया में रही और यह करीब 3.50 फीसदी तक ऊपर आया। इसके अलावा निफ्टी ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, पीएसयू बैंक, निजी बैंक, रियल्टी, हेल्थकेयर और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स के शेयर भी लाभ के साथ बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी मेटल इंडेक्स करीब 1.50 फीसदी और निफ्टी आईटी करीब एक फीसदी गिरा। बाजार जानकारों के अनुसार ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत को लेकर संशय के बची ही विदेशी निवेशकों के बाजार से दूरी बनाने के अलावा आरबीआई के आर्थिक विकास दर के कम होने और महंगाई बढ़ने की आशंका से भी बाजार गिरा है।

आने वाले महीनों में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और तेल की सप्लाई को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच कच्चे तेल की कीमतों में फिर उछाल आने का खतरा बढ़ गया है। इसका असर सिर्फ ईंधन की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था की रफ्तार पर भी पड़ सकता है। एक ब्रोकरेज फर्म ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए ब्रेंट क्रूड के औसत भाव का अनुमान 80 डॉलर प्रति बैरल से बढ़ाकर 90 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है। हालांकि कंपनी का कहना है कि वित्त वर्ष की चौथी तिमाही तक कीमतें घटकर करीब 75 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकती हैं, लेकिन फिलहाल बाजार में जोखिम काफी ज्यादा बना हुआ है। कीमतें गिरीं, लेकिन खतरा टला नहीं है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड का भाव 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। बाद में अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीद में कीमतों में करीब 25 फीसदी की गिरावट आई। लेकिन फर्म का कहना है कि कीमतों में यह गिरावट पूरी तस्वीर नहीं दिखाती। असल समस्या यह है कि वैश्विक तेल बाजार में सप्लाई और मांग का संतुलन अभी भी दबाव में है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में जमा तेल का भंडार तेजी से कम हो रहा है। कई देशों ने आपातकालीन भंडार का इस्तेमाल किया है, जबकि कुछ देशों ने अपने पुराने स्टॉक बाजार में उतारे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि जून के आखिर या जुलाई की शुरुआत तक वैश्विक तेल भंडार ऐसे स्तर पर पहुंच सकता है, जहां बाजार में किसी भी नई बाधा का बड़ा असर दिख सकता है।

10 महीनों में लागू होंगे 9 मुक्त व्यापार समझौते

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार अगले 10 महीनों में पिछले तीन वर्षों के दौरान किए गए नौ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को लागू करने की तैयारी में है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इन समझौतों से भारत की वैश्विक व्यापारिक पहुंच बढ़ेगी और देश दुनिया के सबसे भरोसेमंद विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरेगा। मुंबई में आयोजित सिटी 2026 इंडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि ओमान के साथ एफटीए 1 जून से लागू होने के बाद अगले छह महीनों में दो से तीन और महत्वपूर्ण व्यापार समझौते प्रभावी हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में जिन नौ एफटीए पर हस्ताक्षर किए गए हैं, उनमें 38 विकसित अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं। ये देश भारत के प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि उसकी आर्थिक वृद्धि के सहयोगी और पूरक हैं। गोयल ने कहा कि वैश्विक कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन कर रही हैं और इस प्रक्रिया में भारत सबसे विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में लगभग 50 अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ उनकी चर्चा हुई, जिनमें से अधिकांश ने भारत को सुरक्षित, स्थिर और भरोसेमंद निवेश गंतव्य बताया। उनके अनुसार दुनिया भारत को केवल एक बड़े बाजार के रूप में नहीं बल्कि वैश्विक विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में देख रही है। इसी दृष्टि को आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने 3.5 अरब डॉलर की लागत से 100 औद्योगिक पार्क विकसित करने का कार्यक्रम शुरू किया है। इन पार्कों में उद्योगों को भूमि, बिजली-पानी, श्रमिक आवास, पर्यावरणीय मंजूरियां और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। गोयल ने कहा कि सरकार अब केवल नियामक की भूमिका तक सीमित नहीं है, बल्कि उद्योगों और निवेशकों के लिए सुविधाप्रदाता की भूमिका निभा रही है। इससे भारत में निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन थोड़ा चुनौती भरा रह सकता है। किसी भी काम में दूसरों की सलाह पर आंख बंद करके भरोसा करना नुकसान दे सकता है। पैसों से जुड़ा कोई फैसला सोच-समझकर लें, वरना बाद में पछताना पड़ सकता है। सरकारी कामों के कारण भागदौड़ बढ़ेगी और सेहत भी थोड़ा परेशान कर सकती है। आसपास के लोगों की असली नीयत पहचानना जरूरी होगा। हालांकि संतान की सफलता देखकर दिल को सुकून जरूर मिलेगा।

वृषभ- आज का दिन मस्ती और खुशियों से भरा रहेगा। दोस्तों के साथ बिताया गया समय आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएगा। लेकिन कामों में लापरवाही नुकसान दे सकती है। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करना परिवार का माहौल बिगाड़ सकता है, इसलिए खुद को शांत रखें। बड़े बुजुर्गों का सहयोग मिलेगा। संतान की संगति पर ध्यान देना जरूरी होगा। वहीं सिंगल लोगों के लिए दिल खुश करने वाली मुलाकात के योग हैं।

मिथुन- आज का दिन सामान्य लेकिन संतुलन वाला रहेगा। खर्च और कमाई दोनों को समझदारी से संभालना होगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर महसूस होगी। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। किसी सहकर्मी की बात दिल को चुभ सकती है, इसलिए भावनाओं पर थोड़ा कंट्रोल रखें। ऑफिस में अपनी निजी बातें शेयर करने से बचना बेहतर रहेगा।

कर्क- विद्यार्थियों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है। मेहनत का पूरा फल मिलेगा और पढ़ाई में मन खूब लगेगा। पुराने कर्ज उतारने की दिशा में भी अच्छी प्रगति होगी। लंबे समय से रुका सरकारी काम पूरा हो सकता है। बिजनेस पार्टनरशिप में थोड़ा संभलकर चलें, क्योंकि बहस होने की संभावना है। जीवनसाथी हर कदम पर आपका साथ निभाते नजर आएंगे।

सिंह- आज का दिन आपके लिए नई उम्मीदें लेकर आएगा। काम के क्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और लोग आपकी तारीफ करेंगे। नौकरी से जुड़ा कोई अचानक सफर करना पड़ सकता है। अगर किसी काम को लेकर मन में शंका हो, तो जल्दबाजी बिल्कुल न करें। घर में नए मेहमान के आने से खुशियों का माहौल बनेगा। संतान को किसी कोर्स या परीक्षा में सफलता मिलने की संभावना है।

कन्या- आज आपके अंदर गजब की ऊर्जा देखने को मिलेगी। नए काम की शुरुआत करने के लिए दिन शानदार है। रुके हुए काम भी तेजी से पूरे होंगे। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में कोई नया पद या जिम्मेदारी मिल सकती है। लेकिन अपने आसपास मौजूद छिपे विरोधियों को पहचानना जरूरी होगा। परिवार के किसी बड़े सदस्य की सेहत को लेकर सतर्क रहें।

तुला- आज पैसों के मामले में दिन अच्छा रहेगा। इनकम बढ़ने से मन खुश रहेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। यात्रा या घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी हाथ लग सकती है। पिताजी की कोई बात दिल को थोड़ी ठेस पहुंचा सकती है। जीवनसाथी आपका पूरा साथ देंगे, हालांकि उनके काम को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलने की उम्मीद फिलहाल कम नजर आ रही है।

वृश्चिक- आज प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई बड़ा फैसला आपके पक्ष में जा सकता है। आत्मविश्वास के साथ काम करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। बातचीत में शब्दों का चयन सोच-समझकर करें। कार्यक्षेत्र में आपकी तारीफ होगी और प्रमोशन की चर्चा भी हो सकती है। वाहन चलाते समय सावधानी रखें और किसी दूसरे का वाहन मांगकर चलाने से बचें।

धनु- आज सिंगल लोगों के लिए दिल खुश करने वाला दिन साबित हो सकता है। किसी खास इंसान से मुलाकात होने के योग हैं। खर्चों पर कंट्रोल रखना जरूरी होगा। पुरानी गलती अचानक सामने आ सकती है, इसलिए सतर्क रहें। मन की कोई इच्छा पूरी होने से खुशी मिलेगी। निवेश करने से पहले अनुभवी लोगों की सलाह जरूर लें। बिजनेस में फिलहाल बड़े बदलाव करने से बचें।

मकर- आज हर कदम सोच-समझकर उठाने की जरूरत है। विद्यार्थियों को मानसिक दबाव से राहत मिलेगी। किसी पुराने फैसले को लेकर मन में बेचैनी बनी रह सकती है। परिवार में चल रही गलतफहमियों को खत्म करने की जिम्मेदारी आपको उठानी पड़ सकती है। विरोधी परेशान करने की कोशिश करेंगे, लेकिन नई नौकरी या नए अवसर मिलने की संभावना भी मजबूत है।

कुंभ- आज आपका मन पूजा-पाठ और धार्मिक कार्यों में खूब लगेगा। किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। ऑफिस में बॉस की बातों को हल्के में लेना नुकसान दे सकता है। आपकी कार्यक्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। पुराने मित्र से मुलाकात दिल खुश कर देगी। घर-परिवार के कामों पर भी ध्यान देना जरूरी होगा। घर के रिनोवेशन या सजावट की शुरुआत करने का मन बना सकते हैं।

मीन- आज आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और लोग आपकी तारीफ करते नजर आएंगे। जीवनसाथी की ओर से कोई प्यारा सरप्राइज मिल सकता है। पैसों के लेन-देन से जुड़ा मामला तनाव बढ़ा सकता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में ज्यादा ध्यान लगाने की जरूरत है। कुछ काम आखिरी समय पर बिगड़ सकते हैं, जिससे मन थोड़ा परेशान रहेगा।

शब्दजाल - 8281

शब्द जाल में महाराष्ट्र के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अहमदनगर, अमरावती, नागपुर, वर्धा, बुलढाणा, लातूर, नांदेड़, कोल्हापुर, सांगली, परभणी

शब्दजाल - 8280 का हल

दैनिक पंचांग

6 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.55 बजे से
चंद्र	मकर में	कर्क	08.08 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.24 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.36 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.47 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.01 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.17 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.23 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.09 बजे से
राहुकाल		मीन	00.42 बजे से
9.00 से 10.30		मेष	02.12 बजे से
बजे तक		वृष	03.52 बजे से

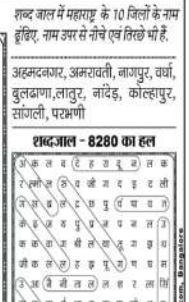

शनिवार 2026 वर्ष का 157 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि षष्ठी 02.42 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 06.04 बजे को समाप्त।
योग इन्द्र 10.05 बजे को समाप्त।
करण गर 14.05 बजे तदनन्तर वणिज 02.42 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 20.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 38'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872732
जुलियन दिन 2461197.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 20

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभस्य श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सच्चा सम्राट

ज्योतिष विद्या का एक प्रकांड पंडित एवं छाया शास्त्री कहीं से गुजर रहा था। रास्ते में उसे एक जगह पदचिह्न दिखाई पड़े। वह यह देखकर दंग रह गया कि ये पदचिह्न किसी चक्रवर्ती सम्राट के हैं। सामुद्रिक लक्षण जानने वाले उस ज्योतिषी ने सोचा- एक चक्रवर्ती सम्राट, इस रास्ते से! वह भी नंगे पैर। सम्राट यदि जाए तो सवारी पर जाए एवं साथ में सेना हो, हजारों आदमियों से घिरा हो, किंतु यह पदचिह्न तो एक ही व्यक्ति के हैं। क्या मेरा ज्योतिष मुझे धोखा दे रहा है? क्या मेरी बुद्धि मारी गई है? उस ज्योतिषी ने उन पदचिह्नों का पीछा किया। इस तरह वह वहां पहुंच गया जहां एक भिक्षुक ध्यान लगाए बैठा था। ज्योतिषी ने थोड़ी देर इंतजार किया। भिक्षुक जब ध्यान से उठा तब ज्योतिषी ने कहा, 'लगता है आज मेरा ज्योतिष झूठा पड़ गया है। ये पदचिह्न तो किसी सम्राट के हैं और आप एक भिक्षुक हैं।' वह भिक्षुक और कोई नहीं, भगवान महावीर थे। ज्योतिषी की बात सुनकर उन्होंने पूछा, 'राजा की क्या पहचान है?' ज्योतिषी ने उत्तर दिया, 'राजा अकेला नहीं होता है, लेकिन यहां आपके सिवाय कोई नहीं है।' महावीर ने कहा, 'नहीं, ध्यान रूपी पिता मेरे साथ हैं, अहिंसा रूपी माता और ब्रह्मचर्य रूपी भाई, अनासक्ति रूपी बहन, शांति रूपी पत्नी, विवेक रूपी पुत्र और क्षमा रूपी पुत्री, सभी तो हमारे साथ सदैव रहते हैं। सत्य रूपी मित्रों से मैं घिरा रहता हूं तो फिर अकेला कैसा?' ज्योतिषी ने कहा, 'अब मुझे समझ में आया कि सामुदिक लक्षण केवल बाहरी चीजों पर ही आधारित नहीं होते। मनुष्य में बहुत सारी संभावनाएं छिपी हुई हैं। वह अगर उनका सदुपयोग करता है तो सच्चा सम्राट बन जाता है। राजा की सेना तो सीमित होती है, लेकिन शुभ तरंगें सेना से भी दूर तक फैली रहती हैं।' ज्योतिषी ने नतमस्तक होकर कहा, 'स्वामी आपका ही वास्तविक राज्य है। मेरा ज्योतिष सार्थक हो गया। मुझे आप जैसे सच्चे सम्राट के दर्शन हो गए।'

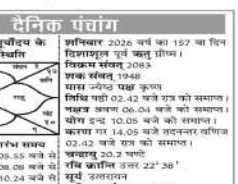

फिल्म वर्ग पहेली - 7225

बायें से दायें:-

१. 'ओंठों में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'मौन तूने तूझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'पायल पायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बाला दे बाला' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'ओ दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7224

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7534

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7533 का हल

शब्द पहेली - 8749

बाएँ से दाएँ

1. तन, शरीर-3
3. चकोर, चंद्रप्रेमी पक्षी-3
6. झगड़ा, द्वेष-3
7. मोटा आटा-2
8. खिंचाव, स्वर विस्तार-2
9. असली, शुद्ध-3
10. यंत्रशाला-4
12. कार्यविधि-3
14. चिंगारी-3
16. एक कंद जिसे सुखा कर सौंठ बनाई जाती है-4
18. दूल्हे की पगड़ी-3
20. सम्मान-2
21. प्राण, जीवन तत्व-2
22. कुशल, होनहार-3
24. राशिचक्र की एक राशि-3
25. प्रेमी, साजन- 3

ऊपर से नीचे

2. अवलोकन, दरस-3
3. चलने का ढंग-2
4. तलघर-4
5. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6. जलजला-3
7. रसीला, रस से भरपूर-4
8. बल, ज़ोर, दम-3
10. चाचा, अंकल-2
11. शौहर, पति-3
13. 'दीवाने हुए पागल' की नायिका-2, 2
14. वहम, संदेह-3
15. राजा, सम्राट-3
16. उपद्रवी, आतंकी-4
17. गिरवी रखी वस्तु-3
20. बैठने की जगह-3
21. शराब का प्याला-2
23. रांझे की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8748 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

वन विभाग ने काष्ठागार डिपो में विधायक करीहे की उपस्थिति में लगाया एक पेड़ मां के नाम

पद्मेश न्यूज। लांजी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन विभाग लांजी के द्वारा 5 जून को वन विभाग के काष्ठागार डिपो क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आईये हम सब मिलकर प्रकृति का मान बढ़ाऐं एक पेड़ मां के नाम लगाये थीम पर आयोजित इस संपूर्ण कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक राजकुमार करीहे के द्वारा एक पेड़ मां के नाम रोपित कर हरित भविष्य का संदेश क्षेत्र वासियो को दिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में विधायक राजकुमार करीहे, एसडीएम कमल चंद सिंहसार, उपवनमण्डलाधिकारी (उत्पादन) हेमन्त सोलंकी, भाजपा मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, गौरव बैस, तुकाराम बारेकर सहित वन विभाग लांजी से वन परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकार, पायल राजावल, धीरसिंह मवासे, कुंजीलाल धुर्वे सहित विभाग डिप्टी, वनक्षेत्रपाल, वन रक्षक, संपूर्ण अमला उपस्थित रहा। एक पेड़ मां के नाम अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुये विधायक राजकुमार करीहे ने कहा कि भारत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृत्व के सम्मान को बढ़ावा देना है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मां के नाम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए। वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण देने के लिए वृक्षारोपण आवश्यक है। विश्व पर्यावरण दिवस पर हम सभी को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। एक पेड़ मां के नाम अभियान केवल पौधारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि मातृत्व, प्रकृति और पर्यावरण के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक प्रेरणादायक प्रयास है। आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत वृक्षारोपण करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। पर्यावरण संरक्षण यह केवल सरकार या किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हम सभी का सामूहिक दायित्व है। जिस प्रकार हमारी माँ हमें जीवन देती है, उसी प्रकार वृक्ष भी हमें शुद्ध वायु, जल संरक्षण, छाया और जीवन के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान करते हैं। मैं क्षेत्र के सभी नागरिकों, युवाओं, विद्यार्थियों और सामाजिक संगठनों से आग्रह करता हूँ कि वे पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाएं और अपनी माँ के सम्मान में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं। आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और हरित वातावरण देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, बढ़ता प्रदूषण, जंगलों की कटाई और जल संकट जैसी चुनौतियाँ हमारे सामने हैं। इन समस्याओं का सबसे सरल और प्रभावी समाधान अधिक से अधिक वृक्षारोपण तथा उनका संरक्षण है। केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक उनकी देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है। आइए, हम सभी मिलकर प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लें और हरियाली बढ़ाकर अपने क्षेत्र को पर्यावरण की दृष्टि से समृद्ध बनाएं। इसी क्रम में वन विभाग के अधिकारियों के द्वारा भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुये वृक्षो के संरक्षण का संकल्प लिया तथा सभी क्षेत्र वासियों से पौधे लगाने एवं उनके संरक्षण करने के लिये आग्रह किया गया।

विधायक निधी से प्रदान की जायेगी 5 लाख रूपये की राशि

कार्यक्रम के अन्तर्गत क्षेत्रीय विधायक ने जहां पौधा रोपण कर हरित भविष्य का संदेश प्रदान किया वहीं वन विभाग को भी एक सौगात विधायक निधि के रूप में दी गई है। आपने वन विभाग को 5 लाख रूपये की राशि प्रदान करने की घोषणा की गई है जो कि वन विभाग अन्तर्गत कैंपेस के सौन्दर्यीकरण हेतु उपयोग में लाई जायेगी। इस सौगात पर वन विभाग लांजी के द्वारा विधायक राजकुमार करीहे का आभार व्यक्त किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एकल अभियान संच लांजी ने वृक्षारोपण कर दिया हरियाली का संदेश

पद्मेश न्यूज। लांजी। एकल अभियान संच लांजी ने विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत संभाग महाकौशल, भाग सतपुड़ा, अंचल बालाघाट के अंतर्गत तीन गांवों सुलसुली, घोटी एवं पौसेरा के विद्यालयों में वृक्षारोपण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस कार्यक्रम में स्थानीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए विद्यार्थियों, शिक्षकों, ग्रामवासियों तथा एकल अभियान के कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से पौधे रोपे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाना और वृक्षारोपण को जन-आंदोलन बनाने का था।

कार्यक्रम में संच समिति के पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति रही। संच समिति अध्यक्ष झनकार किरनापुरे, उपाध्यक्ष विशाल खोंगल, सचिव परमेश्वर कुंभे, महिला संच समिति अध्यक्ष श्रीमती वीणा उपराड़े तथा अन्य महिला पदाधिकारी श्रीमती दुर्गा रामटेकर, श्रीमती पद्मवी खरगाल, श्रीमती श्यामा मुरकुटे एवं श्रीमती लक्ष्मी किरनापुरे विशेष रूप से उपस्थित रहीं। अंचल सेवावृती कार्यकर्ताओं में दुर्योधन लिल्हारे (अभियान प्रमुख), श्याम दुफारे (अंचल व्यास) एवं कमल लिल्हारे (संच प्रमुख) ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं, ग्राम समिति सदस्यों तथा स्थानीय नागरिकों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। उन्होंने संदेश दिया कि वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की सुरक्षा का एक निरंतर अभियान है। कार्यक्रम पूरे उत्साह, जागरूकता और सामाजिक सहभागिता के साथ संपन्न हुआ।

सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ की बैठक 8 को

पद्मेश न्यूज। लांजी। म.प्र.सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ लांजी की विशेष बैठक 8 जून को अपराह्न 3 बजे से पुर्वाटोला मार्ग स्थित पुराना रेंज आफिस में आयोजित की गई है। बैठक में वन अधिकारी कर्मचारी, दैनिक वेतनभोगी, सुरक्षा श्रमिकों, फायरवाचरों, सेवा निवृत समस्त अधिकारी, कर्मचारी, मजदूर आदि की समस्याओं का निराकरण हेतु चर्चा की जाएगी। म.प्र.सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ लांजी के अध्यक्ष देवेन्द्र पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामप्रसाद चौरवाडे, सी एल दमाहे, बाबूलाल पारधी, गंगाधर तरोने, नाथूराम सोनवाने, श्यामलाल पाण्डे आदि ने सभी सेवा निवृत कर्मचारियों को बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

लाड़सा में आग लगने से घर गृहस्थी का सामान जलकर हुआ राख

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी अन्तर्गत ग्राम लाड़सा में 5 जून को तड़के सुबह ग्राम पंचायत के सामने स्थित अभय ढोंगे के मकान में

अज्ञात कारणो से आग लग गई। आग इतनी भयावह थी की जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक घर गृहस्थी की सामग्री जलकर राख हो चुकी थी। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार लाड़सा निवासी अभय ढोंगे के घर में सुबह सुबह किन्ही कारणो से आग लगने की जानकारी प्राप्त हुई, आस पडोस के लोगो के द्वारा घरो से मोटर पंप चालू कर आग पर काबू पाने की कोशिश की गई वही घटना स्थल पर मौजूद दीपांकर भार्गव के द्वारा नगर परिषद फायर ब्रिगेड का सूचना दी गई, फायर ब्रिगेड भी तत्काल मौके पर पंहुचकर सभी ग्रामीण जनो की सहायता से आग पर काबू पाया गया। लेकिन जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक अजय ढोंगे के घर गृहस्थी का सामग्री जलकर राख हो चुकी थी जिससे काफी बड़ी मात्रा में आर्थिक नुकसार हुआ है। वहीं ग्रामीण जनो एवं फायर ब्रिगेड की सहायता से समय रहते आग पर काबू नही पाया जाता तो निश्चित रूप से आस पड़ोस के मकानों तक आग पंहुच जाती और बडी जान माल के नुकसान होने की संभावना व्यक्त कि जा रही थी लेकिन ग्रामीणो की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। मकान मालिक एवं स्थानीय लोगो के द्वारा उक घटना की सूचना राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन को दी गई। संभवतः राजस्व विभाग के द्वारा मौका स्थल पर पंहुचकर पंचनामा कार्यवाही की गई होगी।

नगर परिषद ने वार्ड क्रमांक 13 में किया एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण

पद्मेश न्यूज। लांजी। विश्व पर्यावरण दिवस पर लांजी क्षेत्र में अनेको स्थानों पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अन्तर्गत पौधे रोपित कर पर्यावरण दिवस मनाया गया। इसी कड़ी में लांजी नगर परिषद के द्वारा नगर के वार्ड क्रमांक 13 में एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले, उपाध्यक्ष संदीप रामटेकर, सभापति दिनेश कच्छवाहे, किशोर किशोर रामटेकर पार्षद मुकेश रणदीवे, मनोनीत पार्षद आलोक चौरसिया एवं अविनाश रेंच तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी मयूर वाहने तथा वार्ड के गणमान्य नागरिक गण उपस्थित रहे। नगर परिषद लांजी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों के द्वारा वार्ड में बेल, आंवला, नीम, जामुन एवं कनेर के पौधों सहित अन्य प्रजातियों के पौधो का रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। साथ ही सभी नगर वासियों से आग्रह किया गया है वे अपने अपने घरो में एक पेड़ माँ के नाम अवश्य लगाये तथा पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करें। इस दौरान

नगर परिषद लांजी के अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

एनसीसी कैडेट्स ने भी किया वृक्षारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर परिषद के द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में 6 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी बालाघाट के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता के निर्देशन में साकेत पब्लिक स्कूल के एनसीसी ग्रुप ने भी अनेको प्रजातियों के वृक्षो का रोपण किया साथ ही उन पौधों की देखरेख तथा उन्हें जीवित रखने का संकल्प एनसीसी ग्रुप के सभी कैडेट्स ने लिया।

बाला साहब शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कारंजा में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को ग्राम कारंजा स्थित बाला साहब शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम शाला के प्रभारी प्राचार्य आर.के. चौधरी की उपस्थिति एवं इको क्लब प्रभारी मनोज नगपुरे के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में अशोक के पौधों का रोपण किया गया। साथ ही पौधों की सुरक्षा एवं नियमित देखभाल के लिए विद्यार्थियों और शिक्षकों को जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने का संकल्प भी दिलाया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि पर्यावरण की रक्षा केवल एक दिन का संकल्प नहीं, बल्कि जीवनभर निभाई जाने वाली जिम्मेदारी है। पौधारोपण के साथ-साथ उनकी देखरेख करना भी प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। कार्यक्रम में शिक्षकगण एल.सी. मच्छिरके, जितेंद्र बागड़े, संतोष उईके, प्रजल टेंभरे, चित्रीव नगपुरे, अशोक रामटेके, टीकाराम मस्के, कु. कौशल्या दशहरे, श्रीमती एस. रिनायत, श्रीमती भूमेश्वरी येरपुडे एवं कल्पना आस्टकर सहित विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के समापन पर प्रभारी प्राचार्य आर.के. चौधरी ने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण

की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि स्वच्छ हवा, हरियाली और सुरक्षित भविष्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना होगा। सभी ने संकल्प लिया कि वे पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करेंगे और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित, स्वच्छ एवं स्वस्थ धरती के निर्माण में अपना योगदान देंगे।

भरतलाल तिड़के का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मनेरी फाटक लांजी वार्ड नंबर 10 निवासी व नगर परिषद लांजी से सेवा निवृत भरतलाल तिड़के का 72 वर्ष की आयु में 5 जून को अपराह्न 3 बजकर 05 मिनट पर निधन हो गया। आप अपने पीछे दो पुत्र नितिन तिड़के, निलेश तिड़के व तीन पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। इनका अंतिम संस्कार आज 6 जून को सुबह 10बजे कोटेश्वर मोक्षधाम में किया जाएगा। इनके निधन पर सामाजिक बंधुओं, परिजनों, नाते रिश्तेदारों ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विश्व पर्यावरण दिवस पर किया वृक्षारोपण

पद्मेश न्यूज। लांजी। विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर लांजी क्षेत्र में विभिन्न संगठनों के द्वारा वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। पर्यावरण संरक्षण और हरित आंदोलन को बल देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयं सेवकों कोटेश्वर बस्ती प्रौढ़ व्यवसायी शाखा के द्वारा 5 जून को सुबह 7 बजे सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में पौधरोपण किया। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संतोष मोरघड़े जिला सहप्रचार प्रमुख, विजय रामटेकर खंड संघ चालक, योगेन्द्र दहीकर खंड कारवाह, अरूण आस्टकर बौधिक प्रमुख, रमेश वाकले प्रयावरण प्रमुख, सुखपाल भरें सद्भाव प्रमुख, अमित हेजिब सह पर्यावरण प्रमुख, दिनेश रामटेकर शाखा प्रमुख, रेकचंद बिहोने, नरेश आसटकर, प्रवीण बैस, सुशील रामटेकर व अन्य सदस्यों के अलावा राष्ट्र सेविका समिति की बालिकाएं उपस्थित रहीं।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मीनाक्षी को राज्यसभा प्रत्याशी बनाने का विरोध शुरू

दिग्विजय समर्थक ज्ञानचंदानी ने राहुल-प्रियंका को लिखा-क्रॉस वोटिंग का खतरा है, फिर भी आप बड़ी गलती कर रहे

भोपाल। मध्य प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस द्वारा मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद पार्टी के भीतर असंतोष के सुर मुखर हो गए हैं। अब मीनाक्षी का खुलकर विरोध शुरू हो गया है। भोपाल की हुजूर विधानसभा सीट से कांग्रेस के दो बार प्रत्याशी रह चुके वरिष्ठ नेता नरेश ज्ञानचंदानी ने आलाकमान के इस फैसले पर खुलकर आपत्ति दर्ज कराई है। वहीं दूसरी तरफ, इस अंदरूनी कलह पर भाजपा ने भी चुटकी लेते हुए बड़ा हमला बोला है।

नरेश ज्ञानचंदानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए सीधे कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व को घेरा। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को टैग करते हुए लिखा कि मध्य प्रदेश से राज्यसभा उम्मीदवार के चयन में पार्टी से बड़ी चूक हुई है। ज्ञानचंदानी के मुताबिक उन्होंने पहले भी पार्टी नेतृत्व को संदेश भेजकर आगाह किया था कि राज्यसभा उम्मीदवार का चयन बेहद सोच-समझकर किया जाए, क्योंकि प्रदेश में क्रॉस वोटिंग का खतरा मंडरा रहा है।

दिग्विजय सिंह होते तो सुरक्षित रहती सीट

ज्ञानचंदानी ने अपने पोस्ट में पुरजोर वकालत करते हुए दावा किया कि यदि वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह को दोबारा राज्यसभा उम्मीदवार बनाया जाता, तो पार्टी की यह सीट पूरी तरह सुरक्षित रहती। उनके अनुसार, दिग्विजय सिंह की प्रदेश के विधायकों पर मजबूत पकड़ है। वर्तमान परिस्थितियों में मीनाक्षी नटराजन के नाम पर सहमति न बनने के कारण कांग्रेस को क्रॉस वोटिंग का भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। कांग्रेस के इस अंदरूनी घमासान पर तंज कसने में बीजेपी ने भी देर नहीं लगाई। बीजेपी के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर इस कलह को लेकर एक ट्वीट किया। उन्होंने लिखा- कांग्रेस का यह घमासान हैरान नहीं करता, क्योंकि अंतर्कलह और गुटबाजी ही कांग्रेस का असली चरित्र है। जब पार्टी के अपने ही वरिष्ठ नेता शीर्ष नेतृत्व के फैसलों पर सवाल उठा रहे हैं और खुलेआम क्रॉस वोटिंग की चेतावनी दे रहे हैं, तो साफ है कि कांग्रेस में सिर्फ सिर-फुटौव्वल ही तय है। जो पार्टी अपने विधायकों और नेताओं को एकजुट नहीं रख सकती, वह जनता का विश्वास क्या जीतेगी?

पेपर लीक और एनटीए परीक्षाओं पर श्वेत पत्र करे सरकार

- दिग्विजय सिंह ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर की मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने देश की परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। दिग्विजय सिंह ने परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक और गड़बड़ियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार से पिछले 8 वर्षों के परीक्षा घोटालों पर एक 'श्वेत पत्र' जारी करने की मांग की है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कांग्रेस नेता ने हाल ही में नीट-यूजी 2026 परीक्षा के रद्द होने का विशेष रूप से जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं के बार-बार रद्द होने और टलने की वजह से देश के लाखों छात्रों के बीच अनिश्चितता और मानसिक तनाव लगातार बढ़ रहा है। भविष्य को लेकर युवाओं में भारी निराशा का माहौल है, जिसे दूर करना बेहद जरूरी है।

पुराने घोटालों का जिक्र और पारदर्शिता की मांग

दिग्विजय सिंह ने अपने पत्र में पूर्व की परीक्षाओं का हवाला देते हुए नीट-यूजी 2024 और जीसी-नेट 2024 में सामने आई गड़बड़ियों का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने मांग की है कि इन मामलों में अब तक हुई जांच की वास्तविक स्थिति को सरकार सार्वजनिक करे। केंद्र सरकार पिछले 8 साल में हुए सभी पेपर लीक मामलों और परीक्षा घोटालों का पूरा विवरण देश के सामने रखे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा अब तक की गई कार्रवाई, चार्जशीट और जांच रिपोर्ट का पूरा विवरण जारी किया जाए।

38 हजार कर्मचारियों के सर्विस रिकार्ड की होगी जांच

भोपाल। प्रदेश में 38 हजार कार्यभारित तथा आकस्मिकता से वेतन पाने वाले कर्मचारियों समेत अन्य इन विभागों में काम कर रहे अन्य अधिकारी कर्मचारी के रिटायरमेंट के पहले उनके संपूर्ण सेवाकाल के सर्विस रिकार्ड और वेतन निर्धारण की जांच की जाएगी। अगर किसी को नियम विरुद्ध फायदा पहुंचाया गया है तो ऐसे मामलों में कार्रवाई होगी। ऐसे कर्मचारी प्रदेश के लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल संसाधन विभाग, नर्मदा घाटी विकास विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग में सर्वाधिक हैं जिनकी जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। राज्य सरकार के वित्त विभाग ने इन विभागों में लंबित वेतन निर्धारण, वेतनमान स्वीकृति तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के वेतन संबंधी मामलों के त्वरित निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश जारी किए हैं। वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास और स्कूल शिक्षा विभाग में वेतन निर्धारण से जुड़े मामलों के निपटारे के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि कर्मचारियों के लंबित प्रकरणों का शीघ्र परीक्षण कर उनका निराकरण सुनिश्चित करें। आदेश में कहा गया है कि कई मामलों में वेतनमान, समयमान वेतनमान, क्रमोन्नति और सेवानिवृत्ति लाभों से संबंधित विवादों के कारण कर्मचारियों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए विभागवार विशेष अभियान चलाकर लंबित प्रकरणों का समाधान किया जाएगा।

पुलिस महकमे में बड़ा बदलाव, 8 आईपीएस और 66 राज्य पुलिस सेवा अधिकारियों का तबादला

भोपाल। मध्यप्रदेश लोकायुक्त संगठन में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। भोपाल संभाग में पदस्थ लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक (एसपी) दुर्गेश कुमार राठौर को उनके वर्तमान पद से हटाकर सागर संभाग भेज दिया गया है। उनके स्थान पर रीवा संभाग में पदस्थ एसपी सुनील पाटीदार को भोपाल लोकायुक्त की जिम्मेदारी सौंपी गई है। लोकायुक्त संगठन के महानिदेशक योगेश देशमुख की तरफ से आदेश जारी किया गया है। आदेश में कहा गया है कि आगामी निर्देश तक संबंधित अधिकारियों को नई पदस्थापना पर कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश के मुताबिक, वर्तमान में भोपाल संभाग में पदस्थ दुर्गेश कुमार राठौर को सागर संभाग का लोकायुक्त एसपी बनाया गया है। वहीं सागर संभाग में पदस्थ योगेश्वर शर्मा को रीवा संभाग भेजा गया है। रीवा संभाग के एसपी सुनील पाटीदार को भोपाल संभाग की जिम्मेदारी दी गई है। भोपाल लोकायुक्त के पुलिस कर्मियों के कथित लेनदेन का वीडियो वायरल होने के बाद यह बदलाव के आदेश जारी किए गए हैं। इससे पहले दो डीएसपी की सेवाएं भी लोकायुक्त संगठन से लेकर पुलिस विभाग को सौंप दी गई। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार आईपीएस अधिकारी आयुष जाखड़ को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला जबलपुर बनाया गया है। वे इससे पहले करेरा (जिला शिवपुरी) में एसडीओपी के रूप में पदस्थ थे। आयुष जाखड़ हाल के दिनों में उस मामले को लेकर चर्चा में रहे थे, जिसमें भाजपा नेता प्रीतम लोधी के बेटे के खिलाफ पुलिस में प्रकरण दर्ज किया गया था। इस घटनाक्रम के बाद मामला राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बना रहा। अब उनके तबादले के आदेश के बाद भी इसे लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। गृह विभाग के आदेश के अनुसार वर्ष 2022 बैच के आठ आईपीएस अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इनमें ग्वालियर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनु बेनिवाल को अतिरिक्त पुलिस अधीक्ष जबलपुर, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) लांजी बालाघाट ओमप्रकाश को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, जोन-3 नगरीय पुलिस इंदौर, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बैहर जिला बालाघाट करणदीप को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उज्जैन, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सिंगरौली गौरव पाण्डेय को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतना, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) मिनी शुक्ला को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-2 भोपाल नगरीय पुलिस, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सबगढ़ मुरैना राज कृष्णा को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महू, इंदौर ग्रामीण और नगर पुलिस अधीक्षक धार सुजावल जग्गा को अतिरिक्त पुलिस अधीक्ष ग्वालियर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रदेश सरकार के खजाने में बचेंगे करोड़ों

आईआईटी इंदौर करेगा भोपाल के आबोहवा की निगरानी

भोपाल । राजधानी भोपाल की आबोहवा को साफ और सुरक्षित रखने के लिए मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एक बड़ा और हाईटेक कदम उठाने जा रहा है। दरअसल, अब शहर की वायु गुणवत्ता की निगरानी पारंपरिक और महंगे तरीकों के बजाय आधुनिक सेंसर आधारित तकनीक से की जाएगी। इसके लिए बोर्ड ने आईआईटी इंदौर के साथ अनुबंध किया है, जो कम लागत वाले बेहद प्रभावी एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार कर रहा है। इस नई पहल से न सिर्फ सरकारी खजाने के करोड़ों रुपए बचेंगे, बल्कि शहर के कोने-कोने की हवा का असली हाल भी सामने आ सकेगा।

बता दें कि वर्तमान में भोपाल शहर के केवल तीन प्रमुख क्षेत्रों टीटी नगर, पर्यावरण परिसर और कलेक्ट्रेट में ही रियल टाइम एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम चालू है। महज तीन स्टेशनों के भरोसे पूरे बड़े शहर की हवा का सटीक आंकलन करना बेहद मुश्किल होता है। ऐसे में पहले बोर्ड ने 5 नए पारंपरिक स्टेशन लगाने की योजना बनाई थी, लेकिन एक स्टेशन की लागत करीब ढाई करोड़ रुपए होने के कारण यह बेहद खर्चीला साबित हो रहा था। इसी समस्या को दूर करने के लिए अब आईआईटी इंदौर की मदद ली जा रही है।

करोड़ों की बचत और पोर्टेबल तकनीक

आईआईटी इंदौर द्वारा तैयार किए जा रहे नए सेंसर आधारित सिस्टम बेहद किफायती और एडवांस हैं। पारंपरिक स्टेशन जहां स्थाई होते हैं और भारी-भरकम खर्च मांगते हैं, वहीं ये नए सेंसर पूरी तरह पोर्टेबल और मूवेबल होंगे। यानी इन्हें आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाकर हवा की जांच की जा सकती है। लागत की बात करें तो जहां पुराना एक सिस्टम ढाई करोड़ का था, वहीं नया एक सेंसर सिस्टम मात्र 20 लाख रुपए में तैयार हो जाएगा। भोपाल में ऐसे 20 नए सेंसर लगाने में कुल 4 करोड़ रुपये की लागत आएगी, जिससे करोड़ों की बचत होगी। अगले एक साल में यह काम पूरा कर लिया जाएगा।

यह नया हाईटेक सिस्टम हवा में मौजूद चार सबसे खतरनाक पैरामीटर की लगातार निगरानी करेगा। पीएम 2.5 – हवा में मौजूद बेहद महीन धूल और तरल पदार्थों के कण, जो सांस की बीमारियों और अस्थमा की मुख्य वजह बनते हैं। पीएम 10 – धूल और धातु के सूक्ष्म कण, जो सांस के जरिए शरीर में पहुंचकर सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। कार्बन मोनोऑक्साइड – वाहनों के धुएं से निकलने वाली जहरीली गैस, जिसे यह सिस्टम तुरंत दर्ज करेगा। नाइट्रोजन डाइआक्साइड – यातायात और औद्योगिक गतिविधियों से पैदा होने वाले प्रदूषण का सबसे बड़ा संकेतक।

मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के रीजनल डायरेक्टर नीतेश चौरसिया के अनुसार इस नए मूवेबल सिस्टम का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि शहर के अत्यधिक प्रदूषण वाले हॉट स्पॉट की पहचान तुरंत की जा सकेगी। जब प्रदूषण के सटीक कारणों और इलाकों का समय पर पता चल जाएगा, तो संबंधित विभाग लापरवाही बरतने वालों पर तुरंत आवश्यक कानूनी और सुधारात्मक कार्रवाई कर सकेंगे।

39 वर्षों की गौरवशाली शैक्षणिक सेवा के पश्चात सुरेश प्रसाद मरावी को भावभीनी विदाई

पद्मेश न्यूज। चांगोटोला। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांगोटोला के लोकप्रिय, कर्मठ एवं कर्तव्यनिष्ठ प्राचार्य सुरेश प्रसाद मरावी के सेवानिवृत्ति उपरांत विद्यालय परिवार एवं क्षेत्रवासियों द्वारा एक गरिमामय एवं भावनात्मक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। वर्ष 2009 से 31 मई 2026 तक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांगोटोला में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करते हुए उन्होंने विद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अपने सहज, सरल, विनम्र एवं ईमानदार व्यक्तित्व के कारण श्री मरावी न केवल विद्यार्थियों बल्कि समस्त शिक्षक समुदाय एवं ग्रामीण जनों के बीच अत्यंत सम्मानित रहे हैं। उनके कुशल नेतृत्व, अनुशासित कार्यशैली एवं शिक्षा के प्रति समर्पण का ही परिणाम रहा कि विद्यालय ने बोर्ड परीक्षाओं में लगातार उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त कर क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की। कार्यक्रम का आयोजन सेवानिवृत्त शिक्षक रामसनेही सोनी एवं शिवकुमार सोनी के मुख्य आतिथ्य तथा प्राचार्य श्रीमती मोनिका यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन के साथ किया गया। इसके पश्चात अतिथियों का पुष्पगुच्छ द्वारा स्वागत किया गया तथा विद्यालय परिवार की ओर से सुरेश प्रसाद मरावी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मालती मरावी का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं गणमान्य नागरिकों ने श्री मरावी के साथ बिताए गए वर्षों की स्मृतियों को साझा करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि श्री मरावी ने सदैव शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य किया। उनकी कार्यशैली, ईमानदारी, अनुशासनप्रियता एवं सकारात्मक सोच आने वाली

पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। अपने उद्बोधन में श्री मरावी ने विद्यालय परिवार, विद्यार्थियों एवं ग्रामवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चांगोटोला विद्यालय उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा रहा है। यहां प्राप्त स्नेह, सम्मान और सहयोग को वे जीवनभर नहीं भूल पाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व को समझते हुए निरंतर मेहनत करने एवं अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत चांगोटोला के उपसरपंच जयराम उइके, श्रीमती सहोदरा वरकड़े, श्रीमती कौशल नंदनवार, बिरनलाल मरावी, धर्मेंद्र बिसेन, श्रीमती पार्वती नागभीरे, श्रीमती कविता बिसेन, श्रीमती माहेश्वरी खोबरागड़े, सेवानिवृत्त शिक्षक गोविंद प्रसाद खरे, श्रीमती संध्या रानी कुमरे, जोगेंद्र सिंह नागभीरे, यासीन शाह, झुम्मक पटले, श्रीमती सुनीता पटले, मनोज यादव, सुरेन्द्र हिंग्लजा, अब्दुल सलाम शाह, फैज शाह, रामकृष्ण भौमिक, परसराम राहांगडाले, दिलीप बघेले, महेश एडपाँची, अनिल टेकाम, अशोक उइके, श्रीमति सीमा भारद्वाज, श्रीमती संतोषी राहाँगडाले, राजेंद्र कुकवासे, विनयशील बांगरे, सुरेश वासनिक सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी, अभिभावक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। समारोह का सफल एवं प्रभावशाली मंच संचालन हरीश नाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी जनों ने सुरेश प्रसाद मरावी जी के स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी शुभकामनाओं के साथ विदाई दी। विद्यालय परिवार ने कहा कि शिक्षक सुरेश प्रसाद मरावी जैसे शिक्षाविद् सेवानिवृत्त अवश्य होते हैं, किंतु उनके द्वारा स्थापित आदर्श, संस्कार एवं शैक्षणिक उपलब्धियाँ सदैव विद्यालय और समाज को प्रेरित करती रहेंगी।

लोकायुक्त डीजी ने हेड कॉन्स्टेबल और ड्राइवर को किया बर्खास्त

- मामले को निपटाने के लिये की थी डील

भोपाल। राजधानी भोपाल के एक मीडिया समूह द्वारा किये गये डिजिटल के स्टिंग ऑपरेशन के बाद लोकायुक्त डीजी योगेश देशमुख ने सख्त कदम उठाते हुए हेड कॉन्स्टेबल यशवंत सिंह ठाकुर और ड्राइवर अमित विश्वकर्मा को नौकरी से बर्खास्त कर दिया। दोनों ने स्टिंग ऑपरेशन के दौरान एक प्रकरण में वॉयस मैनेज करने के एवज में डील की थी। ड्राइवर अमित विश्वकर्मा ने मामले को मैनेज करने के लिए डीएसपी बीएम द्विवेदी के 5 लाख और मंजू सिंह के 3 लाख रुपए बताए थे। वहीं हेड कांस्टेबल यशवंत ठाकुर ने कहा था, कि ट्रांस्क्रिप्ट में फेरबदल करने के लिए बुंदेलखंडी बोली में प्रैक्टिस करना पड़ेगी। गौरतलब है कि इससे पहले शुक्रवार सुबह भोपाल, सागर और रीवा संभाग के 3 एसपी हटाए गए थे। भोपाल संभाग से हटाकर एसपी दुर्गेश कुमार राठौर को सागर भेजा गया है। वहीं एसपी योगेश्वर शर्मा को सागर से हटाकर रीवा भेजा गया। रीवा में पदस्थ सुनील पाटीदार को भोपाल संभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

रायसेन में दो बसों की आमने-सामने भीषण भिंडत, तीन की मौत

भोपाल। राजधानी के नजदीक रायसेन रोड पर दो बसों की आमने-सामने की भीषण भिंडत हो गई। जानकारी के मुताबिक जोरदार टक्कर में तीन यात्रियों की मौत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी की बस में सवार एक यात्री का सिर फटकर दो टुकड़ो में बंट गया। एक्सीडेंट में 15 लोग घायल बताये जा रहे हैं, जिनके चेहरे और सिर में गंभीर चोटें आई है। 10 घायलों को एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल रायसेन और भोपाल के नागपुर अस्पताल, लक्ष्मी स्पेशल स्पेशलिटी हॉस्पिटल सहित हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार कल्पना ट्रैवल्स की बस नंबर एमपी33 जेडसी 7770 की शक्ति ट्रैवल्स की बस नंबर एमपी04 पीए 3820 से सुबह करीब 11 बजे खरबई थाना चौकी अंतर्गत सेहतगंज टोल प्लाजा के पास टक्कर हुई है। दोनों बसें भोपाल-सागर रूट पर चलती हैं। भोपाल से सागर जा रही बस के यात्रियों की मौत हुई है। वहीं दूसरी बस में सवार लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। वहीं दो मृतकों की पहचान नीतेश व्यास (28) पिता एसएन व्यास, निवासी पंडा टेकापार, सुल्तानगंज और माखन लोधी (29) पिता रामबाबू लोधी, निवासी पचीपुरा, बेगमगंज के रूप में हुई है। नीतेश व्यास राष्ट्रीय स्तर के कवि थे। वे बेगमगंज से भोपाल आ रहे थे। एक शव की फिहाल पहचान नहीं हो सकी है। एक्सीडेंट की सूचना मिलते ही आला अफसर भी मौके पर पहुंच गये। मौके पर मौजूद लोगो का कहना है की दोनो बसो के ड्राइवर तेज रफ्तार से लापरवाही पूर्वक गाड़ी दौड़ा रहे थे। मोड़ पर स्पीड अधिक होने के कारण बसें संभल नही पाई और आपस में टकरा गई।

– खिड़की के पास बैठे मुसाफिर हुए घायल

घायलो की पहचान रायसेन के रहने वाले शिवानी लोधी (26), प्रेम (7 माह), नंदिनी (3 साल) और महेंद्र लोधी (32), कुंजीलाल (70) दोनो निवासी गैरतगंज, पुलकित अग्रवाल (32) निवासी, खंडवा, जागेश्वर, निवासी बेगमगंज के रुप में हुई है। घायलो में दो मुसाफिर भोपाल के रहने वाले है, जिनकी पहचान एसएस सोलंकी (32) निवासी, इंडस पार्क फेस-2, अयोध्या नगर और केशव सिंह पिता माधो सिंह, निवासी बैरागढ़ के रुप में हुई है। पुलिस मर्ग कायम कर आगे की कार्यवाही में जुटी है।

भोपाल रेलवे कंस्ट्रक्शन ऑफिस में सीबीआई की सर्चिंग, दस्तावेज खंगाले

- सागर में 1 लाख की घूस लेते पकड़े गये रेलवे के सेक्शन इंजीनियर से जुड़ा मामला

भोपाल। रेलवे के कंस्ट्रक्शन विभाग में पदस्थ सेक्शन इंजीनियर नारायण सिंह बुंदेला को गुरुवार रात, एक लाख रुपये की कथित रिश्वत लेते हुए सागर में सीबीआई ने टीम ने रंगे हाथों दबोचा है। सूत्रो के मुताबिक ट्रैप कार्यवाही के बाद अगले दिन शुक्रवार को सीबीआई ने भोपाल स्थित रेलवे कंस्ट्रक्शन ऑफिस में रेड मारते हुए सर्चिंग की। सूत्रों की मानी जाये तो सीबीआई की टीम ने कार्यालय में मामले से संबधित दस्तावेजों और रिकॉर्ड की छानबीन करते हुए मामले से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं। वहीं अन्य बिंदुओ पर भी जानकारी जुटाई है। सूत्र बताते है की बुंदेला को एक लाख रुपये की कथित रिश्वत लेते हुए पकड़े जाने के बाद की गई पूछताछ के आधार पर जांच का दायरा बढ़ाते हुए टीम ने भोपाल स्थित कार्यालय में सर्चिंग की है। खबर लिखे जाने तक फिलहाल कार्रवाई जारी थी।

- यह था मामला

जानकारी के अनुसार सागर में गुरुवार रात को जबलपुर की सीबीआई टीम ने 1 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रेलवे के सेक्शन इंजीनियर नारायण सिंह बुंदेला को एक होटल से रंगे हाथो गिरफ्तार किया था। बुंदेला के खिलाफ एक ठेकेदार ने जबलपुर सीबीआई में शिकायत करते हुए बताया था, कि उसने सागर रेलखंड में गिट्टी सप्लाई का काम किया था। काम पूरा होने के बाद जब वो सिक्योरिटी राशि वापस मांगने के लिए सेक्शन इंजीनियर नारायण सिंह बुंदेला के पास पहुंचा तो उन्होंने सिक्योरिटी राशि वापस करने के ऐवज में एक लाख रुपये की रिश्वत की मांग की। रिश्वत की रकम नहीं देने पर सेक्शन इंजीनियर सिक्योरिटी राशि वापस नहीं कर रहा था। गिरफ्तारी के बाद शुक्रवार को सीबीआई ने घूसखोर सेक्शन इंजीनियर को जबलपुर में सीबीआई कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए 5 दिन की रिमांड पर लिया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बालाघाट का प्रदेश में परचम

तीन श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर जिले ने बढ़ाया गौरव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश शासन द्वारा पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण एवं उत्कृष्ट पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक इकाइयों, खनन परियोजनाओं, नगरीय निकायों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं अन्य संस्थानों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 05 जून को भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। इस वर्ष बालाघाट जिले के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि रही कि प्रदेश स्तर पर विभिन्न श्रेणियों में प्रदान किए गए 11 प्रमुख पुरस्कारों में से 3 प्रथम पुरस्कार बालाघाट जिले की संस्थाओं को प्राप्त हुए हैं। इस अवसर पर पर्यावरण राज्य मंत्री श्री दिलीप अहीरवार भी उपस्थित थे। यह कार्यक्रम भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित किया गया। सबसे बड़ी उपलब्धि बालाघाट जिले के वारासिवनी विकासखंड अंतर्गत ग्राम खापा स्थित विसाग बायोफ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड को मिली। प्रदेश की लगभग 3,000 से अधिक बड़ी औद्योगिक इकाइयों के बीच अति प्रदूषणकारी उद्योग (Highly Polluting Industry) श्रेणी में संचालित इस ग्रेन आधारित इथेनॉल संयंत्र को उत्कृष्ट पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण तथा सर्वोत्तम पर्यावरण प्रबंधन के लिए प्रदेश का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। यह सम्मान न केवल विसाग बायोफ्यूल्स के लिए बल्कि पूरे बालाघाट जिले के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। यह पुरुष्कार विसाग बायोफ्यूल्स के संचालक अतुल वैद्य द्वारा प्राप्त किया गया। इसी प्रकार खनन क्षेत्र में बालाघाट जिले की रमरमा खदान, जिसका संचालन ए.पी. त्रिवेदी एंड संस द्वारा किया जाता है, को भी पर्यावरणीय प्रबंधन और सतत खनन गतिविधियों के लिए प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ खदान के रूप में प्रथम पुरस्कार डायरेक्टर निश्चल त्रिवेदी और हर्ष त्रिवेदी को प्राप्त हुआ है। वहीं लघु उद्योग श्रेणी में बालाघाट जिले की केशर एग्रोटेक के संचालक

रवि वैद्य एवं महेंद्र बिसेन को उत्कृष्ट पर्यावरण प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदेश स्तर पर प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ये सभी सम्मान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहीरवार द्वारा भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रदान किए गए। उल्लेखनीय है कि विभिन्न श्रेणियों में हजारों संस्थानों और औद्योगिक इकाइयों के बीच बालाघाट जिले की तीन संस्थाओं का प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करना जिले की पर्यावरणीय जागरूकता, औद्योगिक उत्कृष्टता तथा सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। प्रदेश के कुल 11 पुरस्कारों में से 3 प्रथम पुरस्कार बालाघाट जिले को मिलना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है, जिसने जिले का नाम पूरे मध्य प्रदेश में गौरवान्वित किया है। जिले के नागरिकों, उद्योग जगत एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे बालाघाट के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया है। पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास के संतुलित मॉडल के रूप में बालाघाट की यह सफलता प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से पहले होगा रोहित और कोहली का फिटनेस टेस्ट - डोएशेट

न्यू चंडीगढ़ । भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशेट ने कहा है कि अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए शामिल अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा को फिटनेस जांच में पास होने पर ही खेलने का अवसर मिलेगा। डोएशेट ने कहा, हम इन खिलाड़ियों की फिटनेस की जांच करेंगे। हमारे पास अभी इस बात का फैसला करने के लिए कुछ समय है कि क्या वे खेलने और टीम में शामिल किये जाने के लिए फिट हैं या नहीं, उसी को देखते हुए बदलाव किए जाएंगे। रोहित और विराट के बारे में जैसे ही मेडिकल टीम कोई फैसला लेगी, उसी के बाद उनके खेलने पर फैसला होगा।

सहायक कोच ने पूरी तरह से फिट नहीं होने पर ही आईपीएल के अंतिम चरण तक खेलने वाले केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों को लेकर कहा है कि सभी का मामला अलग है।

सहायक कोच ने कहा, मुझे लगता है कि यह हर खिलाड़ी के लिए फिटनेस के मामले अलग-अलग हैं। हमारा मानना है कि देश की ओर से खेलते समय बेहतर फार्म के लिए पूरी तरह से फिट होना जरुरी है। वहीं आईपीएल और अन्य लीग की बात अलग है। हम चाहते हैं कि जब खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी पर हों, तो वे अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हों। इसलिए, हर खिलाड़ी के मामले को अलग-अलग तरीके से संभालना जरूरी है। मैं इस बात को समझता हूं कि यह इन खिलाड़ियों के लिए साल का एक बहुत ही अहम समय होता है। आईपीएल एक शानदार घरेलू टूर्नामेंट है, इसलिए यह इन दोनों चीजों के बीच संतुलन बनाता है। मुझे लगता है कि पिछले आईपीएल में खिलाड़ियों पर जितना काम का बोझ था। उसे रोटेशन के जरिये काम किया गया है। अनुबंधित खिलाड़ियों का कार्याभार प्रबंधन काफी अच्छा रहा है हालांकि चोटें लगना खेल का हिस्सा है।।

उन्होंने कहा, आप खिलाड़ियों को न खिलाकर उनकी सुरक्षा नहीं कर सकते पर ये ही है कि हमें अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के अहम हिस्सों की पहचान करनी होगी और यह पक्का करना होगा कि हमारे बेहतरीन खिलाड़ी पूरी तरह से ठीक हों। जब हमें उनकी सबसे ज्यादा जरूरत हो, तो वे बेहतर स्थिति में काम करने के लिए तैयार होने चाहिये।

मेसी इवेंट विवाद में बढ़ी सियासी गर्मी, पूर्व मंत्री अरूप के भाई स्वरूप विश्वास गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति और खेल जगत से जुड़े चर्चित मेसी इवेंट विवाद में नया मोड़ आ गया है। कोलकाता पुलिस ने राज्य के पूर्व खेल मंत्री अरूप विश्वास के भाई स्वरूप विश्वास को एक मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, सिमरन पाल नामक व्यक्ति की शिकायत के आधार पर न्यू अलीपुर थाने में दर्ज एफआईआर की जांच के दौरान स्वरूप का नाम सामने आया, जिसके बाद उन्हें हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया गया। बंगाला पुलिस अधिकारियों ने बताया कि स्वरूप विश्वास के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के अलावा आर्म्स एक्ट के तहत भी मामला दर्ज हुआ है। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच जारी है और पुलिस उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है, जब फुटबॉल सुपरस्टार लियोनेल मेसी के प्रस्तावित 'गोट इंडिया टूर-कोलकाता एडिशन' कार्यक्रम को लेकर विवाद लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक सतद्रु दत्ता ने हाल ही में पूर्व खेल मंत्री अरूप विश्वास के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज कराई है। दत्ता का आरोप है कि दिसंबर 2025 में कोलकाता में आयोजित मेसी से जुड़े कार्यक्रम के दौरान उन पर बड़ी संख्या में कॉम्प्लिमेंट्री टिकट, एक्रेडिटेशन कार्ड और वीआईपी पास उपलब्ध कराने के लिए दबाव बनाया गया था। उन्होंने दावा किया है कि आयोजन प्रक्रिया के दौरान विभिन्न स्तरों पर हस्तक्षेप और दबाव के कारण कार्यक्रम प्रभावित हुआ। हालांकि, ममता सरकार में पूर्व खेल मंत्री अरूप विश्वास की ओर से इन आरोपों पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और सभी संबंधित पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। स्वरूप की गिरफ्तारी के बाद मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया है। विपक्षी दल पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं और जांच की दिशा पर सवाल उठा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। फिलहाल जांच एजेंसियां आरोपों की सत्यता और कथित अनियमितताओं की पड़ताल में जुटी हुई हैं।

मुम्बई इंडियंस के लिए बेहद महंगे साबित हुए बुमराह

चार करोड़ रुपये से अधिक का पड़ा एक विकेट

मुम्बई। इंडियनप प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अपनी टीम के लिए बेहद महंगे साबित हुए। बुमराह का मुम्बई ने 18 करोड़ रुपये वेतन पर बरकरार रखा था लेकिन वह असफल रहे और केवल 4 विकेट ही ले पाये। इससे मुम्बई का प्रदर्शन भी खराब हुआ और वह नौवें स्थान पर रही। टीम 14 में से केवल 4 मैच ही जीत पाई। बुमराह टीम के मुख्य तेज गेंदबाज थे पर उनके वह पूरे सत्र में लय में नहीं दिखे। ऐसे में बुमराह का एक-एक विकेट टीम को साढ़े चार करोड़ रुपये का पड़ा।

बुमराह से जिस तरह के प्रदर्शन की उम्मीद थी हुआ ठीक उसके विपरीत। वह पूरे सत्र में संघर्ष करते दिखे और विकेट के लिए तरसते नजर आए। उन्होंने इस सत्र में कुल 13 मैच खेले पर उन्हें सिर्फ चार ही विकेट मिले। शुरुआती कई मैचों में तो उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। बुमराह को इस सीजन के लिए 18 करोड़ रुपये का भुगतान किया था, पर उनका प्रदर्शन उन्हें मिल रहे वेतन के बिलकुल विपरीत रहा। उनके लिए चार विकेटों को देखा जाये तो हर विकेट चार करोड़ रुपये से अधिक का पड़ा। यह शायद आईपीएल इतिहास में किसी प्रमुख खिलाड़ी की टीम को हुआ सबसे अधिक नुकसान है। उन्होंने अपने आईपीएल करियर में इतने कम विकेट किसी भी सत्र में नहीं लिए, जब उन्होंने 5 या उससे ज्यादा मैच खेले हों। हालांकि, 2014 में अपने शुरुआती करियर में उन्हें 11 मैचों में 5 विकेट मिले थे, लेकिन तब वह एक युवा और अनुभवहीन गेंदबाज थे।

आंकड़ों पर ध्याने दें तो बुमराह ने आईपीएल 2026 में 13 मैचों में कुल 294 गेंदें फेंकीं और उन पर 410 रन दिये जबकि उन्हें सिर्फ 4 विकेट मिले। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 का रहा और स्ट्राइक रेट 73.50 का। इसका मतलब है कि उन्होंने एक विकेट लेने के लिए औसतन 73 से अधिक गेंदें फेंकीं। पूरे सीजन में वह एक बार भी दो विकेट हॉल हासिल नहीं कर पाये।

नंबर 3 पर सुदर्शन या पडिक्कल में से किसी एक को आजमाना चाहिये - टेन डोएशे

मुल्लांपुर । भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा है कि चेतेश्वर पुजारा के संन्यास के बाद से टीम तीसरे नंबर पर एक स्थायी बल्लेबाज की तलाश नहीं कर पायी है। ऐसे में उसे इस नंबर पर साई सुदर्शन या देवदत्त पडिक्कल में से किसी एक युवा बल्लेबाज को आजमाना चाहिये। साथ ही कहा कि जिसे भी अवसर दें उसे अपने को साबित करने का समय भी दिया जाना चाहिये।

गौरतलब है कि साल 2025 में पुजारा के खेल से संन्यास के बाद से ही भारतीय टीम नंबर तीन पर अच्छे बल्लेबाज की कमी का अनुभव कर रही है। पुजारा ने भारत के लिए अपना अंतिम टेस्ट मैच 2023 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में खेला था। उनके जाने के बाद से ही तीसरे नंबर पर शुभमन गिल, सुदर्शन, करुण नायर और वाशिंगटन सुंदर जैसे कई खिलाड़ियों को अवसर दिया गया है। साई सुदर्शन ने भी इस छह टेस्ट मैच खेले हैं पर 27 से कुछ अधिक के औसत के साथ वह अब तक अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। डोएशे ने कहा, नंबर 3 पर कई बल्लेबाजों को आजमाना आदर्श स्थिति नहीं है। हमें उस स्थान के दावेदारों पर विचार करना चाहिए और किसी एक को लंबे समय तक उस पर बनाए रखना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी ध्यान दिलाया कि तीसरे नंबर का स्थान बल्लेबाजी क्रम में बेहद कठिन पर महत्वपूर्ण है। साथ ही कहा कि सुदर्शन और पडिक्कल दोनों ने नेट पर जमकर अभ्यास किया है हालांकि डोएशे ने यह खुलासा नहीं किया कि इनमें से किसे अंतिम एकादश में मौका मिलेगा। यहां तक कि स्लिप में फील्डिंग के अभ्यास से भी स्थिति स्पष्ट नहीं हुई, जहाँ पडिक्कल पहले केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के साथ खड़े थे, और बाद में राहुल के नेट पर जाने के बाद सुदर्शन ने उनकी जगह ली। डोएशे ने दोनों खिलाड़ियों की हालिया फॉर्म की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, देव घरेलू क्रिकेट में सभी प्रारूपों में काफी रन बनाकर आए हैं और सुदर्शन ने भी आईपीएल में गुजरात के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। इसलिए दोनों ही अच्छी फॉर्म में हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जिसे भी इस नंबर के लिए चुना जाएगा, टीम को उस पर भरोसा करना होगा।

चानू की नजरे अगले माह होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों पर लगीं

नई दिल्ली। भारत की ओलंपिक पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू का ध्यान अब 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों पर है। इन खेलों में वह अपने पसंदीदा 48 किग्रा वर्ग में उतरेंगी, जहां उन्हें स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में उनका प्रदर्शन हमेशा ही बेहतरीन रहा है और वह एक बार फिर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद कर रही हैं। हाल ही में मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 116 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जो उनके फॉर्म को दर्शाता है। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, चानू अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। एशियाई खेल उनके लिए एक नई चुनौती पेश करेंगे, क्योंकि इस टूर्नामेंट के लिए उन्हें 53 किग्रा वर्ग में उतरना होगा। इसके लिए उन्हें अपना वजन भी बढ़ाना होगा, जो किसी भी भारोत्तोलक के लिए एक महत्वपूर्ण समायोजन होता है। दिलचस्प बात यह है कि अपने शानदार करियर के बावजूद, मीराबाई चानू ने अब तक एशियाई खेलों में कोई पदक नहीं जीता है, जिससे यह उनके लिए एक विशेष प्रेरणा का स्रोत है। यह साल 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होने के कारण और भी अहम माना जा रहा है। एशियाई खेलों का प्रदर्शन न केवल पदक के लिए, बल्कि ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की शुरुआत के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। मीराबाई की अनुपस्थिति से एशियाई चैम्पियनशिप में उनकी जगह कोमल कोहर को शामिल किया जा सकता है, जिससे उन्हें भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

वैभव का आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए चयन तय

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बनेंगे

मुम्बई । 15 साल के भारते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में चुना जाना तय नजर आ रहा है। वैभव ने पिछले कुछ समय में जैसी बल्लेबाजी की है। उससे उनको टीम से बाहर रखना संभव नजर नहीं आता। इंडियन प्रीमियर लीग वैभव ने सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप जीतकर अपने को साबित कर दिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनकर्ता शनिवार शनिवार को मुंबई में होने वाली बैठक में टीम चयन के दौरान ही उनके नाम पर भी मोहर लगा सकते हैं। माना जा रहा है कि उन्हें इन दोनों टीमों के लिए शामिल किया जाएगा।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, 'वैभव को पहली बार टीम इंडिया में मौका मिलने जा रहा है। चयनकर्ता 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक और उसी साल ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए टीम तैयार कर रहे हैं।'

वैभव ने आईपीएल से पहले अंडर 19 विश्वकप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता था। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। आईपीएल में उन्होंने 237.30 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और 16 मैचों में कुल 776 रन बनाकर टूर्नामेंट में सबसे कम उम्र में ऑरेंज कैप जीत का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 16 मैचों में 72 छक्के लगाए। यह किसी भी खिलाड़ी द्वारा टी20 सीरीज या टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा हैं।

वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी को सचिन तेंदुलकर, पैट कमिंस सहित कई अन्य दिग्गज खिलाड़ियों ने भी प्रशंसा की है। वहीं अब वह टी20 में उतरते ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बनने जा रहे हैं। इससे पहले ये रिकार्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था। सचिन ने 16 साल की उम्र में अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था।

अश्विन को उम्मीद, अफगानिस्तान के खिलाफ हर्ष को मिलेगा डेब्यू का अवसर

चेन्नई । दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को उम्मीद है कि अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से मुल्लांपुर में शुरू हो रहे एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में बाएं हाथ के युवा स्पिनर हर्ष दुबे को अंतिम ग्यारह में जगह मिलेगी। अश्विन के अनुसार पिछले कुछ समय में हर्ष ने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है। इसके अलावा अश्विन को उम्मीद है कि शुभमन गिल की कप्तानी में टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी। अश्विन के अनुसार जिस प्रकार से शुभमन ने अब तक बल्लेबाजी की है उससे मुझे उम्मीद है कि वह बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

अश्विन ने कहा, हालांकि मेरी नजरें हर्ष पर टिकी हुई हैं और मैं यह जानने के लिए बेहद उत्सुक हूं कि उन्हें इस बड़े प्रारूप में अवसर मिलता है या नहीं। गौरतलब है कि टीम प्रबंधन को मानव सुथार और हर्ष दुबे के बीच किसी एक को चुनना होगा पर हर्ष ने जिस प्रकार से पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, उससे मेरा मानना है कि उसे ही अवसर मिलना चाहिये। अश्विन ने इस स्पिनर के आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन को भी एक कारण बताया है। अश्विन के अनुसार वह हर्ष को भारतीय टेस्ट कैप पहने देखना चाहते हैं। साथ ही कहा ये स्पिनर टीम में जगह का अधिकारी है।

भारतीय टीम के पास कुलदीप यादव और वॉशिंगटन सुंदर जैसे अनुभवी स्पिनर हैं। ऐसे में, तीसरा स्पिनर कौन होगा, यह चयनकर्ताओं के लिए सबसे कठिन सवाल है। हर्ष और मानव , दोनों ही अपनी-अपनी क्षमताओं के साथ टीम में जगह बनाने के दावेदार हैं। अश्विन का मानना है कि हर्ष का घरेलू प्रदर्शन और आईपीएल में दिखाया गया आत्मविश्वास उनकी दावेदारी का मजबूत करता है। साथ ही कहा कि केवल एक टेस्ट मैच ही क्यों न हो, किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए देश का प्रतिनिधित्व करना सबसे बड़ी बात है।

अश्विन ने युवा कप्तान शुभमन गिल से भी अपनी उम्मीदें साझा कीं। उन्होंने कहा कि गिल ने हाल ही में इंग्लैंड के दौरे पर एक कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर अपनी क्षमता दिखायी है। अश्विन ने कहा, शुभमन ने इंग्लैंड में भी काफी रन बनाए और वहां के दबाव को बहुत अच्छी तरह से संभाला। यह उनकी मानसिक दृढ़ता और तकनीकी क्षमता को दिखाता है। इसलिए मुझे पूरी उम्मीद है कि शुभमन इस सीरीज में कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर और बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

2007 टी20 विश्वकप खेलने से सचिन, द्रविड और गांगुली ने इंकार कर दिया था - ललित मोदी

मुम्बई । आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने खुलासा किया है कि साल 2007 में जब पहली बार आईपीएल शुरु हुआ था तो सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने उसमें खेलने से इंकार कर दिया था। इन लोगों ने इस प्रारुप को बेवकूफी बताया था। वहीं आज टी20 क्रिकेट इतना बड़ा खेल बन गया है कि इसके आगे टेस्ट और वनडे की चमक फीकी पड़ गई है।

ललित मोदी के अनुसार टी20 विश्व कप 2007 से पहले भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर थी, जहां उन्हें तीन टेस्ट मैच और 7 एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलनी थी। इसके बाद टी20 विश्वकप शुरु होना था। तब इंग्लैंड दौरे के लिए राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली जैसे सीनियर स्टार टीम का हिस्सा थे पर इन्होने विश्वकप खेलने से मना कर दिया। इनका कहना था कि लंबे दौर से वे थके हुए हैं और परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। इसके बाद धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह, गौतम गंभीर, दिनेश कार्तिक, आर पी सिंह, इरफान पठान सहित विश्वपक में उतरी थी। मोदी ने बताया, जब इंडिया 2007 में इंग्लैंड टूर पर थी, तो मैं ड्रेसिंग रूम में हर प्लेयर के पास गया। मैं गया और मैंने कहा, मैं आपसे टी20 खेलने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने कहा, ललित, क्या तुम मजाक कर रहे हो? यह क्या बेवकूफी भरा गेम है? हम इसे नहीं खेलना चाहते।

इंग्लैंड न्यूजीलैंड पहले टेस्ट में गेंदबाज रहे हावी, दिन भर में गिरे 16 विकेट

मेजबान टीम के 140 रनों के जवाब में कीवी टीम ने 61 रनों पर गंवाये 6 विकेट

लॉर्ड्स । यहां इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच लॉर्ड्स में शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन गेंदबाज हावी रहे। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दिन भर में कुल 16 विके गिरे। मैच में मेहमान न्यूजीलैंड टीम ने टॉस जीतकर मेजबान टीम का पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंग्लैंड के बल्लेबाज कीवी टीम के तेज गेंदबाजों विशेषरूप से काइल जैमिसन के सामने टिक नहीं पाये और पूरी टीम अपनी पहली पारी मे 140 रन पर ही पेवेलियन लौट गयी। जैमिसन ने पांच विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी ढ़हा दी। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरी कीवी टीम का हाल तो इससे भी खराब रहा। ओली रॉबिन्सन के सामने कीवी बल्लेबाज टिक नहीं पाये और दिन का खेल समाप्त होने के समय तक टीम ने पहली पारी में 61 रनों पर ही छह विकेट खो दिये। रॉबिन्सन ने शुरुआती ओवर में तीन विकेट लेकर न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया, जिससे टीम स्टंप्स तक भी उबर नहीं सकी. न्यूजीलैंड ने दिन का खेल खत्म होने तक 61 रन पर 6 विकेट गंवा दिए हैं। इस प्रकार मेजबान इंग्लैंड टीम अभी भी पहली पारी के आधार पर 79 रन आगे है। अब देखना है कि कीवी बल्लेबाज दूसरे दिन रन बना पाते हैं या नहीं

कीवी कप्तान टॉम लैथम का पहले गेंदबाजी करने का फैसला बिल्कुल सही था। कीवी टीम के चारों तेज गेंदबाजों ने इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को कोई अवसर नहीं दिया। . जैमिसन ने पिच से मिल रही अतिरिक्त उछाल और सीम का पूरा फायदा उठाया। . इंग्लैंड की आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति पूरी तरह से विफल रही। टीम पहले 10 ओवरों में केवल 24 रन ही बना पायी। बेन डकेट ने 19, जैकब बेथेल ने 6 और जो रूट ने केवल 1 रन बनाया। मैच में बारिश से भी बाधा आई। इंग्लैंड की ओर से केवल हैरी ब्रूक ही टिक पाये। ब्रूक ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 56 रन बनाये।

ऋषभ का ध्यान अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना

मोहाली। पिछले कुछ समय से खराब दौर से गुजर रहे भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का ध्यान अब शनिवार से अफगानिस्तान के खिलाफ शुरु हो रहे एकमात्र क्रिकेट टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना है। ऋषभ इस मैच में लय हासिल कर आने आने वाली सीरीज के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगे। इससे पहले आईपीएल में वह कप्तानी और बल्लेबाजी दोनो में असफल रहे थे जिसके बाद उनको लखनऊ सुपरजायंट्स की कप्तानी से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद उन्हें टेस्ट टीम की उपकप्तानी से भी बाहर कर दिया गया है हालांकि वह इससे निराश नहीं हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम में वह विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर ही उतरेंगे। वहीं इस मैच से पहले भारत के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने कहा कि 28 साल के इस बल्लेबाज से चयनकर्ताओं से कोई समस्या नहीं है पर टीम प्रबंधन चाहता है कि वह अपनी बल्लेबाजी में पुरानी लय हासिल करें। डोशेट ने कहा, लीडर बनने के लिए औपचारिक पद की जरूरत नहीं होती। हमें उनसे उम्मीद है कि वह अपनी बल्लेबाजी को हालातों के अनुसार ढालेंगे। उन्होंने उपकप्तानी से हटाए जाने पर कोई शिकायत भी नहीं की है। इस क्रिकेटर ने टेस्ट उपकप्तानी के साथ-साथ लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी भी छोड़ दी। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दूसरे टेस्ट में चोटिल शुभमन गिल के नहीं होने पर कप्तानी की थी। इस टेस्ट में भारतीय टीम को 408 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं हाल ही में खत्म हुए आईपीएल में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी भी छोड़ दी थी क्योंकि उनकी टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10 वें स्थान पर रही थी। टेस्ट क्रिकेट में हालांकि उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के अंत में इस बल्लेबाज ने कुछ जबरदस्त पारियां खेलीं, इसमें सिडनी में अर्धशतक भी शामिल है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में उन्होंने लीड्स टेस्ट में दोनों पारियों में शतक लगाये थे।

हमारी पीढ़ी की सुरक्षा के लिये एक पेड़ मां के नाम जरूरी-सांसद

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। प्रकृति का उपहार पेड़-पौधे है जो हमें पूरे जीवनकाल में फल, फूल, छाया और शुद्ध वायु, लकड़ी प्रदान करते है तो क्या हम एक दो वृक्ष लगाकर अपने जीवन के प्रतिदिन कुछ मिनट पौधो की सेवा में नहीं दे सकते है। इसी विचार को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों के समक्ष रखा और आग्रह किया कि हर व्यक्ति एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाये, क्योंकि हमारी आनेवाली पीढ़ी की सुरक्षा के लिये यह जरूरी है। उक्ताशय की बातें बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद भारती पारधी कही। नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा मोती उद्यान की पार एवं बजरंगघाट में आयोजित 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के वृहद आयोजन में की सांसद संबोधित कर रही थी।

मोती उद्यान तथा बजरंगघाट में किया गया पौधारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान का शुभारंभ किया। इसी के साथ ही प्रदेशभर में विश्व पर्यावरण दिवस पर जागरूकता एवं पौधारोपण कार्यो को गति दी गई है। नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा मोती उद्यान की पार पर तैयार किये गये मियावाकी पद्धति से उपवन के बीच इस वर्षाकाल में फलने-फूलने के लिये पौधों का रोपण किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, जैव-विविधता संवर्धन और जलवायु परिवर्तन जागरूकता का संचार किया गया। जिसके अंतर्गत पौधारोपण अभियान, स्वच्छता गतिविधियां और पर्यावरण संरक्षण का की शपथ दिलाई गई।

पर्यावरण संरक्षण की दिलाई शपथ

चलाया गया कि प्रदेशभर में 30 सितंबर एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान नगर पालिका परिषद द्वारा चलाया जायेगा जिसमें नागरिकों, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योगों, स्व.सहायता समूहों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों को पौधारोपण के लिए प्रेरित किया जाएगा। नगरपालिका द्वारा चिन्हांकित रिक्त भूमि पर नगरवासियों को पौधे मुहैया कराकर पौधारोपण और संरक्षण के लिये जागरूक किया जावेगा। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों की कड़ी में शाम 5 बजे बजरंगघाट में नगरपालिका बालाघाट और जिला तैराकी संघ के संयुक्त प्रयासों से स्वच्छता अभियान चलाया गया साथ ही पर्यावरण एवं जल संरक्षण को लेकर जागरूक किया गया। जिसमें पॉलिथिन का उपयोग ना किये जाने, जल स्त्रोतों का संवर्धन करने के लिये प्रेरित किया गया। बजरंगघाट में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधों का रोपण कर उनका संरक्षण किये जाने के लिये शपथ दिलाई गई।

आज ही संकल्प लेकर करें पौधारोपण-नपाध्यक्ष भारती ठाकुर

पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में बालाघाट नगर पालिका परिषद अध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर ने कहा कि हम आज अगर एक पौधा लगाते है तो उसे वृक्ष बनने में 20 वर्ष लग जाते है पौधारोपण से पर्यावरण का संतुलन व जल का संरक्षण जुड़ा हुआ है। यह नगरपालिका या किसी संस्था की जिम्मेदारी नहीं बल्कि हमें अपने आनेवाले कल को जलवायु परिवर्तन के खतरों से सुरक्षित बनाये रखना है तो आज ही संकल्प करके पौधारोपण करना जरूरी होगा। नपाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री ने ने एक पेड़ मां के नाम अभियान को सार्थकता के लिये जो समर्पण जनता से मांगा है वह हमारे भविष्य सुरक्षित भविष्य के लिये है। नपाध्यक्ष ने बताया कि नगरपालिका द्वारा नगरवासियों के लिये प्रतिवर्ष की तरह इस वर्षाकाल में भी पौधे उपलब्ध कराये जाएंगे अपने घरों-रिक्त स्थानों तथा शासकीय भूमि, उद्यानों में पौधारोपण किया जाये जिससे बालाघाट शहर हरियालीयुक्त बना रहे जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस कदम होगा।

इनकी रही उपस्थिति

आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से नपा उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, सभापति समीर जावसवाल, वकील वाधवा, संगीता खगेश कावरे, कमलेश पांचे, उज्जवल आमाडारे, योगिता विनय बोपचे, संगीता छोटू थापा, पार्षद मनीष नेमा, राज हरिनखेड़े, भाजपा नगर अध्यक्ष राकेश सेवईवार, गणेश अग्रवाल, जैनेन्द्र कटरे, जिला तैराकी संघ के पदाधिकारी, प्रकृति प्रेमी एवं नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

ऑटो में बैठते समय मोटरसाइकिल की टक्कर से 65 वर्षीय वृद्धा घायल

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। नगर के अवंती चौक स्थित ऑटो रिक्शा स्टैंड पर 4 जून को दोपहर एक हादसा हो गया। ऑटो में बैठ रही 65 वर्षीय वृद्धा को पीछे से आ रही तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल वृद्धा बूंदा बाई पति बारेलाल जामरे 65 वर्ष ग्राम कुंडे मोहगांव थाना हट्टा निवासी है जिसको जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 जून की सुबह वृद्धा बूंदाबाई जामरे अपनी बहन मीरा पंचेश्वर से मिलने ग्राम टेकाड़ी भरवेली जाने के लिए बस से बालाघाट पहुंची थीं। दोपहर करीब 12:00 बजे बूंदाबाई नगर के अवंती चौक ऑटो स्टैंड से टेकाड़ी जाने के लिए ऑटो में बैठ रही थीं। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रही एक मोटरसाइकिल ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बूंदाबाई सड़क पर गिर पड़ीं। मोटरसाइकिल सवार ने बूंदा बाई को उठाया लेकिन बिना मदद किए मौके से फरार हो गया।घायल अवस्था में ही बूंदाबाई ऑटो से अपनी बहन के घर टेकाड़ी पहुंचीं। वहां उनकी बहन की बहू भागवंती पंचेश्वर ने पहले गांव के डॉक्टर से प्राथमिक उपचार करवाया। हालत गंभीर देख डॉक्टर ने उन्हें तुरंत बालाघाट ले जाने की सलाह दी।

इसके बाद भागवंती पंचेश्वर उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचीं। जहां उन्हें भर्ती कर लिया गया। मोटरसाइकिल की टक्कर से बूंदाबाई के हाथ, कलाई, पेट और घुटने में चोटें आई हैं। इसके अलावा अंदरूनी चोटें भी बताई जा रही हैं। घटना की सूचना मिलते ही जिला अस्पताल पुलिस ने घायल बूंदाबाई का बयान दर्ज किया। पुलिस ने अस्पताल तहरीर तैयार कर आगे की जांच के लिए कोतवाली थाना भेज दी है। फिलहाल अज्ञात मोटरसाइकिल सवार की तलाश की जा रही है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी के एनसीसी कैडेट्स द्वारा विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत अशोक, नीम, पारिजात, आम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। यह कार्यक्रम 6 एम.पी. बटालियन बालाघाट के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता के मार्गदर्शन एवं संस्था के प्राचार्य हुमराज पटले के तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण बढ़ाने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर एनएसएस, एनसीसी एवं ईको क्लब की अनूठी पहल, प्रकृति संरक्षण का लिया संकल्प

हृदपद्मेश न्यूज़। बालाघाट। अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) एवं ईको क्लब के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण जागरूकता और जैव-विविधता संरक्षण को समर्पित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 6:30 बजे महाविद्यालय परिसर से पर्यावरण जागरूकता रैली के साथ हुई। प्राचार्य डॉ. मराठे ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। "बंजर धरती करे पुकार, वृक्ष लगाकर करो श्रृंगार" तथा "पाउच, पन्नी, पॉलीथीन—प्रकृति के दुश्मन तीन" जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा। रैली के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली और वृक्षारोपण का संदेश दिया गया। इसके पश्चात स्वयंसेवक, एनसीसी कैडेट्स एवं छात्र-छात्राएं रेंजर कॉलेज पहुंचे, जहां डॉ. दुर्गेश अगासे के मार्गदर्शन में ई-बर्ड ऐप के माध्यम से जैव-विविधता अवलोकन गतिविधि आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने रेंजर कॉलेज से बजरंग घाट और शंकर घाट तक प्रकृति भ्रमण कर स्थानीय जैव-विविधता का अध्ययन किया तथा मां वैनगंगा के तट पर स्वच्छता एवं संरक्षण का संकल्प लिया। मां गंगा मंदिर परिसर में सामूहिक आरती कर प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण का संदेश दिया गया। रेंजर कॉलेज सभागार में

आयोजित बौद्धिक सत्र का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ. दुर्गेश अगासे ने बालाघाट क्षेत्र की जैव-विविधता, पर्यावरण संरक्षण तथा प्रकृति में प्रत्येक जीव की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र ब्रम्हे ने क्षेत्रीय वनस्पतियों के महत्व एवं संरक्षण की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी प्रो. सुखचंद पेंडे ने ग्लोबल वार्मिंग, एल-नीनो, माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण, वनाग्नि से होने वाले नुकसान, क्लोरोफ्लोरोकार्बन गैसों के दुष्प्रभाव तथा नवीकरणीय ऊर्जा के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और छोटे-छोटे प्रयास भविष्य में बड़े बदलाव ला सकते हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने विद्यार्थियों से "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत कम से कम दस पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति से हमारा अस्तित्व जुड़ा हुआ है और जल, वायु तथा वन संपदा की रक्षा करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। कार्यक्रम के अंत में एनसीसी अधिकारी डॉ. गजानन कतरे ने आभार व्यक्त किया। स्वल्पाहार एवं सतत विकास लक्ष्यों (सडलह्य) पर चर्चा के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर डॉ. महावीर मरकाम, क्रीड़ा अधिकारी अनिल झरबड़े, हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. संजय कुमार बिसेन, ऋषभ भगत, दीक्षा सैय्याम, सागर दौने, आशुतोष राजावत सहित राष्ट्रीय सेवा योजना एवं एनसीसी के स्वयंसेवकों और कैडेटस की सक्रिय सहभागिता रही। पर्यावरण संरक्षण और जैव-विविधता संवर्धन की दिशा में यह पहल विद्यार्थियों और समाज के लिए प्रेरणादायी साबित हुई।

डहरवाल कलार समाज की जिलास्तरीय बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। डहरवाल कलार समाज संगठन की वार्षिक जिलास्तरीय बैठक शुक्रवार को बालाघाट नगर स्थित कमला नेहरू हॉल में आयोजित की गई। बैठक में जिलेभर से समाज के पदाधिकारी, वरिष्ठजन, महिला एवं युवा प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। कार्यक्रम में समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, शासकीय सेवाओं में चयनित युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों का सम्मान किया गया। वहीं इस वर्ष समाज में विवाह योग्य युवक-युवतियों की बढ़ती उम्र और विवाह में हो रही देरी को प्रमुख चर्चा का विषय बनाया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के आराध्य देव भगवान सहस्त्रबाहु के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके बाद अतिथियों का स्वागत कर बैठक की औपचारिक शुरुआत हुई। मंच पर नागपुर अखंड डहरवाल कलार समाज के अध्यक्ष लिखेंद्र बिठले, प्रांतीय उपाध्यक्ष लाखू पटेल, संरक्षक शिवाजी बाविस्ताले, वरिष्ठ समाजसेवी अमृतलाल धुवारे तथा जिलाध्यक्ष राजेंद्र साकरे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विवाह योग्य बच्चों की बढ़ती उम्र बनी चिंता

बैठक में समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि वर्तमान समय में विवाह योग्य युवक-युवतियों की बढ़ती उम्र समाज के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है। कई बार अत्यधिक अपेक्षाएं, सामाजिक प्रतिष्ठा की सोच और विभिन्न शर्तों के कारण विवाह में अनावश्यक देरी हो रही है। इसका प्रभाव युवाओं के भविष्य और सामाजिक व्यवस्था दोनों पर पड़ रहा है। वक्ताओं ने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों के भविष्य को प्राथमिकता देते हुए समय पर उचित निर्णय लें। साथ ही युवाओं को अच्छे संस्कार, शिक्षा और पारिवारिक मूल्यों से जोड़ने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि माता-पिता को बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना चाहिए और उनके जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों में मार्गदर्शन प्रदान करना चाहिए।

समाज में बदलते परिवेश पर भी हुई चर्चा...

महिला प्रकोष्ठ के प्रतिनिधियों और समाज के मार्गदर्शकों ने कहा कि समय के साथ सामाजिक परिस्थितियों में काफी बदलाव आया है। विवाह को लेकर बड़े सपने और ऊंची अपेक्षाएं रखने के कारण अनेक युवक-युवतियां विवाह योग्य आयु पार कर रहे हैं। ऐसे में समाज को व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए इस दिशा में सकारात्मक पहल करनी होगी।

मेधावी विद्यार्थियों और नव नियुक्त कर्मचारियों का सम्मान

वार्षिक बैठक के दौरान समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। विशेष उपलब्धियां हासिल करने वाले सात लोगों को सम्मान प्रदान किया गया। वहीं विभिन्न शासकीय विभागों में चयनित आठ नव नियुक्त कर्मचारियों को भी प्रशस्ति पत्र एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले लगभग 200 छात्र-छात्राओं का भी सम्मान किया गया। समाज के वरिष्ठ नागरिकों और समाज सेवा में सक्रिय योगदान देने वाले लोगों को भी सम्मानित किया गया।

तहसील स्तर पर होंगी बैठकें, फिर होगा अंतिम निर्णय- साकरे

जिलाध्यक्ष राजेंद्र साकरे ने बैठक में संगठन की वार्षिक आय-व्यय रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि समाज में विवाह योग्य युवक-युवतियों की बढ़ती उम्र की समस्या को इस वर्ष प्रमुख विषय के रूप में लिया गया है। इस संबंध में जिले की विभिन्न तहसीलों में बैठकों का आयोजन कर समाजजनों के सुझाव लिए जाएंगे। इसके बाद जिला स्तर पर एक बड़ी बैठक आयोजित कर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने समाज के अभिभावकों से बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए समय पर विवाह संबंधी निर्णय लेने की अपील की। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों, महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ तथा विभिन्न तहसीलों से आए प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

इनकी रही उपस्थिति...

इस कार्यक्रम में डहरवाल कलार समाज के जिला अध्यक्ष राजेंद्र सकरे, सचिव दुर्गा प्रसाद बाविसताले, अध्यक्ष परदेसी राठौर, प्रयागराज सुहागपुरे, मीडिया प्रभारी पंकज डहरवाल, रमन बिठले, कोषाध्यक्ष विजय बाविसताले, युवा प्रकोष्ठ संयोजक आशीष गढ़घाड़े, अखिलेश मंडलेकर, संयोजक डी सी डहरवाल, नारायण डहरवाल, बालाघाट तहसील अध्यक्ष ज्ञानचंद भीरगड़े, तिरोड़ी तहसील अध्यक्ष सुशील उचबगले, वारासिवनी तहसील अध्यक्ष शिवशंकर मंडलेकर, बैहर तहसील अध्यक्ष जागेश्वर ब्रम्हनोटे, परसवाडा तहसील अध्यक्ष जगदीश साकरे, खैरलांजी तहसील अध्यक्ष श्रीराम सुहागपुरे, लालबर्रा अध्यक्ष राजू बिठले, कटंगी अध्यक्ष चंद्रप्रकाश डहरवाल, बिरसा अध्यक्ष चोखेलाल पारधी तथा महिला प्रकोष्ठ से संयोजक बिरसा श्रीमती सरस्वती ब्रम्हनोटे, श्रीमती रजा डहरवाल, श्रीमती कौतिक सिन्धुपे, बैहर संयोजक श्रीमती बबीता ब्रम्हनोटे, श्रीमती मुशीबाई डहरवाल, परसवाडा संयोजक श्रीमती रजनी राठौर, श्रीमती भारती अशोक साकरे सहित समाज के वृद्धजनों और लोगों की उपस्थिति रही।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में हुआ व्यापक वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय, बालाघाट द्वारा महाविद्यालय परिसर में व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, अतिथि विद्वान, छात्राओं एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर द्वारा पौधारोपण कर किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जलवायु एवं पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुरूप विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों तथा जैव विविधता संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। अपने संबोधन में प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि सतत विकास और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने और अपने दैनिक जीवन में प्रकृति संरक्षण के प्रति संवेदनशील रहने का आह्वान किया। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल के लिए विशेष कार्ययोजना भी तैयार की गई है, ताकि वृक्षारोपण अभियान केवल औपचारिकता न रहकर दीर्घकालिक पर्यावरणीय लाभ सुनिश्चित कर सके। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पौधारोपण तक सीमित न रहकर महाविद्यालय परिसर को अधिक हरित, स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाना तथा युवाओं में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण और वृक्ष संवर्धन का संकल्प लिया।

संलग्न फोटो क्रमांक- 21

विश्व पर्यावरण दिवस पर लामता महाविद्यालय में पौधारोपण

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शासकीय महाविद्यालय लामता में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण शपथ, स्वच्छता अभियान एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य सुंदरलाल बिसेन के संरक्षण तथा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम प्रभारी डॉ. दुलेश्वरी टेम्भरे के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम महाविद्यालय एवं वन विभाग लामता के संयुक्त सहयोग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेकर प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया। साथ ही परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छ एवं हरित वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और हरित जीवनशैली जैसे विषयों पर आकर्षक एवं प्रेरणादायक पोस्टर प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने तथा प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में परिक्षेत्र अधिकारी लामता भाग-1 श्रीमती नीतू गोस्वामी, हरीश कुमार रायकवार, सुरेंद्र कुमार रैंगारे, संतोष गोलेंद्र, श्रीमती सीता रावत, श्रीमती बर्सती नरवरिया, श्याम चौधरी (उत्तर लामता), शेखर मात्रे, ग्राम पंचायत लामता के सरपंच हुलासमल कोचर, वन सुरक्षा समिति लामता के शत्रुघ्न असाटी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। महाविद्यालय परिवार की ओर से श्री जितेंद्र आरमो, प्रवेश यादव, डॉ. हालसिंह गौतम, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के दलनायक हर्रेंद्र बघेल, एनएसएस स्वयंसेवकों तथा झमियाबाई उइके ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर उनकी देखभाल सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया।

आधे घण्टे की बारिश ने बदला मौसम का मिजाज, भीषण गर्मी से मिली राहत

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। 2 जून को नौतपा खत्म होने के बावजूद भी जिलेवासियों को चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही थी जहा पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को शुक्रवार 5 जून को उस समय बड़ी राहत मिल गई, जब नगर मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में मौसम में आए अचानक बदलाव के साथ हल्की बारिश हुई। जून माह की तपती दोपहर और तेज धूप के बीच हुई इस बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया। बारिश के साथ चली ठंडी हवाओं ने वातावरण को सुहाना बना दिया,उधर मौसम अचानक से शुष्क हो गया जहां पूरा दिन शुष्क मौसम के साथ हल्की ठंडी हवाएं बहती रही जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

मौसम में आए इस अचानक बदलाव के बीच शुक्रवार की दोपहर मौसम ने करवट ली और नीले आसमान को काले घने बादलो ने घेरना शुरू कर दिया।लगभग 30 किमी रफ्तार से चली हवाओ के बीच, कुछ ही देर में हल्की बूंदाबांदी शुरू हो गई, जिसने गर्मी से बेहाल लोगों को राहत पहुंचाई।हालांकि बारिश अधिक देर तक नहीं हुई, लेकिन आधे घण्टे की इस बारिश से तापमान में भारी गिरावट देखी गई और वातावरण में ठंडक घुल गई। दिनभर तेज धूप और गर्म हवाओं से परेशान लोग बारिश का आनंद लेते नजर आए,मौसम में आए इसी बदलाव के बीच शुक्रवार को नगर का अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।तो वही न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा।उधर मौसम विभाग ने आगामी एक सप्ताह तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने, तापमान में उतार चढ़ाव रहने के साथ साथ एक सप्ताह बाद आने वाले रविवार को झमाझम बारिश होने के संकेत दिए है।

जुताई के लिए फायदेमंद साबित हो रही हल्की बारिश

किसानों के अनुसार जून माह में होने वाली ऐसी हल्की वर्षा खरीफ फसलों की तैयारी कर रहे किसानों के लिए भी लाभदायक होती है। बारिश से खेतों की नमी बढ़ती है और किसानों को आगामी बुवाई कार्यों की तैयारी में सहूलियत मिलती है। हालांकि किसानों का कहना है कि अच्छी बारिश का इंतजार अभी भी बना हुआ है, लेकिन मौसम में आए इस बदलाव ने उनकी उम्मीद जरूर जगा दी है। शुक्रवार को हुई यह हल्की बारिश जुताई के लिए फायदेमंद साबित हो रही है और किसान इसी बारिश के सहारे खेतों की जुताई करने में जुट गए हैं।

उधर लोगों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से तापमान लगातार बढ़ रहा था और दिन के साथ-साथ रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही थी। ऐसे में हल्की बारिश और ठंडी हवाओं ने मौसम को सुखद बना दिया है।वहीं आने वाले दिनों में भी मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है वही कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने की संभावना बनी हुई है। फिलहाल शुक्रवार को हुई बारिश ने भीषण गर्मी के बीच राहत की फुहार बनकर लोगों को सुकून पहुंचाया है।नगर के विभिन्न क्षेत्रों में बारिश के बाद सड़कों और बाजारों का माहौल भी बदल गया। जहां दोपहर तक गर्मी के कारण लोग घरों में रहने को मजबूर थे, वहीं बारिश के बाद बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की आवाजाही बढ़ गई। कुल मिलाकर कहें तो इस हल्की बारिश और सुहाने मौसम से लोगों को बड़ी राहत मिली है।

अचानक पेट दर्द की शिकायत के बाद २६ वर्षीय युवक की मौत, कारण अज्ञात

पद्मेश न्यूज़। वारासिवनी। रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम देवगांव निवासी एक २६ वर्षीय युवक की अचानक तबीयत बिगड़ने और अस्पताल लाने के दौरान मौत हो जाने का बेहद दुखद मामला सामने आया है। मृतक सतीश पिता धनपाल बिसेन २६ वर्ष है। इस अचानक हुई मौत से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ५ मई को सतीश अपने माता पिता के साथ घर पर ही था और आराम कर रहा था। इसी दौरान अचानक उसके पेट में तेज दर्द शुरू हुआ। सतीश ने तुरंत इसकी जानकारी अपने माता पिता और परिजनों को दी। देखते ही देखते दर्द इतना असहनीय हो गया कि युवक की हालत गंभीर होने लगी। बेटे की हालत बिगड़ती देख घबराए परिजनों ने बिना समय गंवाए पड़ोसियों को आवाज दी। पड़ोसियों की मदद से सतीश को तत्काल वाहन के जरिए सिविल अस्पताल लाया गया ताकि उसे समय पर इलाज मिल सके। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। अस्पताल के डॉक्टरों ने जैसे ही युवक का परीक्षण किया उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक अस्पताल पहुंचने से पहले ही युवक ने दम तोड़ दिया था। अस्पताल प्रशासन की ओर से घटना के संबंध में तुरंत एक लिखित तहरीर स्थानीय पुलिस को भेजी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने सिविल अस्पताल पहुंचकर मृतक के शव का प्रारंभिक पंचनामा तैयार किया। फिलहाल शव को सिविल अस्पताल के पोस्टमार्टम गृह स्थित फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया है। जिसका ६ जून की सुबह १० बजे डॉक्टर के द्वारा मृतक का पोस्टमार्टम किया जाएगा। प्राथमिक तौर पर युवक की मौत का कारण पूरी तरह से अज्ञात है।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

फोन नहीं उठाने पर पत्नी ने पति की कर दी पिटाई

घायल अवस्था में पहुंचा जिला अस्पताल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर 6 महावीर कॉलोनी में पति-पत्नी के बीच हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया। फोन नहीं उठाने से नाराज पत्नी ने अपने पति की जमकर पिटाई कर दी।जिससे वह घायल हो गया। घायल व्यक्ति सुनील शुक्ला पिता विनोद शुक्ला 58 वर्ष का उपचार जिला अस्पताल बालाघाट में कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुनील शुक्ला प्रॉपर्टी का काम करते हैं। बताया गया कि 4 जून को वे अपने किसी काम से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान उनकी पत्नी संगीता शुक्ला ने उन्हें फोन की थी। लेकिन किसी कारणवश सुनील शुक्ला फोन रिसीव नहीं कर पाए। बताया गया कि रात करीब 9:30 बजे जब सुनील शुक्ला अपने घर लौटे, तब उनकी पत्नी संगीता शुक्ला फोन नहीं उठाने की बात को लेकर नाराज हो गईं। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और गुस्से में आकर पत्नी ने गाली-गलौज करते हुए अपने पति के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट कर दी।मारपीट में सुनील शुक्ला के चेहरे, सीने, पेट और बाएं कान में चोटें आई हैं। घटना के बाद घायल अवस्था में वे रिपोर्ट दर्ज कराने कोतवाली थाना पहुंचे। इसके बाद अपने बेटे प्रियांशु शुक्ला के साथ मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल पहुंचे। जहां उनका इलाज किया गया।जिला अस्पताल पुलिस ने घायल का बयान दर्ज कर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाई हेतु कोतवाली थाना भेज दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गर्रा में दर्दनाक सड़क हादसा

नशे में धुत बोलेरो चालक ने मोटरसाइकिल को चपेट में लिया

मोटरसाइकिल सवार की मौत, गर्रा डिपो के सामने स्थित डहरवाल ढाबे का संचालक था रिंकू

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत गर्रा में लालबर्रा रोड पर शुक्रवार को दोपहर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति की मौत हो गई। तेज रफ्तार बोलेरो वाहन ने मोटरसाइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। मृतक रिंकू पिता स्व. प्रवेश डहरवाल 42 वर्ष वार्ड नंबर 10 ग्राम गर्रा बालाघाट निवासी बताये गये है। यह सड़क दुर्घटना के बाद कोतवाली पुलिस में बोलेरो क जप्त कर, चालक को अभिरक्षा में ले लिया है रिंकू डहरवाल के शव का शाम होने की वजह से पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है।शव जिला अस्पताल की फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया है। पोस्टमार्टम 6 जून को किया जाएगा

प्राप्त जानकारी के अनुसार रिंकू डहरवाल खेती-किसानी के अलावा वे गर्रा में लालबर्रा रोड वन विभाग डिपो के सामने स्थित डहरवाल ढाबा के संचालक थे। परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं। बताया गया कि गुरुवार 5 जून को दोपहर में रिंकू डहरवाल घर से गेहूं का आटा पिसवाने गर्रा चौक गए थे। दोपहर करीब 3:30 बजे आटा लेकर मोटरसाइकिल से वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान गर्रा चौक से कुछ दूरी पर लालबर्रा रोड पर सामने से तेज रफ्तार में आ रही बोलेरो ने उनकी मोटरसाइकिल को जबरदस्त टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बोलेरो चालक शराब के नशे में था और वाहन चलाने की स्थिति में नहीं था। हादसा इतना भीषण था कि रिंकू डहरवाल गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर बेहोश गिर पड़े। दुर्घटना के बाद मौके पर भीड़ लग गई। घटना की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायल रिंकू डहरवाल को जिला अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। आशंका जताई जा रही है कि उनकी मौत जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही हो चुकी थी। जिला अस्पताल पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया जिनके शव का शाम होने की वजह से पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है जिसे जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया है। पोस्टमार्टम 6 जून को किया जाएगा ।

कोतवाली पुलिस ने दुर्घटना के बाद बोलेरो क्रमांक एमपी 50 जेड एफ 0186 को अपने कब्जे में लेकर चालक नरेश भलावी साहू टोला कनकी निवासी को अभिरक्षा में ले लिया। जो घटना के दौरान शराब के नशे में था जिसका जिला अस्पताल में मुलाहिजा भी करवाया गया है।

आक्रोशित परिजनों ने शराबी बोलेरो चालक पर कड़ी कार्रवाई की मांग की

सड़क दुर्घटना में मृत रिंकू डहरवाल के परिजन, रिश्तेदार और परिचित बड़ी संख्या में कोतवाली पहुंचे और हादसे के आरोपी बोलेरो चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। परिजनों का आरोप है कि दुर्घटना के समय बोलेरो चालक शराब के नशे में धुत था। जिसके कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ। आक्रोशित लोगों ने पुलिस से मांग की कि आरोपी चालक का तत्काल चिकित्सकीय मुलाहिजा कराया जाए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वह नशे की हालत में वाहन चला रहा था। साथ ही उन्होंने आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी वैधानिक कार्रवाई करने की मांग भी उठाई।मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली पुलिस ने परिजनों और उपस्थित लोगों को आश्वस्त किया कि बोलेरो चालक का तुरंत मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा। पुलिस ने यह भी भरोसा दिलाया कि जांच में दोष सिद्ध होने पर आरोपी के खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

मिरेगांव के पास दो मोटरसाइकिल की भिड़ंत- दो युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा रोड स्थित ग्राम मिरेगांव के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने सामने की टक्कर में दो युवक घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों घायलों को उपचार के लिए पहले लालबर्रा अस्पताल में भर्ती किया गया।जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। दोनो घायल नरेंद्र पिता लक्ष्मण वैध 35 वर्ष ग्राम नाटा थाना परसवाड़ा निवासी तथा राकेश पिता ज्ञान सिंह वरकड़े 24 वर्ष मानुटोला ग्राम कंजई लालबर्रा निवासी बताए गए हैं जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राकेश वरकड़े मजदूरी का कार्य करता है। उसकी शादी पिछले महीने ही हुई है। हाल ही में वह मजदूरी करने भंडारा-तुमसर क्षेत्र गया हुआ था। 5 जून को वह मोटरसाइकिल से भंडारा से वारासिवनी पहुंचा और वहां से लवादा होते हुए अपने घर मानुटोला लौट रहा था। वहीं नरेंद्र वैध, जो अपने गांव के कोटवार बताए जा रहे हैं। वह मोटरसाइकिल से मिरेगांव स्थित रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। इसी दौरान 3 बजे करीब ग्राम मिरेगांव के पास दोनों मोटरसाइकिलों की जोरदार भिड़ंत हो गई, जिससे दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तत्काल लालबर्रा अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बालाघाट भेज दिया गया। दोनों के इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

गर्रा में संदिग्ध परिस्थितियों में व्यक्ति की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गर्रा में किराए के मकान में बेटे के साथ रह रहे एक व्यक्ति की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। मृतक की पहचान सत्येंद्र पिता प्रकाश शुक्ला 45 वर्ष मोतीनगर बालाघाट निवासी के निवासी के नाम से की गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा नहीं हो सका है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होने की संभावना जताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सत्येंद्र शुक्ला मूल रूप से मोतीनगर बालाघाट के निवासी थे। बताया गया है कि बालाघाट में उनकी अच्छी-खासी संपत्ति थी। परिवार में उनका एकमात्र बेटा जयस शुक्ला 17 वर्ष है। पिछले कुछ महीनों से सत्येंद्र शुक्ला अपने बेटे के साथ ग्राम गर्रा में किराए के मकान में रह रहे थे। उन्होंने अपने बेटे के लिए हाल ही में एक नई मोटरसाइकिल भी खरीदी थी। बताया गया है कि सत्येंद्र शुक्ला कोई कार्य नहीं करते थे और घर में ही रहते थे।पिछले करीब 15 दिनों से वे अत्यधिक शराब का सेवन कर रहे थे। 3 जून को उनका बेटा जयस शुक्ला किसी काम से मोटरसाइकिल से नागपुर गया हुआ था। इस दौरान सत्येंद्र शुक्ला घर में अकेले थे।4 जून की शाम जब जयस शुक्ला नागपुर से वापस गर्रा लौट रहा था।तभी मकान मालिक ने उसे फोन कर बताया कि उसके पिता की तबीयत ठीक नहीं है। घर पहुंचने पर जयस ने देखा कि उसके पिता सत्येंद्र शुक्ला की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की प्रारंभिक जांच की। इसके बाद शव को जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवाया गया।5 जून को उपनिरीक्षक गौरव धुर्वे ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

वेटिंग पीरियड 11 से 21 दिन
153 कि.मी. की रेंज
मेटल बॉडी
HAMARA KAL
HAMARA AAJ
HAMARA BAJAJ
HAMESHA NO.1
Chetak
चलता नही दौड़ता है...
EV में लगातार नं. 1
बालाघाट में स्कूटर में नं. 1 EV
Chetak
FULLY LIFEPROOF
सेन्ट्रल सब्सीडी मात्र कुछ दिन शेष ₹91504/-
चेतक एक्सक्लूसिव सेंटर साईं ऑटोमोबाईल्स
मोती तालाब रोड, नर्मदा नगर बालाघाट Mob.- 6263158471, 9425822517

PADMESH X FIBERNET
Super Saver
Plan
Just @ 299
30 Mbps Speed
NEW OFFER
Visit Our Website:
www.padmeshdigital.in
For Booking Call us at :
08045777666

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन,
स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान,
शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि
सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

आवश्यकता है
पेट्रोल पंप में काम करने हेतु युवक/
युवती की आवश्यकता है युवतियों
को विशेष प्राथमिकता
युवक-५ पद, युवती ५ पद, मेनेजर २ पद
वेतनमान-योग्यता अनुसार
-सम्पर्क करें-
रूसिया फ्यूल बालाघाट रोड , अभिषेक पेट्रोलियम
चंदोरी कटंगी रोड़ वारासिवनी
मों.नं.6260987149, 7974436365,
9822219741, 9713298484

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट